

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORY

'मं **२** 2 1]

नई बिल्लो, शनिषार, मई 22, 1971/अवेब्ड 1, 1893

Mo, 21]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 22, 1971 JYAISTHA 1, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह म्रलग संकलन के रूप में रखा जा सिके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II---खण्ड 3---उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

.(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (तंघ राज्य-क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) हेश्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये विधि के अन्तर्गत बनाये और जारी किये गये साधारण नियम (जिनन साधारण प्रकार के ग्राविश, उप-नियम भ्रावि सम्मिलित हैं)।

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories).

MINISTRY OF LAW

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 1st May 1971

G.S.R. 723.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of rule 8B of Order XXVII of the First Schedule to the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908), the Central Government hereby makes the following turther amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Law No. GSR. 1412 dated the 25th November, 1960.

In the Schedule to the said notification in item 3 relating to Bihar for the existing entries in both the columns the following entries shall be substituted, namely:—

- (a) High Court—Shri Ashwini Kumar Sinha, Central Government Standing. Counsel, High Court.
- (b) All Courts-Government Pleaders.

[No. F. 36(1)/71-J.]

A. S. CHAUDHRI, Jt. Sccy. and Legal Adviser.

विधि मंत्रालय

(विधिकार्यकामा)

नई दिल्ली, 1 मई, 1971

सा० का० कि० 723.—सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5) की प्रथम श्रनुसूची के श्रादेश 27 के नियम 8 ख के खंड (क) द्वारा प्रवत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय संकार, भारत सरकार, विधि मंत्रालय की श्रिधिसूचना सं० सा० का० नि० 1412, तारीख 25 नत्रम्बर, 1960 एतदद्वारा निम्निखित श्रपर संशोधन करती है :---

उपत श्रिधसूचना की श्रनुपूची में बिहार संबंधी मः 3 में दोनों स्तंभों में वर्त्तमान प्रविष्टियों के लिए निम्नलिखिन प्रविष्टियां प्रतिस्थानित की जाएंगी, श्रयति :---

उ**च्च** न्यायासय

श्री श्रप्रिवनी कुमार सिन्हा, केन्द्रीय सरकार के स्थानी काउंसिल, उच्च न्यायालय

(ख) सभी भ्यायालय

सरकारी प्लीडर।

[सं० फा० 36 (1)/71-न्या०],

ए० एसः चौधरी,

संयुक्त सचिव श्रीर विधि सलाहकार ।

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 29th April 1971

- G.S.R. 724.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 30% of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the posts of Chief Librarian and Librarian under the Ministry of External Affairs namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of External Affairs Chief Librarian (Class I Gazetted) & Librarian (Class II non gazetted) Recruitment Rules 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Application,—These rules shall apply to the pists specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Number, Classification and Scale of Pay.—The number of posts, classification thereof and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 3 and 4 of the said Schedule.

- 4. Method of Recruitment, age limit, Qualifications etc.—The method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the schedule aforesaid.
- 5. **Disqualification**.—No person, (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said posts.

Provided that Central Government may, if satisfied, that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

Repeal—The Ministry of External Affairs (Class I & Class II posts in the Historical Division and the United Nations Division) Recruitment Rules. 1963, shall in so far as they relate to matters provided for in these rules, cease to apply.

						Sche-
Name of post	No. of posts	Classifica- tion	Scale of pay	Whether selection post or non-selec- tion post	Age for direct recruits	Educational &Other qualifications required for dirrect recruits
ī	2	3	4	5	6	7
I. Chief Lib- rarian	7	General Central Service Class I	Rs. 820-40- 1100-50/2- 1150	Not applicable	40 years and below (Relaxable for Gov- ernment servants)	(i) At least 2nd Clast
· Labrarian	5	General Central Service Class II Non-Gaz- etted	Rs. 370-20- 450-25-575	Selection	35 years & below (re- laxable for Govern- ment ser- vants).	(i) Degree in Social

the grade.

2000	THE	GAZETTE	OF	INDIA:	MAY	22,	1971/JYAIS	STHA 1, 18	93 [PART II—
1		2	3	4		5	6		7
						-		ĥaving maps.	: ce in a library Collection of
								and of bibilog	of geography cartographic and raphic guidance ction and evaluamaps.

:Бес.	3(i)]	THE	INDIA: MAY		THA 1, 1893 20
8	···	9	 	12	

[No. 23/PF/71.]

BEIN KUMAR, Under Sect.

विवेश मंत्र।सय

नई दिल्ली, 29 अप्रैल, 1971

सा० का० नि० 724.—सविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त श्रिधकारों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, जिदेश मत्रालय में मुख्य पुस्तकाध्यक्ष श्रीर पुस्तवाध्यक्ष के पदो पर भर्ती है र्रा को नियमि करने के लिए निम्नलिखा नियम बनाते हैं ---

- 1 संक्षिप्त शीसंक एवं प्रारम्भ.--(1) इन नियमो को विदेश महालय मुख्य पुस्तकाध्यक्ष (वर्ग-एक राजपितत) ग्रीर पुस्तकाध्यक्ष (वर्ग-दो अराजपितत) भर्सी नियम, 1971 की संज्ञा दी जाएगी।
- 2. विनियोग.—ये नियम इससे सटान श्रनुसूची के वालम-एक मे निविष्ट पद पर लागु होंगे।
- 3. पवों की संख्या, वर्गीकरण धौर वितनमाम --पदो की सख्या, उनका वर्गीकरण धौर वितनमान वही होगे जो इन नियमों के साथ संलग्न ध्रनुसूची के कालम 2,3 श्रीर 4 में बताए गए ।
- 4 भर्ती का तरीका, श्रायु-सीमा तथा श्रह्ताएं श्रावि.—उक्त पदे। पर भर्त्ती का तरीका, श्राय-स ा, श्रह्मेताएं तथा तत्स बधी अन्य बाने वही होगी जो उक्त श्रन्सूनी के कालम 5 से 13 में बताई गई है।

5. भ्रयोग्यताएं.---

- (क) ऐसा कोई भो व्यक्ति जिसकी एक से अधिक जीवित पत्नियां हो अथवा जो जीवित पत्नी के रहते हुए किसी भी ऐसी सूरत में विवाह करे, जिसमें वह विवाह उक्त पत्नी के जीवित रहने के कारण प्रभावहीन हो, इन पदों पर नियुक्ति के योग्य नहीं होगा ।
- (ख) कोई भी ऐसी स्त्री जिसका विवाह उसके पति के उस समय जीवित पत्नी होने के कारण प्रभावहीन हो, ग्रथवा जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो, जिस की पत्नी उसके उस विवाह के समय जीवित हो, इन पदो पर नियुक्ति के योग्य नहीं होगा।

लेकिन नेन्द्रीय सरकार, यदि इस बान से आध्वस्त हो जाए कि इस प्रशार के श्रादेश देने के विशेष श्राचार है, तो वह ऐसा श्रादेश करके किसी व्यक्ति को इस नियम से छट दे सकती है ।

9. ील देने का श्राधिकार.—जहां केन्द्रीय सरकार समझे कि इन नियमों की किसी भीं व्यवस्था में ढील देना श्रावश्यक या उचित होगा, वहा वह, ऐसा करने के कारण लिखिन रूप में दर्ज करके श्रीर संघ लोक सेवा श्रायोग से परामर्श करके श्रीर संघ लोक सेवा श्रायोग से परामर्श करके श्रीर विच नियमों की व्यवस्थाओं में ढील दे सकती है।

निरसन.—जहा तक इन नियमों में, जिन बातों की व्यवस्था की गई है उनका सम्बन्ध है, िदश मन्नातय (इतिहास-प्रभाग श्रीर सयुक्त राष्ट्र प्रभान में वर्ग-एक श्रीर वर्ग-दो के पद) भर्ता नियम, 1963, श्रव लागू नही होगे । त्पद का पदों की वर्गीकरण बेतनमान प्रवरण सीधी भर्ती सीबी भरती -नाम संख्या पद है या के लिए भ्रायु के लिए गैक्षिक श्रप्रवरण एवं भ्रस्य भ्रहेताएं

1 2 3 4 5 6 7

्रा. मुख्य एक सामान्य केन्द्रीय 820-40~ लागु ल्युस्तकाध्यक्ष येवा वर्ग-एक 1100-50/ नहीं

2-1150 ए० होता।

ग्रनिवार्य: (1) कसी

(सरकारी मान्यता प्राप्त विश्व-कर्मचारियों विद्यालय से सामा-के मामले में जिक विज्ञान या ढोल दी जा मानविका मे कम मकती हैं) से कम द्वितीय श्रेणी मास्टर डिग्री या

उसके

श्रानर्स डिग्री ।

40 वर्ष ग्रौर

उससे कम

(2) किसी
मान्यता प्राप्त
विश्वविद्यालय /
संस्था से पुस्तकालय विज्ञान में
डिग्री या उसके
समकक्ष डिप्लोमा।

समकक्ष

(3) किसी विशेष पुस्तकालय विश्वविद्यालय/

पुस्तकालय या किसी विशाल पुस्तकालय प्रणाली में किसी

लोक सेवा ग्रायोग

(परमार्श से छूट) नियम, 1958 में

सूची

होता ।

सोधी भरती वालों के लिए निर्धारित श्रायु तथा गौक्षक ग्रह्ता क्या पदोन्नति पाने वालों पर भी लागू होंगी	श्चवधि, यदि कोई हो ग्	भरती का तरीका मीधी भरती या पदोन्नति ग्रथवा प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण ग्रौर विभिन्न तरीकों से भरे जाने वाल पदों के प्रति- शत द्वारा	पदोन्नित/प्रति- नियुक्ति/स्थानांत- रण सं भर्सी किए जाने पर वे ग्रेड जिनसे पद्योप्निति/ प्रतिनियुक्ति/स्था नांतरण किए जाने है	गीय पदोन्नति समिति विद्य- मान है लो इसको गठन - क्या है	वे परि- स्थितियां जिनमें भर्ती करने में संघ लोक सेवा श्रायोग से परामर्श
8	9	10	11	12	13

होता। होता।

(3) किसी ख्याति

पुस्तका-

में किसी उत्तरदायित्वपूर्ण

प्राप्त

लय

लागृ नहीं _ अव। होता। 50 प्रतिशत पदो- पत्तोक्षाति : वर्ग-दो विभागीय सहायक विभागीय सम्भव नहीं हुआ पुम्तका घ्मक्ष पदोन्निति तो 50 प्रतिशत (210-425) समिति सोधो भरती से इस वर्ग में 5 वर्ष की सेवा सहित

जैसा कि सघ लोक सेवा श्राबोग (परामर्श से **धू**ट) नियम, 1958 में श्रपेक्षित हैं।

मार्ग

की

दर्शन

जानकारी।

SEC. 3(i)]	THE G	AZETTE OF	INDIA:	MAY 22,	1971/JYAISTHA	1, 1893	20094
							===-
8	9	10	11		12	13	

[सं॰ 23/पी एफ/71.]

वृज कुमार, ग्रयर सचिव।

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

(Department of Health)

New Delhi, the 5th May, 1971

G.S.R. 725.—The following draft of certain rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, which the Central Government propose to make, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954) and after consultation with the Central Committee for Food Standards, is hereby published as required by sub-section (1) of section 23 of the said Act for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft rules will be taken into consideration on or after the 1st July, 1971.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules, before the date so specified, will be considered by the Central Government.

Draft Rules

- 1. These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Amendment) Rules, 1971.
 - 2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955.
 - (1) In rule 6.
 - (a) Clause (i) shall be omitted;
 - (b) Clauses (ii), (iii) and (iv) shall be renumbered as (i), (ii) and (iil) respectively, thereof and in sub-clause (i) as so renumerated, (i) for the word "Agriculture" the words "Agricultural Chemistry" shall be substituted;
- (2) for the expression "in any of the laboratories referred to in clause (i)" the following shall be substituted, namely:-
 - "in a laboratory under the control of
 - (a) a public analyst appointed under the Act, or
 - (b) a chemical examine to Government, or
 - (c) a Fellow of the Royal Institute of Chemistry or Great Britain (Branch E),
 - (d) the head of the Institution specially approved for the purpose by the Central or State Government, or
 - (e) the Director, Central Food Laboratory;"
 - (ii) in rule 9,-
 - (a) in sub-clause (e) the following shall be inserted at the end, namely:—
 - "in the prescribed Form No. VIII;"
 - (b) in sub-clause (1) the following expression occurring at the end shall be omitted, namely: -
 - "in case it is found to be not conforming to the Act or Rules made thereunder";
- (iii) in rule 17, after the words "in a sealed packet" the following shall be inserted, namely:-

'Or by any other suitable means of transport available;

- (iv) in rule 28, in the table,—
 - (a) for the heading and figures in column 3, the following heading and figures shall be substituted, namely:-

Colour Index (1956)

16255

14720

16045

16185

45430

19140 15985 73015

(b) after item 3 and entries thereto, the following items and entries thereto shall be inserted, namely:—

4. I 2 3 4
green Green S 44090 Triarylmethane
Fast Green FCF 42053 Triarylmethano

- (v) in rule 48 A, the following shall be inserted at the end, namely: -
 - "(vi) The coal-tar-tar-dyes permitted for use in certain foods shall be sold only under Indian Standards Institution Certification Mark":
- (vi) in rule 50, in sub-rule 13, the following shall be inserted at the end, namely:
 - "The permanent salesmen of the companies shall not be treated as itinerant vendors so far carrying of the metallic badges on their arms are concerned.":
 - (vii) in rule 53, in clause (ii) after (e) the following shall be inserted, namely:
 - "(f) Mould inhibitors like calcium of sodium propionate; sorbic acid or its sodium potassium or calcium salts; acetic acid or lactic acid; vinegar; Acid calcium phosphate etc. etc.";
- (viii) in rule 55, in the table against item 5 and in columns 2 and 3 after the entries, the following shall respectively be inserted, namely:—
 - "or sorbic acid and its salts....1000 ppm" (calculated as sorbic acid);
- (ix) in sub-rule (2) of rule 57, in the table, the words "by weight" occurring to the heading of column 3 shall be omitted;
- (x) in rule 59, in the proviso, after item 6, the following shall be inserted, namely:—
 - "7. Gallic Acid.......0.01 per cent.
 - 7-A. Butylated hydroxytoluene (BHT....0.02 per cent.";
 - (xi) in Appendix 'A'.—
 - (a) in Form II, para 2 shall be renumbered as para 3 and before it is so renumbered the following shall be inserted, namely:—
 - "2. Certified that the sample was in a condition fit for analysis".
 - (b) after form VII, the following shall be inserted, namely:-

"FORM VIII

(See rule 9 e)

Form of Inspection by a Food Inspector

- 1. (a) Name of the Food Inspector.
 - (b) Other particulars of designation.
- 2. Jurisdiction,
- 3. Particulars of Inspection.
 - (a) Date and time of inspection.
 - (b) Cause of inspection: Whether routine or on receipt of a complaint, in the case of complaint state the date of receipt of the complaint.
 - (c) Complete Name, nature and address of the trade inspected.
 - (d) Name/s of the licencee/s and Vendor/s. If the trade is not licensed, state the name/s of the owner/s and vendor/s.
 - (e) Serial No. and the period of validity of the licence issued under the State Rules.
 - (f) Are all the conditions of the licence issued under the State rules and those mentioned under rule 50 observed? If not, state serial No. of the conditions infringed.

- (g) Have all the requirements of part VII-Packing and Labelling of food of the rules been complied with?
- (h) Is any article of food "misbranded" as defined in the Act?
- (i) Is seizure action warranted as provided under section 10(4) or section 10 (6) of the Act?
- (i) If he is a manufacturer, distributor or dealer, does he give a warranty as required under section 14 of the Act?
- (k) If he is not a manufacturer, state the complete name, address and other particulars of the person from whom he purchased the article of food (vide section 14-A of the Act).

4. Sampling.

- (a) Complete name of the person from whom a sample of food is taken.
- (b) Relationship of the person to the trade (whether owner, manager, servant, etc.)
- (c) Note down the evidence to prove the relationship of the person to the trade.
- (d) Name and quantity of the food sampled. Also state trade name of the food, if any,
- (e) If the article of food is seized, state the approximate quantity seized.
- (f) In the case of milk, state whether milk was properly stirred before sampling. In the case of butter, state whether butter was taken from all the layers of the butter dome and was properly mixed before dividing into three parts.
- (g) Has formalin been added as provided under rule 20 of the rules?
- (h) Nature of the container from which the sample was taken and state whether it was open or sealed.
- (i) If the sample is taken without opening the seal of the container, state whether the label declaration is idential (vide rule 22A of the rules).
- (j) If the sample is taken for Saccharin test, state whether a declaration as per rule 47 of the rules was not exhibited.
- (k) Has a warranty been produced in respect of the food sampled if so, state the name and address of the warrantor and No. date and other particulars of the warranty.
- (1) How was the sample sent to the Public Analyst (vide rule 17 of the rules)?

 If sent by hand delivery state the name and designation of the person concerned?
- (m) Has a copy of the memorandum in form VII and a specimen impression of the seal been sent to the public Analyst in a sealed packet separately?
- (n) Have acknowledgments been taken from Public Analyst office for (1) and (m) above?
- 5. Result of analysis of the sample and the date of receipt of the analytical report. In the case of adulteration, attach a copy of the analytical report.

6. Witness-

- (a) Complete name and address of the witness.
- (b) Is the sample taken, divided and sealed in the presence of the witness and his signautre obtained on the necessary documents and the containers of the sample?
- 7. Additional information, if any.

Signature of the Food Inspector.

Date.

Direction about action.

Signature of the Health Officer.

- 8. Particulars of Action: --
 - (a) Date of warning letter, if issued.
 - (b) Date of prosecution, if launched.
 - (c) Court case No.
 - (d) Result of action under (a) or (b) with date.
 - (e) Orders of the court in the case seizure action.
 - (f) Date of compliance with orders issued by the Court.
- 9. Remarks.

Signature of the Food Inspector.

(xii) in Appendix 'B'

- (a) after item A.05.22, the following shall be inserted, namely:—
- "A.05.23-Ajowan (Bishop's weed) means the dried ripe fruits of Trachyspermum ammi (Linn) (Carm copticum).

It shall conform to the following standards;

- (a) Extraneous matter including dirt, lumps, earth, stones and other edible foreign seeds.....not more than 5 per cent by weight.
- (b) Total ash.not more than 10.0 per cent.
- (c) Ash insoluble in dilute HCl......Not more than 2.0 per cent.

The seeds shall be free from living insects, insect fragmentations and rodent contamination visible to the eyes.":

- (b) in item A.07.05, in sub-clause (i) for the figure '70' the figures '60' shall be substituted.
- (c) in item A.11.01.05, for the words, "flavoured milk shall be pasturized or sterilized" the words "flavoured milk shall be pasturized, sterilized or boiled" shall be substituted;
- (d) in item A.11.02.14, the following shall be inserted at the end, namely:—
- "coliform count of the powder shall not be more than 90 per gram;
- (e) in item A.11.02.17, for the expression "the moisture in khoa......of the dry matter" the expression "milk fat content shall not be less than 20 per cent, on as it is basis" shall be substituted;
- (f) in item A.11.02.20, the following shall be inserted at the end, namely:—
- "whether butter is sold or offered for sale without any indication as to whether it is table butter or deshi butter, the standards of quality prescribed for table butter shall apply";
- (g) after item A.17.14, the following item shall be inserted, namely:-

"A.17.15 Almond oil:

Almond oil shall be the oil obtained by expression from the seeds of prunus amygdalus Batsch var. dulcis or prunus mygdalus Batsch var. amara without the application of heat. It shall be clear, free from rancidity, suspended or other foreign matter, separated water, added colouring or flavouring substances or mineral oil. It shall conform to the following Standards:—

Butyro-refractometer reading

at 40°C 54—57
Saponification value 196—198
Iodine Value 90—100
Free fatty acid (as oleic acid) Not more than 3.0 per cent.
Bellier's test (Turbidity temperature Acetic Acid method).

[No. F. 14-63/70-PH.] K. SATYANARAYANA, Under Secy.

Not more than 6°C."

स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभागः)

नई दिल्ली, 5 मईं, 1971

सां का विव 725.--खाद्य प्रपमिश्रणः निवारण नियम, 1955 में श्रौर श्रागे संशोधन करने के लिए ऐसे कुछ नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिन्हें केन्द्रीय सरकार खाद्य श्रपमिश्रण निवारणः ग्रिघिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ग्रोर केन्द्रीय खाद्य मानक समिति के परामर्श करने के पश्चात्, उक्त ग्रधिनियम की धारा 23 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार ऐसे संभी व्यक्तियों की सूचना के लिए एतदृद्वारा प्रकाशित किया जाता है जिनका उनसे प्रभावित होना संभाव्य है श्रौर एतद्द्वारा यह सूचना दी। जाती है कि नियमों के उक्त प्रारूप पर 1-7-1971 या उसके पश्चात् विचार किया जायेगा।

उक्त नियमों के प्रारूप के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति से कोई ग्राक्षेप या सुझाव ऊपर विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व प्राप्त होंगे तो केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

- 1. इन नियमों का नाम खाद्य ग्रपमिश्रण निवारणः (द्वितीय संशोधन) नियम, 1971 होगा।
 - 2. खाद्य प्रपमिश्रण निवारण नियम, 1955 में,----
 - (1) नियम 6 में,--
 - (क) खण्ड (i) निकाल दिया जायेगा;
 - (ख) खण्ड (ii), (iii) भौर (iv) को कमशः खण्ड (i), (ii) श्रौर (iii) के रूप में पून:संख्यांकित किया जायेगा श्रीर इस प्रकार पून: संख्यांकित उपखण्ड (i) में "कृषि" शब्द के लिए "कृषि रसायन विज्ञान" मन्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे:
 - (2) "खण्ड (i) में निर्विष्ट किसी प्रयोगशाला में "पद के लिए निम्नलिखित प्रति-स्थापित किया जायेगा, मर्थात्-
 - (क) श्रधिनियम के श्रधीन नियुक्त लोक विश्लेषक, या
 - (ख) सरकार के रसायन परीक्षक, या
 - (ग) रायल इन्स्टीट्यट माफ केमिस्ट्री, ग्रेट ब्रिटेन (श्राखा-ई) के फैलो, या
 - (घ) इस प्रयोजन के लिए केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार द्वारा विशेष रूप से धन्मोदित किसी संस्था के घ्रध्यक्ष, या
 - (इ) निवेशक, केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला, के नियंत्रणाधीनः किसी प्रयोगशाला में"
 - (ii) नियम 9 में---
 - (क) उपखण्ड (क) में "निर्दिष्ट किया गया है" शब्दों के पश्चात् निम्नर्शिखिक ग्रन्त:स्थापित किया जायेगा, ग्रर्थात "विहित प्ररूप सं० 8 में"

- (ख) उपखण्ड (ञा) में से निम्निलिखित वाक्यांग निकाल दिया जायेगा, प्रथात्— "मित्र यह पाया जाये कि वह अधिनियम तथा तद्धीन बनाये गये नियमों के ग्रनुरूप नहीं है तो"
- ((iii) नियम 17 में "मुहरबन्द पैकेट में" शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात

"या यातायात के किसी श्रन्य उपयुक्त साधन द्वारा, जो उपलब्ध हों";

- (iv) नियम 28 में, सारणी में,---
 - (क) स्तम्भ 3 में शीर्षक ग्रौर ग्रंकों के लिये निम्नलिखित शीर्षक ग्रौर ग्रंक प्रति-स्थापित किये जायेंगे, ग्रंथीत

"रंग सम्बन्धी सूचकांक (1956)

16255

14720

16045

16185

45430

19140

15985

- (ख) मद 3 श्रीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित मद श्रीर उनकी प्रविष्टियां श्रन्तःस्थापित की जायेंगी, श्रर्थात्—
 - "4. 1 2 3 4

हरा हरा एस 44090 दाइश्वरिलमिथेन पक्का हरा एफसीएफ ट्राइश्वरिलमिथेन'' 42053

- (v) नियम 48क में, ग्रन्त में निम्नलिखित ग्रन्तःस्थापित किया जायेगा, श्रर्थात्--
 - (vi) कतिपय खाद्याक्षों में प्रयोग के लिए अनुज्ञात कोल-तार तार-रंजक भारतीय मानक संस्था प्रमाणीकरण चिल्ल के अधीन बेचे जायेंगे।"
- (vi) नियम 50 के उपनियम (13) के भ्रन्त में निम्नलिखित भ्रन्त:स्थापित किया जायेगा, भ्रथीत्--
 - "जहा तक कम्पनियों के स्थायी विकेताओं की बाहों पर धातु के बिल्ले लगाने का सम्बन्ध है उन विकेताओं को परिभ्रामी विकेता नही माना जायेगा।"
- (vii) नियम 53 में खण्ड (ii) (ङ) के पश्चात् निम्नलिखित श्रन्तःस्थापित किया जायेगा, श्रर्थात्—
 - ''(च) सोडियम प्रोपिक्रोमेट के केल्शियम जैसे सांचा भ्रवरोधी सारविक एसिड या उसके सोडियम, पोटाशियम श्रथवा कैल्शियम लवण; एसेटिक एसिड या लैकटिक एसिड; सिरका; ऐसिड केल्शियम फासफेट ग्रादि, ग्रादि";.

- (viii) नियम 55 में, सारणी में, स्तम्भ 2 तथा 3 में मद 5 के सामने की प्रविष्टियों के पश्चात् कमशः निम्नलिखित ग्रन्तःस्थापित किया जायेगा, ग्रथित--
 - "या सारविक एसिड ग्रौर उसके लवण—-1000 पी पी एम सारविक एसिड के रूप में प्रगति";
- (ix) नियम 57 के उपनियम (2) में, सारणी में, "वजन के अनुसार" शब्द जो खण्ड 3 के शीर्षक में आते हैं, निकाल दिये जायेंगे;
- (x) नियम 59 में, परन्तुक में, मद 6 के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्——
 - "7 गैलिक एसिड--0.01 प्रतिशत

7-क बुटिलेटेड हाइड्रोक्सीटोलूइन (बीएचएफ)--0.02 प्रतिशत

- (xi) परिणिष्ट 'क' में---
 - "(क) प्ररूप 3 में, पैरा 2 को पैरा 3 के रूप में पुन: संख्यांकित किया जायेगा धीर इसे इस प्रकार पुन:संख्यांकित करने से पूर्व निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जायेगा; प्रयति——
 - "2. प्रमाणित किया जाता है कि नमूना विश्लेषण के लिए उपयुक्त वशा में या";
 - (ख) प्ररूप 7 के पश्चात्, निम्नलिखित अन्तः स्थापित किया जायेगा, अर्थात्—

"प्र**रू**प 8

[नियम 9 (ङ) देखिए]

खाद्य मिरीक्षक द्वारा निरीक्षण का प्रकृप

- 1. (क) खाद्य निरीक्षक का नाम
 - (ख) पदामिधान सम्बन्धी ग्रन्य विशिष्टियां
- प्रधिकारिता——
- 3. निरीक्षण की विशिष्टियां
 - (क) निरीक्षण की तारीख और समय
 -) कारण क्या यह नेमी ढंग का था या शिकायत प्राप्त होने पर किया गया था। शिकायत की दशा में शिकायत की प्राप्ति की तारीख लिखिये।
 - (ग) जिस व्यापार का निरीक्षण किया गया है उसका पूरा नाम, उसकी प्रकृति भ्रीर पता।
 - (ष) अनुक्रिप्तिधारी/अनुक्रिप्तिधारियों और विकेता/विकेताओं का /के नाम । यदि व्यापार अनुक्रापित नहीं है तो स्वामी/स्वामियों और विकेता/विकेताओं का / के नामः लिखिये ।

- (ङ) राज्य नियमों के भ्रधीन जारी की गई भ्रनुक्तप्ति का क्रमांक भौर उसकी विधिमान्यता की भ्रवधि ।
- (च) क्या राज्य नियमों के प्रधीन जारी की गई अनुज्ञप्ति की सभी शतों भौर नियम 50 में वर्णित सभी शतों का पालन किया गया है ? यदि, नहीं तो जिन शतों का श्रतिलघन हुआ है उनका कमांक लिखिये।
- (छ) क्या नियमों के भाग 7 खाद्य का पैक किया जाना श्रीर उस पर लेबल लगाया जाना—की सभी श्रपेक्षाश्रों का पालन किया गया है?
- (ज) क्या किसी भ्रन्य वस्तु पर गलत छाप जैसी कि वह भ्रधिनियम में परिभाषित है, लगी है ?
- (ता) क्या भ्रभिग्रहण की कार्रवाई भ्रपेक्षित है जैसा कि श्रिधिनियम की धारा 10 (4) या धारा 10 (6) में उपबन्धित हैं ?
- (ञा) यदि वह विनिर्माता, वितरक अथवा श्यौहारी है तो क्या वह अधिनियम की घारा 14 की अपेक्षानसार गारण्टी देता है ?
- (ट) यदि घह विनिर्माता नहीं है तो उस व्यक्ति का, जिससे उसने खाद्य वस्त खरीदी है, पूरा नाम, पता, तथा भ्रन्य विभिष्टियां लिखिये (भ्रिधिनियम की धारा 14-क) देखिये।

4. नमूना लेनाः

- (क) उस व्यक्ति का पूरा नाम, जिससे खाद्य नमूना लिया गया है।
- (ख).उस व्यक्ति का व्यापार से क्या सम्बन्ध है (क्या वह स्वामी है, प्रवन्धक है, सेवक है, ग्रादि)
- (ग) व्यापार के साथ उस व्यक्ति का जो सम्बन्ध है उसे साबित करने के लिये साक्ष्य का कथन कीजिये ।
- (घ) जिस खाद्य का नमूना लिया गया है उसका नाम ग्रौर उसकी मात्रा लिखिये। यह भी लिखिये कि खाद्य का व्यापारिक नाम, यदि कोई है तो, क्या है।
- (ङ) यदि खाद्य वस्तु श्रभिगृहीत की गई है तो श्रधिगृहीत की गई (लगभग) मान्ना का उल्लेख कीजिये ।
- (च) दूध की दशा में, यह लिखिये कि उसका नमूना लॅने से पूर्व क्या उसे श्रच्छी तरह हिला डुला लिया गया था। मक्खन की दशा में यह लिखिये कि क्या मक्खन उसकी सभी परतों में से निकाला गया था श्रीर तीन भागों में बांटने से पूर्व श्रच्छी तरह मिला लिया गया था।
- (छ) जैसा कि नियमों के नियम 20 में उपबन्धित है क्या फार्मेलिन मिलाई गई थी?
- (ज) जिस पात्र में से नमूना लिया गया था वह कैसा था ग्रौर यह भी लिखिये वह खला था या मुहरबन्द।

- (झ) यदि नमूना सैकरिन परीक्षा के लिए लिया गया है तो यह लिखिये कि लेखल पर जो घोषणा है क्या वह अभिन्न है (नियमों का नियम 22-क देखिये)।
- (ञा) यदि नमूना पाल की मोहर तोड़े बिना लिया गया है तो क्या नियमों के नियम 47 की श्रपेक्षानुसार कोई घोषणा प्रविशत नहीं की गई थी।
- (ट) जिस खाद्य का नमूना किया गया है उसके बारे में क्या कोई वारण्टी पेश की गई है ग्रीर यदि पेश की गई है तो वारण्ट का नाम ग्रीर पता तथा वारण्ट की संख्या, तारीख ग्रीर धन्य विशिष्टियां लिखिये।
- (ठ) नमूना लोक विश्लेषक के पास किस प्रकार भेजा गया (नियमों का नियम 17 वेखिये)। यदि उसे हाथों-हाथ भेजा गया था तो सम्बन्धित व्यक्ति का नाम भौर पदाभिधान लिखिये।
- (ड) क्या प्ररूप 7 में ज्ञापन की एक प्रति श्रौर मुद्रा की छाप का नमूना किसी मुहरबन्द पैकेट में अलग से लोक विश्लेषक को भेजा गया है।
- (क) क्या उपरयुक्त (ठ) भ्रौर (क) के लिए लोक विश्लेषक के कार्यक्रम से भ्रभिस्वीकृति प्राप्त कर ली गई है।
- 5. नमूने के विश्लेषण का परिणास और विश्लेषण रिपोर्ट की प्राप्ति की तारीख । अपिमश्रण की दशा में, विश्लेषण-रिपोर्ट की एक प्रति लगाइये ।
 - 6. साक्षी:
 - (क) साक्षी का पूरा नाम धौर पता—]
 - (ख) क्या तमूना साक्षी की उपस्थिति में लिया गया है, बांटा गया है श्रौर मुहरबन्द किया गया है श्रौर क्या श्रावश्यक कागज पत्नों पर तथा नमूने के पात्नों पर उसके हस्ताक्षर ले लिये गये हैं?
 - ग्रतिरिक्त जानकारी, यदि कोई हो ।

तारीख

खाद्य निरीक्षक के हस्ताक्षर

कार्रवाई के बारे में निदेश

स्वास्थ्य अधिकारी के हस्ताक्षर

- कार्रवाई की विशिष्टियां :—
 - (क) यदि कोई चेतावनी पत्र आरी किया गया है तो उसकी तारीख।
 - (ख) यदि कोई भ्रभियोजन चलाया गया है तो उसकी तारीखा।
 - (ग) न्यायालय में वाद संख्या।
 - (घ) (क) या (ख) के प्रधीन की गई कार्रवाई का परिणाम तारीख सहित।
 - (इं) न्यायालय द्वारा दिये गये आदेशों के अनुपालन की तारीख ।
- टिप्पणियां :----

खाद्य निरीक्षक के हस्ताक्षर

(xii) परिशिष्ट (ख) में---

- (क) मद क 0.5.22 के पश्चात् निम्नलिखित मद मन्तःस्थापित की आयेगी, मर्थात्—
 - "क. 05.23—म्रजवायन (श्रिशप वीड) से ट्रैकुस्पर्मम ऐम्भी (लीन) (कार्य काष्टीमम) प्रभिन्नेत है।

यह निम्नलिखित मानकों के प्रनुरूप होगा,---

- (क) बाह्य पदार्थ, जिनके धन्तर्गत धूल, मिट्टी, पत्थर तथा म्रन्य खाने योग्य विदेशी बीज--वजन के मनुसार 5 प्रतिशत से मनुधिक,
- (ख) कुलराख-10.0 प्रतिशत से भ्रनधिक
- (ग) हाइड्रोक्लीरिक एसिड में न घुलने वाली राख—2.0 प्रतिशत से श्रमधिक। बीज जिंदा कीटों, कीट-विखण्डों और कृतक संदूषणों से, जो भाखों से दिखाई पड़ सकते हों, मुक्त होंगे।"
- (ख) मद क 07.05 में, उपखण्ड (i) में "70" ग्रंक के लिये "60" ग्रंक प्रतिस्थापित किया जायेगा।
- (ग) मद क. 11.01-05 में "सुगन्धित दूध से पाश्चरीकृत या निष्कीटित किया जायेगा" के स्थान पर "सुगन्धित दूध को पाश्चरीकृत या निष्कीटित किया या जवाला जायेगा" शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे।
- (घ) भव क. 11.02.14 में, निम्मिलिखित श्रन्तः स्थापित किया जायेगा, श्रर्थात्—— "पाउडर का कोलिफोम काउष्ट 90 प्रति ग्राम से श्रिष्ठक नहीं होगा"
- (ङ) मद 11.02.17 में खोग्ना में नमी, "से ग्रारम्भ होने वाले दूसरे वाक्य के स्थान पर" दूध बसा की माजा जो भी है उसके ग्राधार पर 20 प्रतिशत से कम नहीं होगी" वाक्य ग्रन्त:स्थापित किया जायेगा;
- (ख) मद क. 11.02.20 में, श्रन्त में निम्नलिखित श्रन्तःस्थापित किया जायेगा श्रर्थात्—
 - "जहां मक्खन इस बात का निर्देशन किये बिना कि वह मक्खन भेजी मक्खन है, या देशी मक्खन, बेचा जाता है या बेचने के लिये भ्राफर किया जाता है वहां भेजी मक्खन के लिये विहित क्वालिटी के मानक लागू होगे।"
- (छ) मव क. 17.14 के पश्चात्, निम्नलिखित मद ध्रन्तःस्थापित की जायेगी, ध्रयत्—

"क. 17.15 बादाम का तेल"

बादाम का तेल वह तेल होगा जो पूनुस ग्रिभगद्ग्नालस वात्स वार, दुलसीस या पूनुस मिगदातुस बात्स वार, श्रमम के बीजों को बिना गर्म किये दाव देने से प्रान्त होता है। यह स्वच्छ होगा, बसयांध से, निलम्बित ग्रथवा श्रन्य विजातीय तत्थों से या पृथक जल से या ऊपर से डाले गये रंजक या खुशब् के लिये डाले जाने वाले पदार्थीया खनिज तेल से मुक्तः होगा । यह निम्नलिखित मानकों के स्रमुख्य होगा :—

ब्यूट्यो-रिफैक्टोमीटर की रीडिंग

40 डिग्री सें० ग्रे॰ पर	•	•	54-57	
साबुनीकरण म्ल्य	•	•	186-195	
म्रायोडीन मृत्य .		•	90-100	
मुक्त फैटी एसिङ (ग्रीर	लेस्क एसिक	की		
तरह) .	•	•	3.0 प्रतिशत ग्रनधिक	से
बैिलयर परीक्षा (टरवि	डिटी तापम	ग्रन		
एसेटिक एसिड पद्धति) .		6 डिग्री सें० ग्रे०	से

[सं॰ फा॰ 14-63/70-पी॰ एच॰]

के० संस्थमारायण, क्रते सचिव.

धनधिक।

MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE

New Delhi, the 14th April, 1971

G.S.R. 726.—In exercise of the powers conferred by the provise to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Ministry of Education and Youth Services (Class IV posts) Recruitment Rules, 1969, namely:—

- (1) These rules may be called the Ministry of Education and Youth Services (Class IV posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1971.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Schedule to the Ministry of Education and Youth Services (Class IV posts) Recruitment Rules, 1969, against serial No. 2 relating to the post of Junior Gestetner Operator, in column 12, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—
 - "By promotion from Daftries (ordinary grade and selection grade) Jamadars, who have rendered at least three years continuous service in that capacity and have proficiency in sperating and maintaining Gestetner machines.".

[No. A12018/1/71-E-IV.]

UMA DATT, Under Secy.

डिआ तथा समाज कत्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 श्रप्रैल, 1971

जी ० एस० म्रार० 726—: — संविधान के मनुच्छेद 309 के उपबन्धों द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये , राष्ट्रपति इसके द्वारा शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय (चतुर्थ श्रेणी पदों) भर्ती नियम के संशोधन के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, भर्मात् :---

- 1. (1) इन नियमों को शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय (चतुर्थ श्रेणी पद) भर्तीः (संशोधन) नियम, 1971 कहा आये।
 - (2) सरकारी राजपत्न में छपने की तारीख से ये लागू होंगे।
- 2. शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय (चतुर्य श्रेणी पद) भर्ती नियम, 1969 की भ्रनुसूची में गेस्टेंटनर भ्रापरेटरि के पद से सम्बन्धित क्रमांक 2 के कालम 12 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्निखित प्रविष्टि रखी जाये, भ्रार्थात् :—

"वप्तरी (साधारण ग्रेड तथा सलेक्शन ग्रेड) से तथा जमावारों से पदोन्नति पर, जिन्होने उस पद्पर कम से कम तीन वर्ष से लगातार सेवा की हो तथा गेस्टेटनर मगीनों को चलाने ग्रीर रख-रखाव में प्रवीणता प्राप्त की हो'।

[संख्या ए० 12018/1/71-ई०-4]

उमादल, भ्रवर सचिव

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

(D. G. E. & T.)

New Delhi, the 24th July 1970

- G.S.R. 727.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309' of the Constitution, and in supersession of the Directorate of Training (Class I and Class II Posts) Recruitment Rules, 1962, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Class I and Class II posts in the Directorate of Training, Directorate General of Employment and Training (Department of Labour and Employment), namely:—
- 1. Short title and commencement.—(i) These rules may be called the Directorate of Training (Class I and Class II posts) Recruitment Rules. 1970.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. Application.—These rules shall apply for recruitment to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed hereto.
- 3. Number, classification and scale of pay.—The number of posts, their classification and the scales of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.
- 4. Method of recruitment, age limit, qualifications and other matters.—Themethods of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 5 to 13 of the Scheduler aforesaid;

Provided that the upper age limit specified in column 6 of the Schedule may be relaxed in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the general orders issued by the Central Government from time to time.

5. Disqualification.—(a) No person, who has more than one wife living or who, having a spouse living, marries in any case in which such marriage is void by reason of its taking place during the lifetime of such spouse, shall be eligible for appointment to any of the said posts; and (b) no woman whose marriage is void by reason of the husband having a wife living at the time of such marriage or who has married a person, who has a wife living at the time of such marriage, shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied, that there are special grounds for so ordering, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons/posts.

SCHE

Recruitment Rules for Class I and II Posts in the Directorate of Training Directorate General

Name of No. of Classifica-Posts Post tion

Scale of pay Whether Age for Selection direct Post or recruits non-

Post

Selection

Educational and other qualifications required for direct recruits

I	2	3	4	5	6	7
u. Director Training		General Central Service Class I (Gazetted)	Rs.1800— 100—2000	Selection		issential:— (i) Degree in Mechanical and/or Electrical Engineering or Technolgy of a recognised University or an equivalent qualification.
						(ii) About 12 years ex-

- perience as a Mecha-Engineer nical Technologist.
- (iii) Working knowledge of a number of Engineering trades preferably also of small scale/cotalso tage industries.
- (iv) Association with apprenticeship or other similar training programme preferably of workmen,
- (v) Administrative experience.

Circumstances

DULE

Whether age &

of Employment and Training (Department of Labour and Employment).

Method of re-

Period

In case of recruit-ment by promotion/ exists, what deputation/transfer, is its compoin which UPSC educational quali- of procruitment fications presbation whether by is to be cribed for direct if anv. grades from which sition consulted in direct re cruits will recruitment promotion/deputation/ making recruitapply in the or by deputa- transfer to be made ment CBSC of Protion/transfer motees and percentage of the vacancies to be filled by various methods 8 9 10 II 12 13 Age: No Promotion or Promotion:---Class I Derequired 2 years. As Educational by transfer or partmental Promotion under the qualifications : (i) Additional by direct rerules. cruitment as Director of Training. Committee. (ii) Director, Foreman Training Institute/ may be deci-Training Institute/ Staff Training and ded on each occasion in Institute/ consultation Research with the Un-Advanced Training Public Institute. ion Service Com-(iii) Regional Director, Appro mission. Apprentice-(With 2 years service in the grade rendered after appointment thereto

on a regular basis).

analogous posts un-der State or Cen-

holding

Government.

Transfer: Officers

tral

ı	2	3	4	5	6	7
						(Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified). Desirable:— Administrative experience in a Government Organisation or an Engineering Project, firm as the Head of the Organisation.
(a) Additional Director of Training. (b) Director, Foreman Training Institute/Staff Training and Research-Institute/Advanced Training Institute. (c) Regional Director, Apprenticeship Training.	3	Central Service Class I (Gazetted).	. 1600—100— 1800	Selection	50 years & below (Relaxable for Government servants).	(i) A degree in the appropriate Branch of Engineering /Technology of a recognised University or equivalent (in the case of those trades where there are no recognised Degree Courses Diploma from recognised Universities, Institutions will be acceptable.) (ii) About 10 years experience as Engineer Technologist. (iii) Working knowledge of an Engineering Technological trade preferably also of small scale or cottage industries. (iv) Association with Apprenticeship or other similar training programme preferably of workmen (v) Administrative experience. (Qualifications relaxable a Commission's discretion in case of candidates otherwise we qualified). Desirable: Administrative experience in a Governmen organisation or a Engineering project firm as the Head of the Organisation.

8 9 10 11 12 13

Age: No Educational Qualifications: Yes

2 years.

failing which by transfer on deputation (including short-term contract) or re-employment and failing which by direct recruitment.

By promotion Promotion:—failing which

(i) Deputy Director of Training.
(ii) Deputy Director.
(iii) Principal,
Central Training Institute for Instructors.
(with 5 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.)

Transfer on deputation (including short-term contract). Officers of the Central/State Governments Public Sector Establishments with at least 5 years service in posts in the scale of Rs. 1100—1400, or equivalent and possessing the qualifications laid down in column 7. (Period of deputation/contract ordinarily not exceeding 3 years).

Class I Derequired Αs partmental Promotion under the Public Union Committee. Com-Service mission (Exemption from Consultation) Regulations,

1958.

	_					
I 2		3	4	5	6	7
3. (a) Deputy Director of Train- ing/De- puty Di- rector. (b) Prin- cipal, Central, Training Institute for Ins- tructors,	9	General Central Service Class I (Gazetted)	Rs. 1100-50- 1400	Selection	45 years & below (Relaxa- ble for Govern- ment ser- vants)	Essential: (i) A degree in the appropriate branch of Engineering Technology of a recognised University or equivalent (in the case of those trades where there are no recognised degree courses, diploma from recognised University In stitute will be acceptable).

- (ii) About 7 years' experience subsequent to graduation in a supervisory capacity in a workshop or factory or concern of repute engaged in production. (This may include teaching experience in a recognised Technical Institution).
- (iii) Administrative experience.
- (iv) Working knowledge of Engineering and Building trades preferably of Cottage and/or Small Scale Industries.
- (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).

Age: No; Educational Qualifications: To the extent indicated under Column 11.

8

2 years.

9

By promotion Promotion: failing which by deputation or re-employment and failing which by dí rect ICcruit nent

10

(i) Assistant Director of Training. (ii) Assistant Dir-

11

- ector. (iii) Vice-Principal, Cent-al Training Institute for Instructors.
- (iv)Assistant Apprenticeship Ā₫viser.
- (v) Specialist Instructor.

(with 5 years service in the grade (for degree holders) and with 10 years service in the grade (for diploma/certi-ficate holders), rendered after appointment thereto on a regular basis).

Deputation:

Officers holding analogous posts under State or Central Governments. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years).

Re-employment:

Of retired/released Defence Service personnel.

Class I Departmental Promotion Committee,

12

required. Αs under the Union Public Service Com-(Exmission emption from Consultation) Regulations. 1958.

13

6 1 2 3 7 4 5 A. (a) Assis-49 General Selection Essential: Rs. 700-40-40 years tant Di-Central and below 1100-50/2rector of (Relax-Service 1150. Training/ Class I able for Assistant (Gazetted) Govern-Director. ment sernology vants). (b) Vice-Principal. Central Training Institute for Instructors. (c) Assistant Ap-

prentice-

Adviser.

(d) Spe-

cialist Instruc-

tor.

ship

- (i) A degree in the appropriate branch Engineering / branch ೧೯ Techreof a University cognised or equivalent. (In the case of those trades where there are no recognised degree diplomas courses, from recognised uniinstitutions versities will be acceptable).
- (ii) (A) About 5 years' experience subsequent to graduation (about 7 years in case of diploma holders) in a supervisory capacity in a workshop or factory or concern of repute engaged in production or in teaching in a recognised Technical Institution.

OR

- (B) About 5 years' experience in the specialised trade after graduation or 7 years after obtaining the diploma (According to the requirements of the posts).
- (iii) Administrative experience.
- (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).

Desirable:

Teaching experience in a recognised Institution.

8 9 10 ΙŢ 12 13 50 per cent by promotion failing which Promotion; Class I De-No. 2 yrs. Aş required partmental Officer Promotion under the Technical rules. with 5 years service Committee. in the grade ren-dered after appointby transfer on deputation & failing both ment thereto on a by direct reregular basis. cruitment. 50 per cent by direct recruit-Deputation:

ment,

Officers holding analogous posts under State or Central Government.

(Period of deputation ordinarily not ex-ceeding 3 years.

vants)

6 I 2 5 7 3 4 Technical Rs. 400-400- Selection 35 years Essential: General and below Officer. Central 450-30-600-35-670-EB-Service (Relaxanical/ Class I able for 35-950. (Gazetted) Government ser-

- (A) (i) Degree in Mechanical/ Electrical/
 Civil Engineering or Technology from a recognised University or equivalent.
- (ii) About one year's experience in the particular trade/ skil subsequent to graduation.

OR

- (B) (i) Diploma i Mechanical /Electrica Civil Engineering or Technology from a recognised University or equivalent.
 - (ii) About 3 years experience in the particular trade/skill subsequent to obtaining the diploma.

OR

- (C)(i) Certificate of full term Apprenticeship in the particular trade/ skill from an engineering concern of repute.
- (ii) About 5 years experience in the particular trade/skill after obtaining Trade Certificate.
- (According to the requirements of particular posts).
- (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).

Desirable:

- (i) Experience in a supervisory capacity i a workshop engaged in production or in a Technical Institution.
- (ii) Knowledge of preparation of syllabl and manuals of training.

Note: The diploma and certificate holders will be required to appear for Trade Test.

qualifled. D*ssirab*le:

Experience in maintaining accounts in a Technical Institution.

> 2 yrs. Promotion failing which by direct recruitment.

Promotion:

Junior Master.
 Group Instructor.
 Senior Technical

Assistant.

(with 3 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis).

Class II Departmental Promotion Committee.

As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.

Not applicable

2 yrs.

transfer faildirect recruitment.

By deputation/ Deputation/Transfer:

ing which by Of an S.A.S. Accounntant or persons holding equivalent posts from any of the organised Accounts Department, e.g. Indian Audit and Accounts Departments Indian Defence Accounts Department, Indian Railway Accounts Department, P&T Accounts Departwith ment five years service as such.

> (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years).

Not applicable.

required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations 1958.

श्रम, नियोजन एवं पुनर्वास मंत्रालय

(अम एव नियोजन विभाग)

(नियोजन एवं प्रशिक्षण महानिवेशालय)

नई विल्ली, 24 जुलाई, 1970

सा०का० नि० 727--राष्ट्रपति, संविधान के प्रनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियोजन श्रौर प्रशिक्षण महानिदेशालय (वर्ग 1 श्रौर वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1962 को अधिकान्त करते हुए प्रशिक्षण निदेशालय, नियोजन और प्रशिक्षण महानिदेशालय (श्रम भौर नियोजन विभाग) में वर्ग 1 भौर वर्ग 2 पदों पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्न-लिखित नियम एतदहारा बनाते हैं; श्रर्थात :---

- 1. संक्षिप्त नाम ग्रीर प्रारम्भ .-- (1) इन नियमों का नाम प्रशिक्षण निदेशालय (वर्गे 1 श्रौर वर्ग 2 पव) भर्ती नियम, 1970 होगा ।
 - (2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. लागू होता. -- ये नियम इससे उपावदा अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पदों को लाग होंगे।
- 3. संख्या, वर्गीकरण भीर वेतनमान -- पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण भीर उनके वेतनमान वे होंगे जो उक्त भनसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- 4. भर्ती की पद्धति, भाय-सीमा, शहैताएं भौर भन्य बाते.-- उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, श्राय-सीमाएं, प्रहेताएं भीर उनसे संबंधित घन्य बातें वे होंगी जो उक्त प्रनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं:

परन्तु उक्त प्रनमुत्री के स्तम्भ 6 में विनिर्दिष्ट प्रधिकतम ग्राय-सीमा केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निकाले गए साधारण प्रादेशों के प्रतुसार किसी भी प्रतुसूचित जाति या प्रनुसूचित जनजाति और किन्हीं अन्य विशेष व्यक्ति प्रवर्गों के अभ्याययों के सम्बन्ध में शिथिल की जा सकेगी।

- 5. निरहंता.- (क) कोई भी पुरुष प्रभ्यर्थी जिसकी एक से प्रधिक पत्नियां जीवित हैं या जो एक पत्नी के जीवित रहते हुए, किसी ऐसी दशा में विवाह करता है जिसमें उस पत्नी के जीवनकाल में किए जाने के कारण वह विवाह शुन्य है, उक्त पदों में से किसी पर नियुक्ति का पान नहीं होगा, ग्रौर
- (ख) कोई भी ग्रभ्यार्थिणी जिसका विवाह इस कारण श्रन्य है कि उस विवाह के समय उसके पति की पत्नी जीवित थी, या जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है जिसकी पत्नी उस विवाह के समय जीवित थी, उक्त पदों में से किसी पर नियुक्ति का पान नहीं होगी:

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा ब्रादेश देने के लिए विशेष ब्राधार हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छट दें सकेगी।

6. शिथिल करने की शक्ति:-- जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना श्रावश्यक या समीचीन है वहां वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लिपिबड़ करके तथा संघ लोक सेवा श्रायोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों/पदों की बावत, श्रादेश ब्रारा शिथिल कर सकेगी।

धनुसूची

प्रशिक्षण निदेशालय, रोजगार भौर प्रशिक्षण महानिदेशालय (श्रम श्रौर रोजगार विभाग) में वर्ग 1 भौर 2 पदों के भर्ती नियम

भौर 2 पदों के भर्ती नियम पदों की वर्गीकरण सीधे भर्ती किए चयन पद का नाम वेतनमान जाने वाले व्यक्तियों संख्या पद के लिए ग्रायु प्रथवा भ्रचयन पव 1 2 3 4 5 в 1. प्रशिक्षण निवेशक] साधारण]। प्रधिमान्यतः 1 1800-चयन केन्द्रीय सेवा पचास वर्ष से 100-2000 वर्ग 1 रु० कम आयु हो।

(राजपन्नित)

सीघे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक धौर श्रन्य भर्हेताएं

सीधे भर्ती किए परिवीक्षा की जाने वाले व्यक्तियों कालाविध, यदि के लिए विहित भायु कोई हो भीर गैक्षिक भईं-ताएं प्रोक्षतों की दशा में लागू

7

8

शैक्षिक: हो

भ्रहेताएं

होंगी या नहीं

9

ष्मावश्यकः :

(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की यात्रिक श्रौर/ या वैदयुत इंजीनियरी या प्रोदयोगिकी में उपाधि या कोई समतुल्य श्रहेता। भायुः नहीं दो वर्ष

- (ii) यौद्धिक इंजीनियर या प्रोदयोग-विज्ञानी की हैसियत में लगभग 12 वर्ष का अनुभव !
- (iii) भ्रनेक इंजीनियरी व्यवसायों का, श्रिधमान्यतः लघु/ कटीर उद्योगों का भी कार्यकारी ज्ञान ।
- (iv) शिक्षुता या श्रन्य समरूप प्रशिक्षण कार्यक्रम, जो श्रिधमान्यतः कर्मकारों के लिए हो, से सम्बन्ध।
- (v) प्रशासनिक अनुभव/(अन्यथा सुअ्र्हित अभ्यर्थियों की दशा में अर्हताएं आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकेंगी)।

वांछनीय :

किसी सरकारी संगठन या इंजीनियरी प्रायोजना/फर्म में संगठन प्रमुख के रूप में प्रशासनिक श्रनुभव। भर्ती की पद्धति, भर्ती सीघे होगी या प्रोझित द्वारा या प्रतिनियक्ति स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्था-नान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/ प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण किया जाना है यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा भ्रायोग से परा-मर्श किया जाएगा I

10

11

12

13

प्रोन्नित या स्थानान्तरण ारा या सीधी भर्ती द्वारा जैसा भी प्रत्येक प्रवसर पर संघ लोक सेवा ग्रायोग के परामर्ण से विनिश्चित किया जाए।

प्रोन्नतिः

- (i) ग्रपर प्रशिक्षण
- निदेशक
 (ii) निदेशक, फोरमैन
 प्रशिक्षण संस्थान/कर्मचारी
 वृन्द प्रशिक्षण श्रौर श्रनुसंधान संस्थान/उच्च
 प्रशिक्षण संस्थान ।
- (iii) प्रादेशिक निदेशक, शिक्षुता प्रशिक्षण (जिसकी उस श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के परचात् की गई 2 वर्ष की सेवा हो)।

स्थानाःतरण :

राज्य या केन्द्रीय सरकार के अधीन सदृश पद धारण करने वाले अधिकारी । वर्ग 1 विभागीय नियमाधीन वश्य। प्रोन्नति समिति । श्रपेक्षित

2	3	4	5	6
1	साधारण	1600-	चयन	50 वर्ष भीर
				उससे कम । (सरकारी
3	(राज-	1600		(सरकारा सेवकों के लिए
	पत्नित)			शिथिल की जा
				सकेगी)
4				
-				
	1	1 साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग । 3 (राज- पन्नित)	1 साधारण 1600- केन्द्रीय 100- सेवा वर्ग । 1800 3 (राज- पत्नित)	1 साधारण 1600- घयन केन्द्रीय 100- सेवा वर्गे। 1800 3 (राज- पत्नित)

__

8

भ्रहेताएं

9

श्चावश्यकः ।

(i) किसो मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय को इंगोनियरो / प्रौद्योगिकी को समुचित शाखा में उपाधि या उसके समतुल्य (उन व्यसायों की दशा में, जिनमें कोई मान्यता प्राप्त उपाधि पाठ्यक्रम नहीं है, मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालयों/संस्थाग्रों से डिप्लोमा स्वीकार्य होगा।)

7

म्रायः नहीं दो वर्ष शैक्षिकः हां

- (ii) इंजीनियर/प्रोदयोग विज्ञानी के रूप में लगभग 10 वर्ष का श्रनुभव ।
- ्(iii) किसी इंजीनियरी/प्रोद्योगिक व्यवसाय का, श्रिध-मान्यतः लबु या कुटोर उद्योग का भी कार्यकारी ज्ञान ।
- (iv) शिक्षुता या अन्य समरुप प्रशिक्षण प्रोग्राम, जो अधि-मान्यतः कर्मकारों के लिए हो, से सम्बन्ध ।
- (v) प्रशासनिक स्रनुभव
- (ग्रन्यथा सुग्रहित श्रम्प्रथियों की दशा में श्रह्ताएं आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकेंगी)।

्वाछनीय :

किसी सरकारी संगठन या इंजीनियरी प्रायोजना/फर्म में संगठन-प्रमुख के रूप में प्रशासलिक अनुभव।

12

प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो प्रोन्नतिः सकने परप्रतिनियुक्ति (जिसमें पर भन्तरण **ग्र**ल्पकालिक संविदा सम्मिलित है) द्वारा या पुनर्नियोजन द्वारा भौर उसके न हो सकते र सीधी भर्ती द्वारा

10

(i) प्रशिक्षण उपनिदेशक

- (ii) उपनिवेशक
- (iii) प्रधानाचार्य केन्द्रीय धन्देशक-प्रशिक्षण संस्थान ।

(जिसकी इस श्रेणी नियमति द्याधार पर नियुक्ति के पश्चात् की गई 5 वर्ष की सेवा हो) प्रतिनिय्क्ति पर स्थानाःतरण (जिसमें घरपका लिक सम्मलित है) संविवा केन्द्रीय/राज्य सरकारों या पब्लिक सेक्टर स्थापनों के ग्रधिकारी जिनकी 1180--1400 रु० वेतनमान वाले या सम-तुल्य पद्यों पर न्यूनतम पांच वर्ष की सेवा हो ग्रौर जो स्तंभ ७ में **प्रधिकथित भ्रहें** ताएं रखते हों। (प्रतिनियुक्ति /संविदा की श्रवधि सा-मान्यतः 3 वर्ष से धन-धिक होगी।

वर्ग 1 विभागीय संब लोक सेवाः प्रोन्नति समिति भ्रायोग (परामर्श से छट) वि-नियम, 1958 के भ्रधीन ययाः

भ्रपेक्षित

1	2	3	4	5	6
3(क) उपनिदेशक प्र- शिक्षण/उपनिदेशक (ख) प्राधानाचार्य, केन्द्रीय श्रनुदेशक- प्रशिक्षण संस्थान	9	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 1 (राज- पत्नित)	1100— 50— 1400 ₹∘	चयन	45 वर्ष श्रीर उससे कम (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकेगी)

8

9

वो

श्रीवश्यकः :

(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की इंजीनियरी। प्रोद्योगिकी की समुचित शाखा में उपाधि या समतुख्य (उन व्यवसायों की दशा में, जिनमें कोई मान्यताप्राप्त उपाधि पाठ्यक्रम नहीं हैं, मान्यता प्राप्त विश्विज्यालय/ सस्थान से डिप्लोमा स्वीकार्य होगा)

श्रायुः नहीं

शैक्षिकः सतम्भ

II के नीचे श्रहेताएं उप-

र्वाशत सीमा तक

(ii) उपाधि प्राप्त करने के पश्चात किसी कर्मशाला या कारखाने या उत्पादन में लगे हुए किसी ख्यातिप्राप्त समुत्थान में पर्यवक्षी हैसियत में लगभग 7 वर्ष का श्रनुभव (इसमें किसी मान्यताप्राप्त तकनीकी संख्या का श्रष्ट्या-पन का श्रनुभव सम्मिलित किया जा सकता है)।

- (iii) प्रशासनिक अनुभव।
- (iv) इंजीनियरी श्रीर निर्माण व्यवसायों श्रिधमान्तः कुटीर श्रीर/या लवु उद्योगों का कार्यकारी श्रनुभव । (अन्यथा सुर्ग्रोहत श्रभ्याथियों की दशा में प्रहुताएं आयोग के विकानुसार शिथिल की जा सकेंगी ।

13

श्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति या पुर्नानयोजन द्वारा श्रौर उसके न हो सकने दर सीधी भर्ती द्वारा प्रोत्मितः

(i) सहायक निदेशक, प्रशिक्षण

- (ii) सहायक निवेशक,
- (iii) उपप्रधानाचार्य,
 केन्द्रीय ग्रनुदेशक-प्रशिक्षण संस्थान ।
- (iv) सहायक शिक्षुता सलाहकार
- (V) विशेषक्ष धनुवेशक
 [जिसकी उस श्रेणी में
 नियमित श्राधार पर ही
 नियुक्ति के पश्चात् की
 गई (उपाधि धारकों के
 लिए) 5 वर्ष की श्रौर
 (डिप्लोमा/प्रमाणपत्न—
 धारकों के लिए) 10
 वर्ष की सेवा हो]

प्रतिमिय्क्तिः

राज्य या केन्द्रीय सरकार के
प्रधीन सदृश्य पद धारण
करने वाले श्रिधिकारी
(प्रतिनियुक्ति की प्रविध सामान्यतः 3 वर्ष से ग्रन-धिक होगी)।

पुनर्मियोद्धम

सेवानिवृत्त । निर्मोचित रक्षा सेवा कार्मिक वर्ग 1 विभागीय संघ लोक सेवा प्रोन्नति स्नायोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के प्रधीन यथा स्रपेक्षित

(सरकारी

40 वर्ष भौर उससे

सेवकों के लिए

शिथिल की आप

कम

सकेरी()

5

1 2 3 4 4 (क) सहायक निदेशक साधारण 700---40--- चयन 49 प्रशिक्षण । केन्द्रीय सेवा सहायक 1100---निदेशक वर्ग 1 50/2-(राजपन्नित) 1150 ₹0 (ख) उपप्रधानाचार्य केन्द्रीय -धनुदेशक प्रशि-क्षण संस्थान (ग) सहायक शिक्षुता सलाहकार (प) विशवज्ञ अनुदेशक

2042

8

9

ग्राव इयक

(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की नहीं इंजीनियरी/प्रोद्योगिकी की समुचित शाखा में उपाधि का समतुल्य । (उन व्यवसायों की दशा में , जिन में कोई मान्यता प्राप्त उपाधि पाठ्यकम नहीं है, मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालयों/ संस्थाग्रों से डिप्लोमा स्वीकार्य होंगे) ।

वो वर्ष

(ii) (क) उपाधि प्राप्त करने के पश्चात् किसी कर्मशाला या कारखाने या उत्पादन में लगे हुए किसी ख्यातिप्राप्त समृत्यान में पर्यवेकी हैसियत में या किसी मान्यताप्राप्त तकनीकी संस्था में प्रध्यापन का लगभग 5 वर्ष का (डिप्लोमा धारकों की दशा में लग-भग 7 वर्ष का) ग्रनुभव

या

- (ख) (पदों की श्रपेक्षाओं के अनुसार) विशेषजीय व्यवसाय में उपाधि प्राप्त करने के पश्चात् लगभग 5 वर्ष का या डिप्लोमा प्राप्त करने के पश्चात् 7 वर्ष का श्रनुभव ।
- (ग) प्रशासनिक श्रनुभव (श्रन्थण सुर्ग्राहत श्रभ्गीययों की दशा में श्रहेताएं श्रायोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकेगी)

वांछमीय :

किसी मान्यता प्राप्त संस्था में श्रध्यापन का अनुभव ।

12

13

50 प्रतिशत प्रोक्षति द्वारा जिसके नहीं सकने पर

10

प्रोप्निति :

वर्ग 1 विभागीय

नियमों के भ्रधीन यथा भ्रपेक्षित ।

प्रतिनियक्ति पर स्थानान्तरण तकनीकी श्रधिकारी जिसकी प्रोन्नति समिति द्वारा भीर बोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा। 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा ।

उस श्रेणी में नियमित ग्राधार पर नियुक्ति के पश्चात् की गई 5 वर्ष की सेवा हो। प्रतिमियुक्तिः

राज्य या केन्द्रीय सरकार के म्प्रधीन सदृश पद धारण करने वाले श्रधिकारी (प्रि∃िनियुक्ति श्रवधि सामान्त्यतः 3 वर्ष से प्रनिधक होगी)

करने का ज्ञान ।

जिलोमा श्रौर माणपत्न धारकों से व्यव-

सायिक परीक्षा श्रपेक्षित होगी।

हिप्यण:

11

12

13

प्रोन्नति 25 प्रतिशत सीधी भर्ती--75 प्रतिशत प्रोन्तिः

ज्येष्ट मास्टर जिसकी उस
श्रेणी में नियमित श्राधार
पर नियुक्ति के पश-चान क़ी गई 5 वर्ष की सेवा हो। वर्ग-1 विभागीय नियमों के श्रधीन प्रोन्नति समिति यथा श्रपेक्षित

					<u> </u>
1	2	3	4	5	6
6—ज्येष्ट मास्टर/ कनिष्ठ विशेषज्ञ श्रनुदेशक	790	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 2 (राज- पन्नित) (श्रननु- सचिवीय)	350-25- 575 硤。	चयन	35 वर्ष ग्रौर उससे कम (सरकारी सेवक्कों के लिए शिथिल की जा सकेगी)
	 7			5	9

ग्रावदयकः :

- (i) किसी मान्यता प्र.पा विश्वविद्यालय बोर्ड का में ट्रिक नही दो वष या समनुत्य
- (ii) किसी मान्यताप्राप्त संस्था का समतुल्य व्यवसाय डिप्लोमा या समुचित ।

(उन व्यवसायों की दशा में, जिनमें कोई मान्यताप्राप्त डिप्लोमा नहीं है, व्यवसाय में प्रवीणता का प्रमाणपत्न स्वीकार किया जायगा ।)

(iii) (डिप्लोमा धारों के लिए) लगभग 3 वर्ष का श्रौर (प्रमाणपत्न कधारकों के लिए) 5 वर्ष का श्रौद्योगिक श्रौर श्रध्यापन का श्रनुभव/या (श्रन्यथा सुर्श्चाहत श्रभ्यथियों की दशा में श्रईताएं श्रायोग के विश्वेकान्सार शिथिल की जा सकेगी)।

वांछनीयः

- (i) ख्यातिप्राप्त भौद्योगिक समत्थान में शिक्षत्ता या प्रशिक्षण
- () किसी मान्यताप्राप्त विक्वविद्यालय की इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी मे उपाधि या समतुल्य ।
- टिप्पण :--सीधी भर्ती के लिए म्रावेदन देने वाले म्रभ्यथियों से संबंधित ब्यवसाय में व्यवहारिक परीक्षा म्रपेक्षित होगी ।

भावश्यक-:			
(i)	किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की उपाधि	लागू नहीं होता	दोवर्ष
	या समतुल्य		

9

- (ii) किसी सरकारी/ग्रर्ध सरकारी विभाग या
- संगठन या ख्यातिप्राप्त समुत्थान में लेखा श्रीर स्थापना कार्य में लगभग 5 वर्ष का श्रनुभव श्रन्यथा सुश्रहित श्रभ्यांथयों की दशा में श्रहीताएं श्रायोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकेगी)

बांछनीय:

7

किसी तकनीकी संस्था भें लेखा रखने का श्रनुभव।

11

12

13

प्रतिनियुक्ति प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण: लागू नहीं होता स्थानान्तरण संगटित लेखा विभागों जैसे भारतीय संपरीक्षा द्वारा जिसके न श्रीर लेखा विभाग, भारतीय रक्षा लेखा विभाग हो सकने पर भारतीय रेंल लेखा विभाग डाकतार लेखा विभाग में सीघी भर्ती से किसी के एस० ए० एस० लेखापाल या समतुल्य द्वारा पद धारण करने वाल व्यक्ति जिनकी इस रूप में में पांच वर्ष की सेवा हो। (प्रतिनियुक्ति की भवधि सामान्यत: 3 वष से भन्धिक होगी)

संघ लोक सेवा श्रायोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के ग्रधीन यथा ग्रपेक्षित।

[सं 12(5) 63 प्रशा०-II]

New Delhi, the 30th July 1970

- G.S.R. 728.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the president hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Librarian Class II—Gazetted in the Directorate General of Employment and Training, Department of Labour and Employment, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(i) These rules may be called the Directorate General of Employment and Training (Librarian—Class II-Gazetted) Recruitment Rules, 1970.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Application.—These rules shall apply to the post specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Number, classification and scale of pay.—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.
- 4. Method of recruitment, age limit, qualifications and other matters.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid:

Provided that the upper age limit specified in column 6 of the Schedule may be relaxed in the case of cadidates belonging to the Schedule Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the general orders issued by the Central Government from time to time.

- Disqualification.—No person.—
- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules.

205	THE G	AZETTE OF	INDIA: M	AY 22, 1	971/JYAIS7	ГНА 1, 1893	[PART II—
							SCHE
Name of Post	No. Pos	of Classifica- ts tion	Scale of Pay	Whether Selection Post or non- Selection Post	direct recruits	Educational qualifications for direct	and other required recruits
I		3	4	5	6	7	
Librarian	One	General Central Service Class II Gazetted Non- Ministerial.	Rs.350-25- 500-30-590 -EB-30-800 -EB-30-830 -35-900.	Selection	Not exceeding 35 yars (Relax- able for Govern- ment ser- vants).	(i) Degree of University valent (ii) Degree Science cognised	or equi- in Library of a re- University. years ex- n a library
						(Qualification at Comm cretion candidates	s relaxable nission's dis- in case of

Whether age & educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period or pro- bation, if any	Method of rectt, whether by direct rectt, or by promotion or by deputation/trans fer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion / depu- tation / transfer, grades from which promotion/deputa- tion/transfer to be made		Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recriut- ment
8	9	10	11	12	13
Age: No Qualification: Yes.	2 yrs.	Promotion fajling which by direct re- cruitment.	II of the Directorate General of Employment and Training. (ii) Librarian, Central Institute for	d	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations 1958.

[No. 12(16)/69-Adm.II.]

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 1970

श्री० एस० श्रीर० 728 .—राष्ट्रपति, संविधान के मनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुंर नियोजन श्रीर प्रशिक्षण महानिदेशालय, श्रम श्रीर नियोजन विभाग में पुस्तकाध्यक्ष वर्ग 2 राजपत्नित पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्न-लिखित नियम एतद्द्वारा बनाते हैं, श्रर्थात् :—

- 1. संक्षिप्त नाम भीर प्र.परम्भ.—(1) इन नियमों का नाम नियोजन श्रीर प्रशिक्षण महानिवेशालय (पुस्तकाध्यक्ष वर्ग 2 राजपित्त) भर्ती नियम, 1970 होगा ।
 - (2) ये शासकीय राजपत्न में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।
- 2. लागू होना.—ये नियम इन नियमों से उपाबद्ध श्रनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे।
- 3. संख्या, वर्गीकरण भ्रीर वेतनमान.—पद की संख्या, असका वर्गीकरण श्रीर उसका वेतनमान वे होंगे जो उक्त श्रनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- 4. भर्ती की पद्धित, मायु-सीमा, महंताएं भीर भ्रन्य बातें उक्त पद पर भर्ती की पद्धित, श्रायु-सीमा, श्रहंतायें भ्रौर उक्त पद से सम्बन्धित भन्य बातें वे होंगी जो उक्त श्रनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं :

परन्तु उक्त श्रनुसूची के स्तम्भ 6 में विनिर्विष्ट श्रधिकतम श्रायु-सीमा केन्द्रीय सरकार द्वार समय-समय पर निकाले गए साधारण आदेशों के श्रनुसार, किसी भी श्रनुसूचित जाति, श्रनुसूर्यित जन जाति और किन्हीं श्रन्य विशेष व्यक्ति प्रवर्गों के श्रभ्यर्थियो के सम्बन्ध में शिथिल की जा सकेगी।

- 5. निरहंताएं .--वह व्यवित--
 - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
 - (ख) जिसने अपने पति या श्रपनी पत्नी के जीवित होते हुये किसी व्यक्ति से विदाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पान्न नहीं होगा:

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति श्रौर विवाह के श्रन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के श्रधीन श्रनुज्ञेय है श्रौर ऐसा करने के लिये अन्य श्राधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी ।

6. शि.श्रे**ल करमें की शक्ति.**—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना श्रावश्यक या समीचीन है वहां वह, उसके लिये जो कारण हैं उन्हें लिपिबढ़ करके तथा संघ लोक सेवा श्रायोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को श्रादेण दूरा, शिथिल कर सकेगी।

		भ्रनु सूची			
पद का नाम	पदों की सख्या	वर्गीकरण	वेतन-मान	चयन पद अथवा श्रचयन पद	सीधी भर्ती किये जाने वाले व्यक्तिये के लिये मायु
1	2	3	4	5	6
र स्तकाध्यक्ष	एक	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 2 राज- पन्नित श्रन- नुसचिवीय ।	350-25- 500-30- 590-द०रो 30-800- द०रो०- 30-830- 35-900	घयन	35 वर्ष से ग्रन- धिक (सरकारी सेवाश्रो के लिये णिथिल की जा सकेगी)।
सीधो भर्ती र्	केये जाने वाले घ्यवि श्रौर म्रन्य म्रर्हताये		जाने वार् के लिय	िं किये ने व्यक्तियों विहित श्राय् क्षेक श्रर्ह-	
			तायें प्रो	न्नतों की लागू होंगी	
	7	·	तायें प्रो वशा में	न्नतों की लागू होंगी	9

भर्ती को पद्धति, भर्ती सोधे होगं या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुवि स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत	वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/	समिति है तो उस	की किन परिस्थि-
10	11	12	13
प्रोन्नति, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा ।	प्रोप्नितः (1) रोजगार श्रीर प्रशिक्षण महानिदेशालयः का पुस्तकाध्यक्ष वर्ग 2 (ii) पुस्तकाध्यक्ष, केन्द्रीय रोजगार सेवा में श्रनुसंधान श्रीर प्रशिक्षण संस्थान, पूसा। जिसकी उस श्रेणी में नियमित श्राधार पर नियुक्ति के पश्चात् की गई		

[#12(16)/11×K-69] ग० जगःमाथ, उप-सचिव ।

New Delhi, the 14th May 1971

पांच वर्षकी सेवाहो ।

- G.S.R. 729.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President horeby makes the following rules to amend the Directorate of Training (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1970, namely:-
- 1. (1) These Rules may be called the Directorate of Training (Class I and Class II posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Schedule to the Directorate of Training (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1970.
- (1) against item 5, relating to the post of "Technical Officer" in column 11, for the entry, the following entry shall be substituted:-
 - "Promotion.—Senior Masters or Junior Specialist Instructors (including Selection Grade Senior Masters) with 5 years total service in the grades rendered after appointment thereto on a regular basis.
- (2) against item 6 relating to the post of "Scnior Master/Junior Specialist Instructors"
 - (i) In column 1, after the entry, the following brackets and words "(including Selection Grade Senior Masters)" shall be added;

(ii) In column 2, after the entry, the following brackets figures and words "(20 per cent of the permanent posts of Senior Masters would be in Selection Grade)" shall be added;

- (iii) In column 4, after the entry, the following words and figures "Selection Grade-Rs. 400-25-500-30-680" shall be added;
- (iv) In column 10, after the entry, the following Note shall be inserted, namely:—
- "Note.—Posts in Selection Grade would be filled from amongst the permanent Senior Master or Junior Specialist Instructors with 3 years service as such on the basis of seniority subject to the rejection of unfit."

[No. 12(5)/68-Adm.II(V).] G. JAGANNATHAN, Dy. Secy.

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 7th May 1971

- G.S.R. 730.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Mica Mines Labour Welfare Fund (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules. 1967, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Mica Mines Labour Welfare Fund (Class III and Class IV posts) Recruitment (Amendment) Rules. 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Schedule to the Mica Mines Labour Welfare Fund (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1967,—
 - (i) in Part I—Andhra Pradesh, against item 1, for the entry in column 10, the following entry shall be substituted, namely:—
 - "Junior Assistant Welfare Inspector with three years service in the graderendered after appointment thereto on a regular basis":
 - (ii) in Part II—Bihar, against item 1, for the entry in column 10, the following entry shall be substituted, namely:—
 - "Welfare Organiser or Junior Assistant Welfare Inspector with three years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis";

	I	2	3	4	5	6	7	8	9	10
"I. Assistant Welfare Inspector.	Non- Ministerial Class III Non- Gazetted.		Selection	By promotion failing which by direct re- cruitment.	20—30 years.	Essential: Degree of a recognised University preferably in one of the Social Sciences such as Economics, Commerce and Sociology. Destrable: 1. Successful completion of a course of training in social work recognised by the Government of India under the Mines Rules, 1955. 2. Adequate experience of labour welfare work. 3. Experience of other social and administrative work.	Two years	No.	Junior Assistant Welføre Inspector with 3 years service in the grade, ren- dered after appoint- ment thereto on a regular basis."	
									[No. F	. A-12018/8/70-MHI]
									C. R.	NAIR, Under Secy.

(श्रम ग्रौर रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 7 मई, 1971

सावकावनिव 730.--राष्ट्रपति, संविधान के प्रनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रश्नक खान श्रम कल्याण निधि (वर्ग 3 प्रौर वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1967 में और श्रागे संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम एतद्वारा बनाते हैं, श्रर्थात :--

- 1. (1) इन नियमों का नाम श्रभ्रक खान श्रम कल्याण निधि (वर्ग 3 ग्रौर वर्ग 4 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 होगा।
 - (2) ये गासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।
- 2. श्रम्भक खान श्रम कल्याण निधि (वर्ग 3 भ्रौर वर्ग 4पद) भर्ती, नियम 1967 की अनुसूची 单.-
 - (i) भाग 1−श्रां⊲ प्रदेश में, मद 1 के सामने स्तंभ 10 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायगी, प्रथति
 - "कनिष्ठ सहायक कल्याण निरीक्षक जिसने इस श्रेणी में नियमित श्राधार पर नियुक्ति के पश्चात् 3 वर्षकी सेवाकी हो"।
 - (ii) भाग ।।—-बिहार में, मद 1 के सामने स्तंभ 10 की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायगी, ग्रर्थात :---
 - ''कल्याण संगठनकत्तर्िया कनिष्ठ सहायक श्रम निरीक्षक जिसने उस श्रेणी में नियमित श्राधार पर नियुक्ति के पश्चात् 3 वर्ष की सेवा की हो।";
 - (tii) भाग ।।।---राजस्थान में, मद 1 को मद 1क के रूप पून:संख्यांकित किया जायेगा श्रौर इस प्रकार पुनःसंख्यांकित मद 1क से पहले निम्नलिखित मद श्रीर प्रविष्टियां श्रन्तः स्थापित की जायेंगी, श्रर्थातः ---

	1	2	3	4
1.	सहायक कल्याण निरीक्षक	भ्रननुसिचवीय वर्ग 3 भ्रराजपन्नित	230-10-290 15-320-द०रो० 15-425-द०रो० 15-530 ६०	चयन पद

5	6	7	8
प्रोप्तति द्वःरा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा ।	2023 वर्ष	प्रावश्यकः दो वष किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से प्रिधमान्यतः सामाजिक विज्ञानों में से किसी एक जैसे कि धर्यशास्त्र, वाणिज्य धौर समाज शास्त्र सें उपाधि वाखनीयः 1 भारत सरकार द्वारा खान नियम 1955 के ध्रधीन मान्यताप्राप्त सामाजिक कार्य-प्रशिक्षण पाठंय- कम का सफलता पूर्वक पूरा करना । 2 श्रम कल्याण कार्य का पर्याप्त ध्रनु भय । 3 ध्रन्य सामजिक धौर प्रशासनिक कार्य का ध्रनुभव ।	
9		10	
- नर्ह	Ť	किनष्ठ सहायक कल्याण निरीक्षक जिसने उस में नियमित श्राधार पर नियुक्ति के पण्चात् : की सेवा की हो ।"	
		ਸਿੰਨ ਯੂਰ ਯੂ–12018/8/70 -	—

[मं० फा० ए-12018/8/70-एम।।।]

सी० प्रार० नःयर,

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 17th May 1971

G.S.R. '731.—In exercise of the powers conferred by section 5, read with sub-section (1) of section 7 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby makes the following Scheme further to amend the Employees' Provident Funds Scheme 1952, namely:—

- (i) This Scheme may be called the Employees' Provident Funds (Second' Amendment) Scheme, 1971.
- (ii) In the Employees' Provident Funds Scheme, 1952, in clause (b) of sub-paragraph (3) of paragraph 1, sub-clause (lxvii) shall be renumbered 1, sub-clause (lxviii) and before sub-clause (lxviii) as so renumbered, the following sub-clause shall be inserted, namely:—

"(lxvii) as respects establishment rendering expert services come into force on the 31st day of May, 1971".

[No. 4/7/66-PF.II.] DALJIT SINGH, Under Secy.

(अम भीर रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 17 मई, 1971

सा० का० मि० 731.—कर्मचारी भविष्य निधि तथा परिवार पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 7 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 में श्रौर श्रागे संशोधन करने के लिए एतव्द्वारा निम्नलिखित स्कीम बनाती है, श्रथित :---

- (।) यह स्कीम कर्मचारी भविष्य निश्चि (द्वितीय संगोधन) स्कीम, 1970 कही जा सकेगी।
- (II) कर्मचारी भविष्य िधि स्कीम, 1952 में पैरा 1 के उपपैरा (3) के खण्ड (ख) में उपखंड (57) की उपखंड (58) के रूप में पुन: संख्यांकित उपखंड (58) के पूर्व निम्नलिखित उपखंड प्रन्तःस्थापित किया जाएगा, श्रयीत् :---
 - "(57) विशेषज्ञों की सेवाएं उपलब्ध कराने वाले स्थापनों के बारे में 1970 के मई मास के इकतीसर्थे दिन प्रवृत्त होंगे ।"

[संख्या 4/7/66 पी० एफ० 2]

दलजीत सिंह,

श्रवर सचिव, भारत सरकार ।

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 12th May 1971

- G.S.R. 732.—In exercise of the powers conferred by section 15, read with clause (b) of section 2 of the Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946 (20 of 1946), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Industrial Employment (Standing Orders) Central Rules, 1946, the same having been previously published as required by sub-section (i) of the said section 15, namely:—
- 1. These rules may be called the Industrial Employment (Standing Orders) Central (Amendment) Rules, 1970.
- 2. In the Schedule to the Industrial Employment (Standing Orders) Central Rules, 1948 (hereinafter referred to as the said rules), after rule 2, the following rules shall be inserted, namely:—
 - "2A In the Schedule to the Act, after item 10, the following additional matters, which shall be applicable to industrial establishments in coal mines only, shall be inserted, namely:—
 - 10A Additional matters to be provided in Standing Orders relating to industrial establishments in coal mines:
 - Medical aid in case of accident
 - (2) Railway travel facilities
 - (3) Method of filling vacancies
 - (4) Transfers
 - (5) Liability of manager of the establishment or mine
 - (6) Service certificate
 - (7) Exhibition and supply of Standing Orders."

- 3. For rule 3 of the said Rules, the following rule shall be substituted, namely:-
 - "3 (1) Save as otherwise provided in sub-rule (2), the model Standing Orders for the purposes of the Act shall be those set out in Schedule I appended to these rules.
 - (2) The Model Standing Orders for the purposes of the Act in respect of industrial establishments in coal mines shall be those set out in Schedule IA appended to these rules."
- 4. In sub-rule (1) of rule 7A of the said rules, the following sentence shall be inserted at the end, namely:—
 - "The memorandum of appeal shall be in Form IV set out in Schedule II to these rules."
 - 5. In Schedule I appended to the said rules.-
 - (a) for the heading, "Model Standing Orders", the heading "Model Standing Orders in respect of Industrial Establishments not being Industrial Establishments in coal mines shall be substituted:
 - (b) in sub-clause (1) of clause 9, for the words, figures and letter "Chapter IVA of the Factories Act. 1934", the words and figures "Chapter VIII of the Factories Act, 1948" shall be substituted.
- 6. After Schedule I appended to the said rules, the following Schedule shall be inserted, namely:

SCHEDULE IA

Model Standing Orders for Industrial Establishments in Coal Mines

- 1. These orders shall come into force on ________
- 2. Definition.—In these orders, unless the context otherwise requires—
 - (a) 'attendance' means presence of the workman concerned at the place or places where by the terms of his employment he is required to report for work and getting his attendance marked;
 - (b) The expression 'employer' and 'workman' shall have the meanings assigned to them in section 2(d) and (i) respectively of the Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946;
 - (c) 'Manager' means the manager of the mine and includes an acting manager for the time being appointed in accordance with the provisions of the Mines Act, 1952;
 - (d) words importing masculine gender shall be taken to include females:
 - (e) words in the singular shall include the plural and vice versa.
- 3. Classification of workmen. (a) "Workmen" shall be classified as-
 - (i) permanent;
 - (ii) probationers;
 - (iii) badlis or substitutes;
 - (iv) temporary;
 - (v) apprentices; and
 - (vi) Casual.
- (b) A "permanent" workman is one who is appointed for an unlimited period or who has satisfactorily put in three months' continuous service in a permanent post as a probationer;
- (c) A "probationer" is one who is provisionally employed to fill a vacancy in a permanent post and has not completed three months service in that post unless the probationary period is extended. If a permanent workman is employed as a probationer in a new post, he may, at any time, during the probationary period not exceeding three months, be reverted to his old permanent post unless the probationary period is extended.

- (d) A "badli" or substitute is one who is appointed in the post of a permanent workman or a probationer who is temporarily absent; but he would cease to be a "badli" on completion of a continuous period of service of one year (190 attendances in the case of below ground workman and 240 attendances in the case of any other workman) in the same post or other post or posts in the same category or earlier if the post is vacated by the permanent workman or probationer. A 'badli' working in place of a probationer would be deemed to be permanent after completion of the probationary period.
- (e) A 'temporary' workman is a workman who has been engaged for work which is of an essentially temporary nature likely to be finished within a limited period. The period within which it is likely to be finished should also be specified but it may be extended from time to time, if necessary.
- (f) An "apprentice" is a learner who is either paid an allowance or not paid any allowance during the period of his training, which shall inter-alia be specified in his term of contract.
- (g) A 'casual' workman is a workman who has been engaged for work which is of an essentially casual nature.
- 4. Every workman shall be given a ticket appropriate to his classification at the time of his appointment and shall, on being required to do so, show it to the person authorised by the employer in that behalf. The said ticket shall carry the signature or thumb impression of the workman concerned. If the workman loses his ticket, the Manager shall provide him with another ticket on a payment of 25 Paise.
- 5. Display of notices.—(a) The period and hours of work for all classes of workmen in each shift shall be exhibited in English and in the language understood by the majority of workmen employed in the establishment on notice boards maintained at or near the main entrance of the establishment and at the time-keeper's office, if any.
- (b) Notices specifying (a) the days observed by the establishment as holidays and (b) pay days shall be posted on the said notice boards, (c) Notices specifying the rates of wages and scales of allowances payable to all classes of workmen and for all classes of work shall be displayed on the said Notice Boards.
- 6. Payment of wages.—(a) Wages shall be paid direct to the individual workmen on any working day between the hours 6.00 A.M. and 6.00 P.M. at the office of the mine. The manager or any other responsible person authorised by him shall witness and attest the payments and note the date of payment in the wage register. Payment of wages to a contractor's workman shall be made at a place to be specified by the manager and it shall be witnessed by a nominee of the employer deputed for this purpose in writing.
- (b) Any wages due to a workman but not paid on the usual pay day on account of their being unclaimed shall be paid by the employer on such unclaimed wage pay day in each week as may be notified to the workmen. If the workman so desires, the unpaid wages and other dues payable to him shall be remitted to his address by money order after deducting therefrom the money order commission charges. All claims for the unpaid wages shall be presented to the employer within a period of twelve months from the date on which the wages became due.
- (c) Overtime shall be worked and wages thereof paid in accordance with the provisions of the Mines Act, 1952 as amended by the Mines (Amendment) Act, 1959 and as may be prescribed from time to time. For work on weekly rest day, the workman shall be paid as laid down in any agreement or award or as the case may be, as per usage or custom.
- 7. Shift working.—More than one shift may be worked in a department or departments or any section of a department of the establishment at the discretion of the employer. If more than one shift is worked, a workman shall be liable to be transferred from one shift to another. No shift working shall be discontinued without two months notice being given in writing to the workmen prior to such discontinuence, provided that no such notice shall be necessary if the closing of the shift is under an agreement with the workman affected. If as a result of the discontinuance of the shift working, any workmen are to be retrenched, such retrenchment shall be effected in accordance with the provisions of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), and the rules made thereunder. If shift working is restarted, the workmen shall be given notice and re-employed in accordance with the provisions of the said Act and the said rules.

- 8. Attendance.—All workmen shall be at work at the mine at the time fixed and notified to them.
- 9. Absence from place of work.—Any workman, who after going underground or after coming to his work in the department in which he is employed, is found absent from his proper place of work during working hours without permission from the appropriate authority or without any sufficient reason shall be liable to be treated as absent for the period of his absence.
- 10. Festival holidays and leave.—(a) There shall be seven paid festival holidays or as laid down in an agreement or an award in force. Out of these seven days, the Republic Day, Independence Day and Mahatma Gandhi's Birth Day shall be allowed without option and the rest to the days shall be fixed by agreement or local custom. Whenever a workman has to work on any of these holidays, he shall, at his option be entitled to either thrice the wages for the day or twice the wages for the day on which he works and in addition to avail himself of a substituted holiday with wages on any other day or as laid down in an agreement or an award in force.
- (b) (i) The workmen shall be entitled to leave with wages in accordance with the provisions contained in Chapter VII of the Mines Act, 1952.
- (ii) Normally a workman will not be refused the leave applied for by him. But the employer may refuse, revoke or curtail the leave applied for by workman, if the exigencies of work so demand. Wages in lieu of leave shall be paid to a workman, where he has been refused the leave asked for and in cares where he cannot accumulate the leave any further. If a workman is refused leave in a particular year in the interest of work, it would be open to him next year either to avail of leave on two occasions with the usual railway concessions or in case he avails of leave on only one occasion, the railway fare for the unavailed trip would be paid to him in the shape of National Savings/National Defence/Certificates.
- (c) Quarantine leave shall be granted to a workman, who is prevented from attending to his duty because of his coming into contact, through no fault of his own, with a person suffering from a contagious disease. The leave shall be granted for such period as is covered by a certificate from the medleal officer of the mine. Payment for the period of quarantine leave shall be at the rate of 50 per cent, of ne wages (basic plus dearness allowance) payable to a workman. Quarntine have cannot be claimed, if a workman has refused to accept during the previous three mouths, prophylactic treatment for the disease in question.
- (d) A workman who desires to obtain leave of absence shall apply to the manager not less than fifteen days before the commencement of the leave, except where leave is required in unforeseen circumstances, and the manager shall issue orders on the application within a week of its submission or two days prior to the commencement of the leave applied for whichever is earlier, provided that if the leave applied for is to commence on the date of the application or within three days thereof, orders shall be given on the same day. If the leave asked for is granted, a leave-pass shall be given to the workman. If the leave is refused or postponed, the fact of such refusal or postponment and the reasons therefor shall be reported in writing in a register to be maintained for the purpose, and if the workman after proceeding on leave desires an extension thereof, he shall apply to the manager, who shall send a written reply either granting or refusing extension of leave to the workman. Sanction/refusal of leave should be communicated to the workman In writing invariably.
- (e) If a workman remains absent beyond the period of leave originally granted or subsequently extended, he shall lose lien on his appointment unless he—
 - (a) returns within ten days of expiry of his leave, and
 - (b) explains to the satisfaction of the manager his inability to return on the expiry of his leave.

In case, the workman loses as aforesaid, his lien on the appointment, he shall be entitled to be kept on the "badli list".

(f) A workman may be granted casual leave of absence with pay not exceeding five days in the aggregate in a calendar year. Such leave shall not be for more than three days at a time except in case of sickness. Such leave is intended to meet special circumstances which cannot be foreseen. Ordinarily, the previous

permission of the head of the department in the establishment shall be obtained before such leave is taken, but where this is not possible, the head of the department shall, as soon as may be practicable, be informed in writing of such absence and of the probable duration thereof.

- (g) Notwithstanding anything mentioned above, any workman who overstays his sanctioned leave or remains absent without reasonable cause will render himself liable for disciplinary action.
- 11. Medical aid in case of accidents.—Where a workman meets with an accident in the course of and arising out of his employment, the employer shall make satisfactory arrangements for immediate and necessary medical aid to the injured workman free of cost and shall arrange for prompt payment of compensation admissible under the Workmen's Compensation Act, covering also the first three days of absence on account of injury.
- 12. Railway travel facilities.—(a) When a workman proceeds on leave and is qualified for free railway fare, the employer shall give him the cost equivalent of his ticket (including bus fare) and for boat to his home.
- (b) Every workman who has completed a period of twelve months' continuous service would qualify for railway fare or bus fare or both for going home on leave and returning to the mine on the expiry of the leave. The twelve months' service shall be deemed to have been completed if, during the twelve months preceding the date on which he applies for leave, he has worked for not less than two hundred and forty days.
- (c) If on the expiry of the leave, a workman returns, he shall then receive a cash payment equivalent to the return fare. If on his return the mine is unable to have him back, he shall be paid return fare at once.
- (d) If the journey home is by bus or partly by bus and partly by train, the cost of the journey shall be adjusted accordingly.
- (e) The workman shall be entitled to railway fare by mail or express train, wherever under the Railway Rules tickets are available for such travel.
 - (f) The class by which a workman is entitled to travel shall be:-
 - '(i) if his basic wage is Rs. 165 or less per month

III Class.

(ii) if his basic wage is above Rs. 165/- and upto Rs. 265/- per month

If Class.

(11i) If his basic wage is above Rs. 265/- per month

I Class."

13. Termination of services.—(a) For terminating the services of a permanent workman having less than one year of continuous service, notice of one month in writing with reasons or wages in lieu thereof shall be given by the employer.

Provided that no such notice shall be required to be given when the services of the workman are terminated on account of misconduct established in accordance with the Standing Orders.

(b) Subject to the provisions of the Industrial Disputes Act, 1947 no notice of termination of employment shall be necessary in the case of temporary and badli workmen:

Provided that a temporary workman, who has completed three months continuous service, shall be given two weeks notice of the intention to terminate his employment if such termination is not in accordance with the terms of the contract of his employment.

Provided further that when the services of a temporary workman, who has not completed three months continuous service, are terminated before the completion of the term of employment given to him, he shall be informed of the reasons in writing. When the services of a badli workman are terminated before the return to work of the permanent incumbent or the expiry of his (badli's) term of employment, he shall be informed of the reasons for such termination in writing.

- (c) No workman shall leave the service of an employer unless notice in writing is given at the scale indicated below:—
 - (i) For monthly paid workmen

One month

(li) For weekly paid workmen

Two weeks

Provided that it will be for the employer to relax this condition and the work-man may pay cash in lieu of such notice.

- (d) For purposes of standing orders 13(a), (b) and (c) the terms 'service' and 'wages' shall have the same meaning as assigned to these in sections 25(B) (1) and 2(rr) respectively of the Industrial Disputes Act. 1947.
- 14. Stoppage of work and re-opening.—(a) Subject to the provisions of Chapter VA of the Industrial Disputes Act, 1947, the employer may, at any time, in the event of underground trouble, fire, catastrophe, break-down of machinery, stoppage of power-supply, epidemic, civil commotion or any other cause beyond the control of the employer, stop any section or sections of the mine wholly or partly for any period or periods.
- (b) In the event of such stoppage during working hours, the workmen affected shall be notified by notice put up on the notice board in the departments concerned and of the office as soon as practicable as to when work will be resumed and whether they are to remain or leave their place of work. The workmen will not ordinarily be required to remain for more than two hours after the commencement of the stoppage. Whenever workmen are laid off on account of failure of plant or a temporary curtailment or production or other causes they shall be paid compensation in accordance with the provisions of the Industrial Disputes Act, 1947. Where no such compensation is admissible, they shall be granted leave with or without wages as the case may be at the option of the workman concerned, leave with wages being granted to the extent of any leave due to them. When workmen are to be laid off for an indefinitely long period, their services may be terminated subject to the provisions of the Industrial Disputes Act, 1947. If normal work is resumed two weeks' notice thereof shall be given by the pasting of notices at or near the mine office and the workmen discharged earlier by the employer shall, if they present themselves for work, have preference for reemployment.
- (c) The employer may in the event of a strike affecting either wholly or partially any section of the mine close down either wholly or partially such section of the mine and any other section affected by such closure. The fact of such closure shall be notified by notices put up on notice board in the manager's office. Prior to resumption of work, the workmen concerned will be notified by a general notice indicating as to when work will be resumed. A copy of such notice shall be sent to the registered trade union or unions functioning in the establishment.
- 15. Method of filling vacancies.—In the matter of filling up of permanent vacancies badli and temporary workmen and probationers would be given preference in the order of their seniority.
- 16. Transfers.—Workmen may be transferred due to exigencies of work from one Department to another or from one station to another or from one coal mine to another under the same ownership provided that the pay, grade, continuity and other conditions of service of the workman are not adversely affected by such transfer and provided also that if a workman, is transferred from one job to another, that job should be of similar nature and such as he is capable of doing and provided further that (i) reasonable notice is given of such transfers and (ii) reasonable joining time is allowed in case of transfers from one station to another. The workman concerned shall be paid the actual transport charges plus 50 per cent, thereof to meet incidental charges.
- 17. D sciplinary action for misconduct.—(i) A workman may be suspended or fined or his increment may be stopped or he may be demoted or dismissed without notice if he is found to be guilty of misconduct under this Standing Order provided that suspension without pay as a punishment shall not exceed ten days. The workman may be suspended pending departmental enquiry and in such cases he shall be paid a subsistence allowance equal to half of his wages as defined in the Payment of Wages Act, 1936, for the period of suspension upto 30 days. If, however, he is kept suspended by the management beyond 30 days this subsistence allowance will be at the rate of \$\frac{3}{2}\$ of his wages as aforesaid but if the enquiry is delayed beyond 30 days because of the workman, the subsistence allowance shall be reduced to 114 of his wages. The employer shall normally complete the enquiry within ten days. The payment of subsistence allowance will be subject to his not taking any employment elsewhere during the suspension period.

The following shall denote misconduct:--

- (a) Theft, fraud, or dishonesty in connection with the employer's business or property;
- (b) Taking or giving of bribes or an illegal gratification whatsoever in connection with the employer's business or in his own interests.
- (c) Wilful insubordination or disobedience, whether along or in conjunction with another or others, or of any lawful or reasonable order of a superior. The order of the superior should normally be in writing.
- (d) Habitual late attendance and habitual absence without leave or without sufficient cause.
- (e) Drunkenness, fighting or riotous, disorderly or indecent behaviour while on duty at the place of work.
- (f) Habitual neglect of work.
- (g) Habitual indiscipline.
- (h) Smoking underground or within the mine area in places, where it is prohibited.
- Causing wilful damage to work in progress or to property of the employer.
- (j) Sleeping on duty.
- (k) Malingering or slowing down work.
- (i) Acceptance of gifts from subordinate employees.
- (m) Conviction in any Court of Law for any criminal offence involving moral turpitude.
- (n) Continuous absence without permission and without satisfactory cause for more than ten days.
- (o) Giving, false information regarding one's name, age. father's name, qualification or previous service at the time of the employment.
- (p) Leaving work without permission or sufficient reason.
- (q) Any breach of the Mines Act, 1952, or any other Act or any rules, regulations or bye-laws thereunder, or of any Standing Orders.
- (r) Threatening, abusing or assaulting any superior or co-worker.
- (s) Habitual money-lending.
- (t) Preaching of or inciting to violence.
- (u) Abetment of or attempt at abetment of any of the above acts of misconduct.
- (v) Going on illegal strike either singly or with other workers without giving 14 days previous notice.
- (w) Disclosing to any unauthorised person or any confidential information in regard to the working or process of the establishment which may come into the possession of the workmen in the course of his work.
- (x) Refusal to accept any charge-sheet of order or notice communicated in writing.
- (y) Failure or refusal to wear or use any protective equipment given by the employers.
- (ii) No order of punishment under Standing Order No. 17(1) shall be made unless the workman concerned is informed in writing of the alleged misconduct and is given an opportunity to explain the allegations made against him. A departmental enquiry shall be instituted before dealing with the charges. During the period of enquiry, the workman concerned may be suspended. The workman may take the assistance of a co-worker to help him in the enquiry, if he so

desires. The records of the departmental enquiry shall be kept in writing. The approval of the owner, agent or the chief mining engineer of the employer or a person holding similar position shall be obtained before imposing the punishment of dismissal. A copy of the enquiry proceedings shall be given to the workman concerned on the conclusion of the enquiry, on request by the workman.

- (iii) If a workman is not found guilty of the charges framed against him, he shall be deemed to be on duty during the full period of his suspension and he shall be entitled to receive the same wages as he would have received if he had not been suspended.
- (iv) In awarding punishment under this Standing Order, the authority awarding punishment shall take into account the gravity of the misconduct, the previous record, if any, of the workman and any other extenuating or aggravating circumstances that may exist. A copy of the order passed by the authority awarding punishment shall be supplied to the workman concerned.
- 18. Time limit for making complaints, appeals etc.—All complaints arising out of employment including those relating to unfair treatment or wrongful exaction on the part of the employer or his servant shall be submitted within 7 days of such cause of complaint to the Manager, of the Mine, with the right of appeal to the employer. Any appeal to the employer shall be made within 3 days of the decision of the Manager. The employer shall normally give his decision within 3 days of the receipt of the appeal.
- 19. Liability of manager of the mine.—The manager of the mine shall personnally be held responsible for the proper enforcement of these Standing Orders provided that where a manager is over ruled by his superior, the latter shall be held responsible for the decision taken.
- 20. Service certificate.—Every workman who was employed continuously for a period of more than three months shall be entitled to a service certificate at the time of his leaving the service of employer.
- 21. Entry and exist.—All workmen shall enter and leave the premiscs of the establishment through authorised gates and shall be llable for search while going in or coming out of the premises. In case of women workmen search will only be made by women.
- 22. Exhibition and supply of Standing Orders.—A copy of these Orders in English and in the regional languages of the local area in which the mine is situated shall be posted at the manager's office and in such other places of the mine as the employer may decide and it shall be kept in a legible condition. A copy of the Standing Orders shall be supplied to a workman on application, on payment of a reasonable price. A trade union in the establishment will, however, be entitled to the free supply of a copy of the Standing Orders, provided the union is one which is recognised by the employer."
- 7. In Schedule II appended to the said rules, after Form III the following form shall be inserted, namely:—

"FORM IV

[See rule 7A(1)]

(To be furnished in respect of each clause appealed against, separately)

- (1) Draft of the Standing Order under appeal as submitted by the employers.
- (2) Objection made/modification suggested, if any, to the Draft Standing Order under appeal, by the Trade Union Representatives of workmen.
- (3) Standing Order under appeal, as certified by the Certifying Officer.
- (4) Grounds of appeal by the employers/trade union/workmen's representatives.

[No. 21/7/65/LRI.]

T. K. RAMACHANDARAN, Under Secy-

(श्रम और रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 12 मई, 1971

सा० का० नि० 732 :—श्रौद्योगिक नियोजन (स्थायी श्रादेश) अधिनियम, 1946 (1946 का 20) की धारा 2 के खंड (ख) के साथ पठित धारा 15 द्वारा प्रदत्त अक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्रौद्योगिक नियोजन (स्थायी श्रादेश) केन्द्रीय नियम, 1946 में श्रौर श्रागे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम, जिन्हें उक्त धारा 15 की उपधारा (।) की श्रपेक्षानुसार पहले ही प्रकाशित किया जा चुका है, एतद्द्वारा बनाती है, श्रर्थात् —

- इन नियमों का नाम श्रीद्योगिक नियोजन (स्थायी श्रादेश) केन्द्रीय (संशोधन) नियम,
 1970 होगा।
- 2. श्रौद्योगिक नियोजन (स्थायी श्रादेश) केन्द्रीय नियम, 1946 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) की श्रनुसूची में नियम 2 के पश्चात् निम्नलिखित नियम श्रन्तः स्थापित किया जाएगा, श्रर्थात् -

 - 10-क. प्रतिरिक्त विषय जिनकी कोयला खानों में के स्रौद्योगिक स्थापनों से सम्बन्धित स्थायी ग्र देशों मे व्यवस्था की जानी है;
 - (1) दुर्घटना की दशा में चिकित्सीय सहायता
 - (2) रेल यात्रा सुविधाएं
 - (3) कि।यः भ ने कः पद्धति
 - (4) स्थानान्तरण
 - (5) स्थापन या खान के प्रवन्धक का दायित्व
 - (6) सेवा प्रमाणपत्न
 - (7) स्थायी आदेशो का प्रदर्शन और प्रदाय।"
- 3. उक्त नियमों के नियम 3 के लिए निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, **म**र्था
 - "3. (1) उपनियम (2) में यथाश्रन्यथा उपबन्धित के सिवाय, ग्रिधिनियम के प्रयो-जनों के लिए मानक स्थायी ग्रादेश वे होंगे जो इन नियमों से उपाबद्ध ग्रनुसूची—1 मे उपविणत हैं।
 - (2) कोयला खानों में के श्रौद्योगिक स्थापनों की बाबत, ग्रिधिनियम के प्रयोजनों के लिए, मानक स्थायी श्रादेश वे होंगे जो इन नियमों से उपावद्ध श्रनुसूची में उपवर्णित हैं।"
- 4. उक्त नियमों के नियम 7-क के उपनियम (1) के श्रन्त में निम्नलिखित वाक्य श्रन्त:-स्थापित किया ज एगा, श्रर्थात —
 - "श्रपील का ज्ञापन इन नियमों की अनुसूची--2 में उपवर्णित प्ररूप 4 में होगा।"

- 5. उनत नियमों से उपाबद्ध अनु रूच:-1 में,--
 - (क) ''मानक स्थायी भ्रावेण'' शीर्बक के लिए '' उन भौद्योगिक स्थापनों की बाबत मानक स्थायी श्रादेश जो कोयला खानों में के भौद्योगिक स्थापन नहीं है'' शीर्षक प्रतिस्थापित किया जाएगा;
 - (ख) खण्ड 9 के उपखण्ड (1) में "कारखाना द्यक्षिनियम, 1934 का ग्रध्याय 4-क" गब्दों, ग्रंकों ग्रीर ग्रक्षर के स्थान पर "कारखाना ग्रक्षिनियम; 1948 का ग्रध्याय-8" शब्द, ग्रीर ग्रंक प्रतिस्थापित किए जाएंगे।
- 6. उक्त नियमों से उपाबद्ध ग्राह्मची-1 के पश्चात् निम्नलिखित ग्राह्मची ग्रान्त:स्थापित की जाएगी, ग्रार्थात् —

"श्रृत्सूची 1-क

कोयला लानों में के भौद्योगिक स्थापनों की बाबत मानक स्थायी मादेश

- 1. ये भ्रादेश को प्रवत होंगे।
- परिभाषाएं :--इन भावेशों में, जब तक कि संदर्भ से भ्रन्यथा भ्रपेक्षित न हो--
 - (क) "हाजिरी" से सम्बन्धित कर्मकार की उस न्थान या उन व्यानों पर उपस्थिति श्रिमि-प्रेत है जहां उसके नियोजन के निबन्धनों के अनुसार उससे काम के लिए रिपोर्ट करने और श्रपनी हाजिरी लगवाने की श्रपेक्षा की जाए;
 - (ख) "नियोजक" श्रौर "कर्मकार" पद के वही अर्थ होंगे जो श्रौद्योगिक नियोजन (स्थायी श्रादेश) श्रिधिनियम, 1946 की धारा 2(घ) श्रौर (झ) में उन्हें क्रमश. दिए गए हैं;
 - (ग) "प्रबन्धक" से खान का प्रबन्धक श्रिभिप्रेत है श्रौर इसके श्रन्तर्गत खान श्रिधिनियम,
 1952 के उपबन्धों के श्रनुसार तत्समय नियुक्त कार्यकारी प्रबन्धक भी है;
 - (घ) पुलिंग द्योतक शब्दों के अन्तर्गत स्त्री लिंग द्योतक शब्द भी समझे जाएंगे ;
 - एक वचन शब्दों में बहुवचन श्रीर बहुवचन शब्दों में एक वचन सम्मिलित होंगे ।

3. कर्मकारों का वर्गीकरण ----

- (क) ''कर्मकार'' निम्नलिखित वर्गों में बाटे जाएंगे--
 - (1) स्थायी;
 - (2) परिवीक्षाधीन;
 - (3) बदली वाले या प्रतिस्थानी;
 - (4) ग्रस्थायी;
 - (5) शिश्; श्रौर
 - (6) श्राकस्मिक।

- (ख) "स्थायी" कर्मकार वह है जो असीमित अवधि के लिए नियुक्त किया जाए या जो परिवीक्षाधीन के रूप में किसी स्थायी पद पर समाधानप्रद रूप से तीन मास की निरन्तर सेवा कर चुका हो;
- (ग) "परिवीक्षाधीन" वह है जो किसी स्थायी पद में की रिक्ति को भरने के लिए ग्रनित्तम रूप से नियोजित किया जाए श्रौर जिसने उस पद पर तीन मास की सेवा, जब तक परिवीक्षा की श्रवधि बढ़ाई न गईहो, पूरी न कर ली हो। यदि कोई स्थायी कर्मकार किसी नए पद पर परिवीक्षाधीन के रूप में नियोजित किया जाए तो तीन मास से श्रनिधक की परिवीक्षा की श्रवधि के दौरान किसी भी समय वह उसके पुराने स्थायी पद पर, जब तक परिवीक्षा की श्रवधि वढ़ाई न गई हो, प्रतिवर्तित किया जा सकेगा;
- (घ) "बदली वाला" या प्रतिस्थानी कर्मकार वह है जो किसी ऐसे स्थायी कर्मकार के या परिवीक्षाधीन के स्थान पर, नियुक्त किया जाए, जो अस्थायी रूप से अनुपस्थित हो, किन्तु उसी पव पर या उसी प्रवर्ग के अन्य पद या पवों पर एक वर्ष की निरन्तर सेवा की अवधि (भूमि के नीचे के कर्मकारों की दशा में 190 हाजिरियां और किसी अन्य कर्मकार की दशा में 240 हाजिरियां) पूरी कर लेने पर या यदि स्थायी कर्मकार या परिवीक्षाधीन द्वारा पद रिक्त कर विया जाए तो उससे पहले ही वह "बदली वाला" नहीं रह जाएगा। परिवीक्षाधीन के स्थान पर काम करने वाला "बदली वाला" परिवीक्षाकी अवधि पूरी कर लेने के पश्चात् स्थायी समझा जाएगा।
- (ङ) "श्रस्थायी' कर्मकार वह कर्मकार है जो किसी ऐसे कार्य में लगाया गया है जो श्रावण्य रूप से श्रस्थायी प्रकृति का हो और जिसके बारे में यह संभावना है कि वह किसी सीमित श्रविध के भीतर समाप्त हो जाएगा। जिस श्रविध के भीतर उसके समाप्त होने की संभावना हो, वह भी विनिर्दिष्ट की जानी चाहिए, किन्तु यदि श्रावण्यक हुआ तो वह श्रविध समय समय पर बढ़ाई जा सकेगी।
- (च) "शिशु" वह नौसिखिया होता है जिससे प्रशिक्षण के दौरान या तो भत्ता दिया जाता है या नहीं दिया जाता है और यह बात ग्रन्य बातों के साथ साथ, उसकी संबिदा के.निबन्धन में विनिर्दिष्ट कर दी जाएगीं।
- (छ) ''श्राकस्मिक'' कर्मकार वह कर्मकार है जो किसी ऐसे कार्य में लगाया गया हो जो भ्रावश्यक रूप से भ्राकस्मिक प्रकृति का हो।
- 4. प्रत्येक कर्मकार को उसकी नियुक्ति पर उसके वर्गीकरण के प्रमुख्य एक टिकट दिया जाएगा भौर जब उससे टिकट दिखाने की भ्रपेक्षा की जाएगी तब वह उस व्यक्ति को उसे दिखाएगा जो नियोजक द्वारा इस निमित प्राधिकृत किया गया हो। उस टिकट पर संबंधित कर्मकार के हस्ताक्षर या उसके हाथ के श्रंगूठे की छाप होगी। यदि कर्मकार श्रपना टिकट गुम कर देगा तो 25 पैसे भ्रवा करने पर प्रबन्धक उसके लिए इसरे टिकट की व्यवस्था करेगा।
- 5. सूचता में का प्रवर्शन—(क) प्रत्येक पारी के कर्मकारों के सभी वर्गों के बारे में काम की श्रविध श्रीर काम के घंटों की सूचना श्रंग्रेजी में श्रीर स्थापन में नियोजित कर्मकारों की बहुसंख्या द्वारा समझी जाने वाली भाषा में स्थापन के मुख्य द्वार पर या उसके समीप लगाए गए सूचना पट्टों पर, तथा टाइम कीपर के कार्यालय में, यदि कोई हो, प्रदिश्त की जाएगी।

- (ख) उक्त सूचना पट्टों पर ऐसी सूचनाएं प्रविशत की जाएंगी जिनमें (क) स्थान द्वारा भवकाश दिनों के रूप में भनाए जाने वाले दिन श्रीर (ख) वेतन दिन विनिर्दिष्ट किए गए हों।
- (ग) उक्त सूचना पट्टों पर ऐसी सूचनाएं प्रदिशत की जाएंगी जिनमें सभी वर्गों के कर्मकारों को ग्रीर काम के सभी वर्गों की बाबत संदेय भजदूरी की वरें श्रौर भत्तों के मापमान विनिर्दिष्ट किए गए हों।
- 6. मज़दूरी का संवाय— (क) मजदूरी सीधे ग्रलग ग्रलग कर्मकारों को, खान के कार्यालय में काम के किसी दिन प्रातः काल 6 बजे ग्रीर सांयकाल 6 बजे के बीच दी जाएगी। संवाय, प्रबन्धक या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी ग्रन्य जिम्मेदार व्यक्ति के सामने किए जाएंगे तथा वही उन्हें श्रनु-प्रमाणित करेगा ग्रीर मजदूरी रिजस्टर में संवाय की तारीख लिखेगा। ठेकेदार के कर्मकार को मजदूरी, प्रबन्धक द्वारा विनिर्दिष्ट स्थान परवी जाएगी तथा नियोजक के ऐसे नामनिर्देशिती के सामने दी जाएगी जो इस प्रयोजन के लिए प्रतिनियुक्त किया गया हो।
- (ख) ऐसी मजदूरी का संदाय, जो किसी कर्मकार को शोध्य हो, किन्तु जो श्रंदावाकृत रह जाने के कारण सामान्य वेतन विवस कोन दी गई हो, नियोजक द्वारा प्रत्येक सप्ताह में ऐसे श्रदावाकृत-मजदूरी वेतन-दिवस को किया जाएगा जो कर्मकारों को श्रिष्ठिसूचि। किया जाय । यदि कर्मकार चाहे तो श्रसंदत्त मजदूरी श्रीर श्रन्य शोध्य रकमें जो उसे शोध्य हों, उसमें से मनीश्रार्डर कमीशन प्रभार काट लेने के पश्चात् उसके पते पर मनीश्रार्टर से भेज दी जाएंगी। श्रसंदत्त मजदूरी की बात सभी दावे उस तारीख से बारह मास के भीतर नियोजक को पेश किए जाएंगे जिसको मजदूरी शोध्य हुई थी।
- (ग) श्रितिकालिक कार्य, श्रीर उसके लिए मजदूरी का संवाय, खान श्रिधिनयम, 1952 के उपबन्धों के श्रनुसार, जैसे वे खान (संशोधन) श्रिधिनियम, 1959द्वारा संशोधित किए गए हों, श्रीर जैसा कि समय-समय पर विहित किया जाए, किया जाएगा । साप्ताहिक विश्राम दिन को किए गए कार्य के लिये कर्मकार को संदाय, उस तरह से, जैसा किसी करार या पंचाद में दिया गया हो, या किसी प्रया या दि के श्रनुसार जैसी भी स्थिति हो, किया जाएगा।
- 7. पारी का काम—स्थापन के विभाग या विभागों में या किसी विभाग के किसी प्रनुभाग में एक से श्रधिक पारी नियोजक के विवेकानुसार चलाई जा सकेंगी। यदि एक से श्रधिक पारी चलाई जाती हैं तो कर्मकार को एक पारी से वूसरी पारी में स्थानान्तरित किया जा सकेगा। दो मास की सूचना दिए विना किसी भी पारी का काम बन्द नहीं किया जाएगा श्रौर ऐसी सूचना ऐसे बन्द किए जाने के पूर्व लिखित रूप में कर्मकार को दी जाएगी, परन्तु यदि प्रभावित कर्मकार के साथ किसी करार के अधीन पारी बन्द की जाए तो ऐसी सूचना की श्रावण्यकता नहीं होगी। यदि पारी के काम के बन्द करने के परिणामस्वरूप किन्हीं कर्मकारों की छंटनी की जानी हो तो ऐसी छंटनी श्रौद्योगिक विवाद श्रिष्ठनियम, 1947 (1947 का 14) के उपबन्धों श्रौर उसके श्रधीन बनाए गए नियमों के श्रनुसार की जाएगी। यदि पारी का काम पुनः श्रारम्भ किया जाए तो कर्मकारों के उक्त श्रिष्ठनियम के उपबन्धों श्रौर उक्त नियमों के श्रनुसार सूचना दी जाएगी तथा उन्हें पुनः नियोजित किया जाएगा।
- 8. हाजिरी--सभी कर्मकार ऐसे नियत समय, पर, जो उन्हें प्रधिसुचित किया जाए, खानों में काम करेंगे।

अकाम के स्थल से अनुपस्थिति—ऐसा कर्मकार, जो भूमि के नीचे जाने के पश्चात् या गमें वह नियोजित किया गया है उसमें अपने काम पर आने के पश्चात्, यदि उचित प्राधिकारी प्राप्त किए बिना या किसी समुचित कारण के बिना अपने काम के उचित स्थल से काम के पुपस्थित पाया जाएगा तो उसे उसकी अनुपस्थित को अवधि के लिए अनुपस्थित समझा जा

त्योहार वाले अवकाश-दिन और छुट्टी

- (क) पर्यो पर संदाय सहित सात या उतने अवकाण दिन होंगे जितने किसी करार या पंचाट में, जो प्रवृक्त हो दिए गये हों। इन सात दिनों में से गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस और महात्मा गांधी जन्म दिवस, पर अवकाश बिना किसी विकल्प के मनाये जाएंगे और बाकी अवकाण दिन करार या स्थानीय रूढ़ि के अनुसार नियत किये जाएंगे। जब कभी किसी कर्मकार को इन अवकाण-दिनों में से किसी दिन काम करना पड़े तब बह, अपने विकल्प पर, या तो उस दिन की, जिस दिन वह काम करता है, मजदूरी के तिगुने का, या ऐसे दिन की मजदूरी के दुगने का और उसके साथ ही कोई अन्य दिन, मजदूरी सहित एवजी अवकाण दिन मनाने का या वैसे मनाने का, जैसा कि किसी प्रवृक्त करार या पंचाट में अधिकथित हो, हककार होगा।
 - (ख) (।) कर्मकार, खान श्रिष्ठिनियम, 1952 के श्रध्याय 7 के उपबन्धों के श्रनुसार मजदूरी सहित छुट्टी के हकदार होंगे।
 - (2) ग्रामतौर से कर्मकार को उसके द्वारा भावेदित छुट्टी नामंजूर नहीं की आएगी। किन्तु नियोजक, यदि काम की श्रावश्यकता को देखते हुए वैसा करना अपेक्षित हो तो, कर्मकार द्वारा मांगी गई छुट्टी को नामंजूर, प्रतिसंहत या कम कर सकेगी। यदि मांगी गई छुट्टी किसी कर्मकार को नामंजूर कर दी गई हो तो ऐसी दशा में जब वह छुट्टी श्रीर श्रधिक संचित न कर सकता हो, छुट्टी के बदले मजदूरी दी आएगी। यदि किसी कर्मकार को किसी विशिष्ट वर्ष के दौरान काम के हित में छुट्टी नामंजूर कर दी जाए तो उसे ग्रामले वर्ष यह छट होगी कि या तो वह रेल-भाड़े की प्रसामान्य रियायत सहित वो श्रवसरों पर छुट्टी ले ले या यदि वह एक ही ग्रवसर पर छुट्टी लेता है तो उस यात्रा के लिए, जो वह नहीं करता है, राष्ट्रीय बचत पत्नों राष्ट्रीय रक्षा पत्नों के रूप में उसे रेल भाड़ा दिया जाएगा।
 - (ग) करन्तीन छुट्टी ऐसे कर्मकार को मंजूर की जाएगी जो ग्रापने कर्त्तंब्य पर हाजिर होने से इस कारण रोका जाता है कि वह सांसींगक रोग से ग्रस्त किसी व्यक्ति के सम्पर्क में, जिसमें उस कर्मकार की कोई गलती नहीं है, ग्राता है । छुट्टी उतनी ग्रविध के लिए मंजूर की जाएगी जितनी के लिए खान के चिकित्सीय ग्रधिकारी ने प्रमाण पत्न दिया है । करन्तीन छुट्टी की ग्रविध के लिए संदाय कर्मकार को संदेय मजदूरी (ग्राधारिक मजदूरी ग्रीर मंहगाई भत्ता दोनों) के 50 प्रतिशत की दर से किया जाएगा । यि पूर्वगामी तीन मास के दौरान कर्मकार ने सम्बोधित रोक का रोग-निरोधी उपचार कराना ग्रस्वीकार कर दिया है तो करन्तीन छुट्टी के लिये कोई दावा नहीं किया जाएगा।

- (घ) अन्पस्थिति की छुड़ी चाहने वाला कर्मकार, वहां के सिवाय जहां छुड़ी अनवेक्षित परिस्थितियों में अपेक्षित हो, छुट्टी प्रारम्भ होने के पन्द्रह दिन से अन्यून पूर्व प्रबन्धक को भ्रावेदन करेगा तथा प्रबन्धक श्रावेदन पेश करने के एक सप्ताह के भीतर, या श्रावदित छट्टी प्रारम्भ होने के दो दिन पूर्व, इसमें से जो भी पहले हो, श्रावेदन पर श्रादेश जारी करेगा परन्तू यदि छुट्टी श्रावेदन की तारीख को या उसके तीन दिन के भीतर प्रतरम्म होने वाली हो तो । श्रादेश उसी दिन किए जाएंगे । यदि मांगी गई छुट्टी मंजुर कर दी जाए तो कर्मकार को एक छुट्टी-पास दे दिया जाएगा। यदि छुट्टी नामंजूर या स्थगित कर दी जाए तो ऐसी नामंजूरी या स्थगन का तथ्य तथा उसके कारण, इस प्रयोजन के लिए रखे गए एक रजिस्टर में लेखबद्ध किए जाएंगे और यदि कर्मकार चाहे तो रजिस्टर में की प्रविष्टि की एक प्रतिलिपि उसे देदी जाएगी । यदि कर्मकार छुट्टी पर चले जाने के पण्चान् छुट्टी बढ़वाना चाहे तो वह प्रबन्धक को श्रावेदन करेगा जो कर्मकार की छुड़ी बढ़ाने या उसे नामंजूर करने के बारे में उसे लिखित उत्तर भेजेगा । छुट्टी मंजूर करने/नामंजूर करने की संभुचना कर्मकार को सदैव ही लिखित रूप में दी जानी चाहिए।.
- (ङ) यदि कर्मकार मूल रूप से मंज्र की गई या बाद में बढ़ाई गई छुट्टी की प्रविध के पश्चात् भी ग्रतुपस्थित रहता है तो वह ग्रयनी नियुक्ति पर धारणाधिकार खो देगा जब तक वह--
 - (क) अपनी छुट्टी के श्रवसान के दस दिन के भीतर न लौट श्राए, श्रीर
 - (ख) प्रजन्धक के सामाधान प्रद रूप में यह स्पष्ट न कर दे कि वह श्रपनी छुट्टी के अवसान पर वापस क्यों नहीं ग्रासका था।

यदि कर्मकार नियुक्ति पर ग्रपना धारणाधिकार खो दे तो वह ''बदली सूची'' में रखे जाने का हकदार होगा ।

- (च) कर्मकार को बेतन सहित या बिना बेतन के, ग्रनुपस्थिति की श्राकस्मिक छूट्टी एक कलेन्डर वर्ष में कूल पांच दिन से श्रनधिक के लिए मंजूर की जा सकेगी । बीमारी की दशा में के सिवाए ऐसी छट्टी एक बार में तीन दिन से प्रधिक के लिए नही होगी। ऐसी छुट्टी का श्राशय उन विशेष परिस्थितियो से निपटना है जिनकी पूर्वकल्पना न की जा सकती हो । सामान्यतः स्थापन के विभागीय श्रध्यक्ष की पूर्व अनुमर्ति ऐसी छुट्टी लिए जाने से पूर्व ग्राभिप्राप्त की जाएगी किन्तु जहां ऐसा सम्भव न हो वहां विभागीय श्रध्यक्ष को ऐसी श्रनुपस्थिति और उसकी ग्रधिसंभाव्य कालावधि को लिखित रूप में सूचना यथासाध्य शीघ्र सूकना दी जाएगी।
- (छ) ऊपर वर्णित किसी बात के होते हुए भी, ऐसे कर्मकार के विरुद्ध जो श्रपनी स्वीकृत छुट्टी से अधिक ठहरता है या बिना युक्तियुक्त कारण के अनुपस्थित रहता है, अनु-शासनात्मक कार्यवाही की जा सकेगी।
- दुर्घटनाम्नों की दश। में चिकित्सीय सहायता---जहां कोई कर्मकार भ्रपने नियोजन के दौरान ग्रौर उससे होने वाली किसी दुर्घटना में ग्रस्त हो जाए, वहां नियोजक क्षतिग्रस्त कर्मकार को तुरन्त ग्रौर ग्रावण्यक चिकित्सीय सहायना सुफ्त पहुंचाने के लिए कोई समाधानप्रद व्यवस्था करेगा श्रौर कर्मकार प्रतिकर श्रधिनियम के श्रप्रीन अनुज्ञेय प्रतिकर के तत्काल भुगतान का भी प्रबन्ध करेगा जिसमें क्षति के कारण पहले नीन दिन की अनुपस्थिति भी सम्मिलित है ।

- 12. रेस यात्रा सम्बन्धी सुविधाएं -- (क) जब कोई कर्मकार छुट्टी पर जाता है श्रौर निः शुक्त रेल किराए का हकदार है तब नियोजक उसके टिकट (जिसमें बस किराया सम्मिलित है) श्रौर उसके घर तक के लिए नाव के किराए के समत्त्य रकम उसे देगा।
- (ख) प्रत्येक ऐसा कर्मकार, जिसने बारह मास की निरन्तर सेवा की श्रविध पूरी कर ली है, छुट्टी पर घर जाने के लिए श्रौर छुट्टी के श्रवसान पर खान में वापस श्राने के लिए रेल के किराए या बस के किराए या दोनों का हकदार होगा । बारह मास की सेवा पूरी हो गई तब समझी जाएगी जब उस तारीख से, जिसको वह छुट्टी के लिए श्रावेदन करता है, पूर्ववर्ती बारह मास के दौरान वह दो सौ चालीस से श्रन्यून दिन तक कार्य कर चुका हो।
- (ग) छुट्टी के भ्रवसान पर किसी कर्मकार के वापस लौटने पर उसे वापसी किरार के सम-तुल्य नकद संदाय किया जाएगा । यदि उसकी वापसी पर खान उसे वापस लेने में ग्रसमर्थ हो तो ुउसे तत्काल ही वापसी किराया दिया जाएगा ।
- (घ) यदि घर तक की यात्रा बस से या भ्रंशतः बस से भ्रीर भ्रंशतः रेल से की गई है तो यात्रा खर्च उसी के श्रनुसार समायोजित किया जाएगा ।
- (ङ) जहां कहीं रेल यात्रा के लिए रेल नियमों के प्रधीन टिकट उपलब्ध हों बहां कर्मकार डाक या एक्सप्रैस गाडी के रेल के किराए का हकदार होगा ।
 - (च) जिस श्रेगी में कर्मकार यात्रा करने का हकदार है वह इस प्रकार है :---
 - (1) यदि उसकी आधारिक मजदूरी प्रति मास 165 से रु० या इससे कम है ती तीसरी श्रेणी।
 - (2) यदि उसकी भ्राघारिक मजदूरी प्रति मास 165 रू० से अधिक और 265 रू० से कम है तो दूसरी श्रेणी।
 - (3) यदि उसकी म्राधारिक मजदूरी प्रति मास 265 रु० से अधिक है तो प्रथम श्रेणी।
- 13. सेवा समाप्त करना:--- (क) किसी ऐसे स्थायी कर्मकार की जिसने एक वर्ष से कम की निरन्तर सेवा की है सेवाएं समाप्त करने के लिए नियोजक कारणों सहित एक मास की लिखित रूप में सूचना या उसके बदले में मजदूरी देगा:

परन्तु ऐसी सूचना देने की उस समय अपेक्षा नहीं की जाएगी जब कर्मकार की सेवाएं ऐसे अबचार के कारण समाप्त की गई हों जो स्थायी आदेशों के अनुसार सिद्ध हो गया हो।

(ख) श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 के उपबन्धों के श्रधीन रहते हुए, श्रस्थायी श्रौर बदली कर्मकार के नियोजन की समाप्ति के लिए कोई भी सूचना श्रपेक्षित नहीं होगी:

परन्तु किसी ऐसे भ्रस्थायी कर्मकार को, जिसने तीन मास की निरन्तर सेवा पूरी कर ली है उसके नियोजन की प्राप्ति के ग्राशय का दो सप्ताह की सूचना उस दशा में दी जाएगी जब ऐसी समाप्ति, उसके नियोजन की संविदा के निवन्धनों के भनुसार न हो। परन्तु यह ग्रौर कि जब किसी ऐसे ग्रस्थायी कर्मकार की सेवाएं, जिसने तीन मास की निरन्तर सेवा पूरी न की हो, उसे दिए गए नियोजन की ग्रविध पूरी होने से पूर्व समाप्त कर दी जाएं तब उसके कारणों की सूचना उसे लिखित रूप में दी जाएगी। जब किसी बदली कर्मकार की सेवाएं स्थायी पद-धारी के काम पर लौटने के या बदली के नियोजन की ग्रविध के ग्रवसान के पूर्व समाप्त कर दी जाएं तब ऐसी समाप्ति के कारणों की सूचना उसे लिखित रूप में दी जाएगी।

- (ग) कोई भी कर्मकार किसी नियोजक की सेवा को तब तक नहीं छोड़ेगा जब तक वह नीचे दी गई ग्रवधि की सूचना लिखित रूप में न दे दे :---
 - (1) मासिक संदाय प्राप्त करने वाले कर्मकारों के लिए......एक मास
- (2) साप्ताहिक संदाय प्राप्त करने वाले कर्म कारों के लिए......दो सप्ताह परन्तु इस शर्न में छूट देना नियोजक पर निर्मर होगा तथा कर्म कार ऐसी सूचना के बदले नकद राशि दे सकेगा ।
- (घ) विद्यमान आदेश 13 (क), (ख) और (ग) के प्रयोजन के लिए 'सेवा'' और ''मजदूरी' शब्द के बही अर्थ होंगे जो उन्हें श्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 25 (ख) (i) और 2 (दद) में कमशः दिए गए हैं।

14. काम का रोका जाना ग्रीर उसे पुनः चालू करना ---

- (क) श्रीद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 के श्रध्याय 5-क के उपबन्धों के श्रधीन रहते हुए, नियोजक, भूमि के नीचे संकट, श्राग, भयंकर विपत्ति, मशीन रुक जाने, बिजली की पावर फेल हो जाने, महामारी, सिविल विद्रोह या किसी भी श्रन्य दशा में जो नियोजक के नियंत्रण से परे हो खान के किसी भी सेक्शन या किन्हीं भी सेक्शनों को किसी भी श्रविध या किन्हीं भी श्रविधयों के लिए किसी भी समय रोक सकेंगा।
- (ख) काम के घंटों के दौरान काम को ऐसे रोकने की दशा में, प्रभावित कर्मकार को संबंधित विभाग के ग्रौर कार्यालय के सूचना पट्ट पर लगाई गई सूचना द्वारा यथासाध्य ग्रोध्र इस बात की ग्राधिस्चना दी जाएगी कि फिर से कार्य कब चालू किया जायेगा तथा उन्हें प्रपने काम के स्थान पर रहना है या वहां से चला जाना है। काम एक जाने के पश्चाल् कर्मकारों का वहां रहना दो घंटे से ग्राधिक के लिए सामान्यतः श्रपेक्षित नहीं होगा। जब कभी कर्मकार संयंत्र रुक जाने या उत्पादन में श्रस्थायी कभी ग्रा जाने या श्रन्थ कारणों से काम से हटाए जाएं तब उन्हें ग्रौधोगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 के उपबन्धों के श्रनुसार प्रतिकर दिया जायेगा। जहां ऐसा प्रतिकर श्रनुत्रेय न हो, वहां उन्हें सम्बन्धित कर्मकार के विकल्प पर, यथास्थिति, भजदूरी सहित या मजदूरी के बिना छुट्टी मंजूर की जाएगी। मजदूरी सहित छुट्टी उतनी ही मंजूर की जाएगी जितनी उन्हें ग्रोध्यहों। जब कर्मकार अनिश्चित रूप से लम्बी श्रवधि के लिए काम से हटाए जाने हों तब उनकी सेवाएं श्रौधोगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 के ग्रधीन रहते हुए समाप्त की जा सकेगी। प्रसामान्य कार्य पुनः चालू हो जाने की दशा में खान के कार्यालय में या उसके निकट सूचनाएं चिपका कर कार्य के पुनः चालू होने के बारे में दो सप्ताह की सूचना दी जाएगी ग्रौर नियोजक द्वारा पहले उन्मोचित कर्मकारों को, यदि वे स्वयं काम पर उपस्तिथत हों तो, पुनः नियोजन के लिए श्रिधमान्यता दी जाएगी।
- (ग) खान के किसी सेक्शन को पूर्णतः या ग्रंशतः प्रभावित करने वाली किसी हड़ताल की दशा में, नियोजक खान के ऐसे सेक्शन को पूर्णतः या ग्रंशतः बन्द कर सकेंगा ग्रौर ऐसी बन्दी से प्रभावित

किसी अन्य सेक्शन को भी बन्द कर सकेगा । प्रबन्धक के कार्यालय में सूचना पट्ट पर लगाई गई सूचनाओं द्वारा ऐसी बन्दी का तथ्य श्रिधसूचित किया जायेगा । काम के पुनः चालू होने के पूर्व, सम्बन्धित कर्मेकार को साधारण सूचना देकर जिसमें यह दिशत किया जाएगा कि फिर से काम कब चालू किया खाएगा, श्रिधसुचित किया जाएगा । ऐसी सूचना की एक प्रति स्थापन में काम करने वाले रजिस्ट्रीकृत

म्यावसायिक संघ या संघों को भेजी जाएगी।

- 15. रिश्तिमां भरते की पद्धति—स्थायी रिक्तियां भरते के मामले में बदली और श्रस्थायी कर्मेकार तथा परिवीक्षाधीन व्यक्तियों को उनके ज्येष्ठताक्रम में श्रिधमान्यता दी जाएगी।
- 16. स्थानान्तरण—काम की प्रभ्यावष्यकतात्रों को देखते हुए कर्मकारों का स्थानान्तरण एक विभाग से दूसरे विभाग में या एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन पर या एक ही व्यक्ति के स्वामित्वाधीन वाली एक कोयला खान से दूसरी कोयला खान में किया जा सकेगा परन्तु यह तब खब ऐसे स्थानान्तरण से कर्मकार के नेतन, उसकी श्रेणी, उसकी निरन्तरता और सेवा की ग्रन्य शर्ती पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़ता हो और यह भी कि यदि कोई कर्मकार एक नौकरों से दूसरी नौकरी में स्थानान्तरित कर दिया जाए तो वह नौकरों त्रेती ही किस्म की होनी चाहिए और ऐसी होनी चाहिए जिसे करने में वह समर्थ हो, और यह और कि (i) ऐसे स्थानान्तरण के बारे में युक्तियुक्त सूचना को जाए प्रोर () एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन को स्थानान्तरण की दशा में कार्य ग्रहण करने के खिए युक्तियुक्त समय ग्रनुज्ञात किया जाए। सम्बद्ध कर्मकार को वास्तविक परिवहन खर्च और खात्रांणिक खन्नों के लिए उस खर्च का 50 प्रतिशत और दिया जाएगा।
- 17. ग्राह्मार के लिए ग्राह्मातिक का रंबाई——(1) यदि कोई कर्मकार इस स्थायी ग्रादेश के ग्रायोन ग्रवचार का दोशे पाया जाएगा तो वह बिना सूचना के निलम्बित किया जा सकेगा या उसकी येतन वृद्धि रोको जा सकेगी या उसकी पदावनित की बा सकेगी या वह पदच्युत किया जा सकेगा परन्तु दण्ड के रूप में बिना वेतन के निलम्बन दस दिन से बाधक के लिए नहीं होगा । विभागीय जांच होने तक कर्मकार निलम्बत किया जा सकेगा और ऐसे मामलों में उसे निलम्बन की ग्रवधि के 30 दिन तक के लिए निर्वाह भत्ता दिया जायेगा जो उसकी बस मजदूरी के ग्राध के बराबर होगा जो मजदूरी संदाय ग्राधिनियम, 1936 में परिभाषित हैं। किन्तु ग्रादि प्रवन्धक शारा वह 30 दिन के बाद भी निलम्बित रखा जाएगा तो यह निर्वाह भत्ता उसकी स्थापूर्वोक्त मजदूरी की तीन-चौथाई दर के हिसाब से दिया जाएगा किन्तु यदि कर्मकार की वजह से जांच में विलम्ब 30 दिन के बाद तक लग जाए तो निर्वाह भत्ते को कम करके उसकी मजदूरी का एक-चौथाई कर दिया जाएगा। नियोजक जांच सामान्यतः दस दिन के भीतरप्पूरी कर लेगा। निर्वाह भन्ते का संदाय इस बात के ग्रधीन होगा कि निलम्बन की ग्रवधि के दौरान कर्मकार ग्रन्यवा निर्वाह गन्ने न करे।

निम्नलिखित बातों से श्रवचार प्रकट होता है :---

- (क) नियोजन के कारबार या उसकी सम्पत्ति के सम्बन्ध में चोरी, कपट, या बेईमानी;
- (ख) नियोजक के कारबार के सम्बन्ध में या स्वयं ग्रप ने हितों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की रिश्वत या श्रवैध परितोषण ले ना या देना ;
- (ग) किसी वरिष्ठ श्रधिकारी के विधिपूर्ण या युक्तियुक्त आदेश को जानबूझ कर भन-धीनता या श्रवज्ञा करना, चाहे वह ऐसा किसी श्रन्य व्यक्ति या किन्हीं भ्रन्य व्यक्तियों के साथ-साथ करे या उससे/उनसे मिलजुलकर करे। वरिष्ठ श्रधिकारी क्का भावेश सामान्यतः लिखित रूप में होना चाहिए।

- (घ) अभ्यासतः विलम्ब से हाजिर होना, या छुट्टी के बिना यह पर्याप्त कारण के बिना अभ्यासतः अनुपस्थित रहना ।
- (ङ) कर्तव्य पर होने के समय कार्य-स्थल पर मदोन्मत्तताः लड़ाई-अज़ड़ा या बलवा करनाः, या विच्छु खलतापूर्ण या अशिष्ट आचरणः;
- (च) ध्रभ्यासतः काम की उप्रेक्षा;
- (छ) भ्रभ्यासतः भ्रनुशासनहीनताः;
- (ज) भूमि के नीचे या खान के भीतर उत्त स्थानों में, जहां धूम्रपानः प्रतिषिद्धः हों, धूम्र-पान करना;
- (झ) चालू काम में या नियोजक की सम्पत्ति को ज्यन बूझकरः नुक्रसानः प**हुंचाना** झ
- (ञा) कर्त्तं व्यापर रहते हुए सो जाना;
- (ट) कामचोरी या काम की गति मध्यत्करना ;
- (ठ) श्रधीनस्य कर्मन्नारियों से उपहार स्वीकार करना ;
- (ड) किसी न्यायालय में दाण्डिक अप्रप्राधः के लिए, जिसमें नैतिक अग्रस्मता अन्त**र्वेजिट** हो, दोषसिद्धः ;
- (ढ) श्रनुका के बिना और सम्प्रधानस्रद कारण के बिना दसादितः से श्रश्चिकः की निरम्तर भनुपस्थिति ;
- (ण) नियोजन के समय श्रपने नाम; प्रपनी आयुः पिता की श्रायुः श्रपनी श्रहिंडा⊤या पि**छलीः** सेवा के बारे√में सिध्या जिलकारी देता ;
- (त) ग्रजुजा के बिना या पर्याप्त कारण के बिना काम छोड़ना;
- (थ) खान ग्रधिनियम, 1962 या किसी श्रन्य ग्रधिनियम या तद्शीन किन्हीं नियम्हें, विनियमों या उप-विधियों का, या किन्हीं स्थायी ग्रादेशों का भंग किया जाना द्व
- (द) किसी वरिष्ठ को या साथ में काम करने वाले कर्मकार को धमकी देता, गालीश देना या उस पर हमला करना ;
- (ध) ग्रभ्यासतः रुपयो उधार ऐंना ;
- (न) हिंसा का प्रचार करना या हिंसा के लिए भड़काना ;
- (प) भ्रवचार के उपर्युक्त कार्यों में से किसी का भी बुष्प्रेरण करना या दुष्प्रेरण का प्रयत्ना करना;
- (फ) चौदह दिन की पूर्व सूचना दिए बिना, प्रकेलें ही या क्रम्य कर्मकारों के साका अवैध हड़ताल कर देना;
- (ब) स्थापन में से कार्यकरण या प्रक्रिया के सम्बन्ध में कोई भी ऐसी गोपनीय इस्तिनाइ. जो कर्मकार की जानकारी में उसके कार्य के दौरान आए, किसी भी अप्राधिक्षक व्यक्ति को देता;

- (भ) लिखित रूप में संसूचित किसी श्रारोप-पन्न या श्रादेश या सूचना को लेने से इन्कार करना;
- ्(म) नियोजकों द्वारा दिए गए किती बचाव-उपस्कर को न पहनना या उसे पहनने से इन्कार करना या उसका इस्तेमाल न करना या इस्तेमाल करने से इन्कार
- (ii) स्थायी स्रादेश सं० 17(i) के प्रधीन कोई भी दण्डादेश तब तक नहीं दिया जाएगा जार तक स्रीय किया सम्मवार के बारे में सम्बन्धित कर्मकार को लिखित रूप में इतिला न कर दी जाए प्रोर उसके विरुद्ध प्रामिकयनों को स्पष्ट करने का उसे प्रथसर न दे दिया जाए । प्रारोपों के सम्बन्ध में कार्यवाही करते से पूर्व विभागीय जांच संस्थित की जाएगी । जांच की अवधि के दौरान. सम्बन्धित करोकार निजन्धित किया जा सकेगा । यदि कर्मकार चाहे तो वह जांच में श्रपनी सहायता के लिए असो साथ काम करने वाले किसी कर्मकार को मदद लेसकेगा। विभागीय जांच पैलिबित रूप में रुबे जाएंगे । स्वामी, स्रभिकर्ता या नियोजक के मख्य खान इंजीनियर या वैसे ही किशो पद को धारए। करने वाले व्यक्ति का श्रनुमोदन, पदच्युत करने का दण्ड देने से पूर्व, ग्राभ-प्राप्त किया जाएगा । जांच कार्यवाहियों की एक प्रति जांच की समाप्ति पर सम्बन्धित कर्मकार की, उसके द्वारा ग्रावेदन किए जाने पर, दी जाएगी ।
- (iii) यदि कर्मकार, उसके विरुद्ध विरचित श्रारोपों का दोषी न पाया जाए तो वह अपने विजन्मत को पूरी श्रवधि के दौरान कर्तव्य पर समझा जाएगा और वह उतनी मजदूरी पाने का हकदार द्धीमा जो वह, यदि निलम्बित न किया जाता तो, पाता ।
- (iv) इस स्थायी आदेश के अधीन दण्ड अधिनिर्णीत करते समय, दण्ड देने वाला प्राधिकारी कार्मिकार के प्रवचार की गम्भोरता को, उसके पिछले अभिलेख को, यदि कोई हो, और किसी भी श्रन्य परिश्वावनकारी या गृहतर परिस्थितियों को, जो विद्यमान हों, ध्यान में र बेगा। दण्ड देने वाले प्राधिकारी द्धारा पारित स्रावेश की एक प्रति सम्बन्धित कर्मकार को दी जाएगी।
- 18. शिकायत, प्रयील प्राधि करने के लिए समय की परिसीमा--नियोजन से उद्भूत भागी शिकायतें, जिनमें नियोजक या उसके सेवक की श्रोर से किया गया श्रक्कजु व्यवहार या सदीप आंग भी सम्मिलित है, खान के प्रबन्ध की, शिकायत के ऐसे मामले के सात दिन के भीतर, पेश करेगा भ्रौर उससे श्रुपील नियोजक को भी की जा सकेगी। नियोजक को कोई भी श्रुपील प्रबन्धक के विनिष्चय के तीन दिन के भीतर की जा सकेगी। सामान्यतः नियोजक प्रापील की प्राप्ति के सीव दिन के भीतर प्रयना विनिश्चय दे देगा।
- 19. खान के प्रवत्यक का विधित्य--प्रवत्धक इन स्थायी आदेशों से उचित प्रवर्तन के लिए -ध्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होगा परन्तु जहां वरिष्ठ ग्रधिकारी प्रबन्धक के विनिध्चय को उलट 🔁 बहा किए गए विनिश्चय की जिम्मेदारी उस वरिष्ठ प्रधिकारी की होगी।
- 20. सेवा प्रमाग-पत्र --प्रत्येक कर्मकार, जो तीन मास से ग्रधिक की अवधि के लिए निरन्तर नियोजित रहा हो, नियोजक की सेवा को छोड़ते समय, सेवा-प्रमाण-पत्न प्राप्त करने का हकदार ह्योगा ।
- 21. प्रवेश करना और बाहर निकलना—सभी कर्मकार स्थापन के परिसर में प्राधिकृत द्वारों से प्रवेश करेंगे श्रौर बाहर निकलेंगे श्रौर परिसर में प्रवेश करते समय या बाहर निकलते समय उद्यक्ति तलाशी ली जा सकेगी । स्त्री कर्मकार की दशा में, तलाशी किसी स्त्री द्वारा ही ली जाएती ।

- 22. स्थायी झांदेश प्रविश्वत करना श्रीर उनका प्रवाय करना--इन आदेशों की एक प्रति भग्नजी में ग्रौर उस स्थानीय क्षेत्र की. जिसमें खान स्थित है. क्षेत्रीय भाषा में प्रबन्धक के कार्यालय में तथा खान के ऐसे ग्रन्य स्थानों पर चिपकाई जाएगी जिनके बारे में नियोजक विनिश्चित करे भौर वह प्रतिए सी होगी जिसे पढ़ा जा सके । स्थायी आदेशों की एक प्रति युक्तियुक्त की मत देने पर कर्मकार-को, उसके द्वारा भावेदन किए जाने पर, दी जाएगी । किन्तू स्थापन में व्यावसायिक संघ स्थायी भादेशी की एक प्रति निःशुल्क पाने का हकदार होगा परन्त यह तब जब संघ ऐसा हो जो नियोजक धार मान्यताप्राप्त हो ।"
- 7. उक्त नियमों के साथ संलग्न ग्रनुसूची 2 में प्ररूप 3 के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप ग्रन्त:--स्थापित किया जाएगा, धर्यात--

प्रदेश 4

[नियम 7क(1) देखिए]

(प्रत्येक उस खण्ड के बारे में जिसके विरुद्ध भ्रपील की गई है भ्रलग से भरा जाए)

- (1) उस स्थायी श्रादेश का प्रारूप, जिसके विरुद्ध श्रपील है, जैसा नियोजकों ने पेश किया: है।
- (2) उस स्थायी आदेश के, जिसके विरुद्ध भ्रपील है, प्रारुप के सम्बन्ध में व्यावसायिक संघ/ कर्मकारों के प्रतिनिधियों द्वारा किए गए ग्राक्षेप/सुझाए गए रूपान्तर, यदि कोई हों ।
- (3) वह स्थायी श्रादेश, जिसके विरुद्ध अपील है, जैसा कि प्रमाणित करने वाले श्रधिकारी 🗓 प्रमाणित किया हो ।
- (4) नियोजक/व्यावसायिक संघ/कर्मकारों के प्रतिनिधियों द्वारा की गई प्रपील के प्राधार 🗗

[सं० 21/7/65-एस० धार०-1]

टी० के० रामाचन्द्रन. ग्रवर सचि**वा** ।

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE

(Department of Industrial Development)

(Central Boilers Board)

New Delhi, the 13th May 1971

G.S.R. 733.—The following draft of certain Regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, which the Central Boilers Board proposes to make in exercise of the powers conferred by section 28 of the Indian Boiler Act, 1923 (5 of 1923), is published, as required by sub-section (1) of Section 31 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration three months from the date of publication of this notification in the official. Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft within the period so specified will be considered by the Central Boilers Board, such objections or suggestions should be addressed to the Secretary, Central Boilers Board, Ministry of Industrial Development and Internal Trade (Department of Industrial Development), Udyog Bhavan, New Delhi.

DRAFT REGULATION

- This Regulation may be called the Indian Boiler (Amendment) Regulations, 1971.
- In regulation 290 of the Indian Boiler Regulations, 1950, at the end of clause (c), the following shall be added, namely:—
 - "(c) for forged or stainless steel chests C is equal to 2.5 mm."

[No. BL. 9(42)/66-EEI.]

New Delhi, the 14th May 1971

G.S.R. 734.—The following draft of certain Regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, which the Central Boilers Board proposes to make in exercise of the powers conferred by section 28 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), is published as required by sub-section (1) of section 31 of the said Act for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after 31st July, 1971.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified will be considered by the Central Bollers Board. Such objections or suggestions should be addressed to the Secretary, Central Boilers Board, Ministry of Industrial Development and Internal Trade (Department of Industrial Development), Udyog Bhavan, New Delhi.

DRAFT RESOLUTION

- 1. These Regulations may be called the Indian Boiler (Amendment) Regulations, 1971.
- 2. In the Indian Boiler Regulations, 1950, in regulation 281, in the fourth paragraph, the following shall be inserted at the end, namely:—
 - "In case of electrically operated oil and gas fired boilers, where the fire in the furnace is put off automatically with the lowering of the water level in the boiler and with the failure of electrical supply, two electrically driven feed pumps run by the same source of supply can be accepted irrespective of the size of the boiler, provided that the Chief Inspector assures himself that positive means are provided for putting out fire on loss of power before the drop in the water level to dangerous limit."

[No. BL.9(31)/68-TAB.]

S. C. DEY, Secy.

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 7th May 1971

- G.S.R. 735.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to smend the Trade Marks Registry (Class III) Recruitment Rules, 1962, namely:—
 - (1) These rules may be called the Trade Marks Registry (Class III) Recruitment (Amendment) Rules, 1971.
 - (2) They shall came into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Trade Marks Registry (Class III) Recruitment Rules, 1962, in the entries relating to item 12, in column 10, for the existing entries, the following entries shall be substituted, namely:—

"Direct recruitment.

Note.—10 per cent, of the vacancies occurring in a year shall be reserved for being filled up by Class IV employees (borne on regular establishments), subject to the following conditions, namely:—

- (a) Selection shall be made through a departmental examination confined to such Class IV employees who fulfil the requirements of minimum educational qualification, namely, Matriculation or equivalent;
- (b) The candidate must not have completed the age of forty years. The age limit of forty years shall be extended by five years in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes;
- (c) At least five years service in Class IV would be essential;
- (d) Unfilled vacancies shall not be carried over."

[No. 41(8)-PP & D/69.]

श्रौद्धोगिक विकास श्रौर द्यान्त(रेक ब्यायार मंत्रालय (श्रौद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 7 मई, 1971

साँ० का० नि० 735:—राष्ट्रपति, संविधान के श्रनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ब्यापार चिह्न रजिस्ट्री (वर्ग 3) भर्ती नियम, 1962 में श्रौर श्रागे संशोधन करने के लिए निम्नलिखत नियम एतद्द्वारा बनाते हैं; श्रर्थात् :—

- (1) इन नियमों का नाम व्यापार चिह्न रिजस्ट्री (वर्ग 3) भर्ती (संशोधन) नियम,
 1971 होगा 1
 - (2) ये शासकीय राजपत्न में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत होंगे।
- 2. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री (वर्ग 3) भर्ती नियम, 1962 की प्रनुसूची में मद 12 से सम्बन्धित प्रविष्टियों में, स्तंभ 10 में, वर्तमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएंगी, श्रर्थात् :—

"सोबी भर्नी"।

हिष्यण :-- एक वर्ष में होने वाली रिक्तयों की 10 प्रतिशत रिक्तियों वर्ग 4 के चारियों (जो नियमित स्थापन के हैं) में से, निम्नलिखित शर्तों के प्रधीन जाने के लिए धारक्षित रखी जाएंगी, प्रथात् :--

- (क) चयन विभागीय परीक्षा के माध्यम से किया आएगा जो वर्ग 4 के एँसे कर्मचारियों तक सीमित होगी जो न्यूनतम शैक्षिक श्रहेता, अर्थात् मैंट्रीकुलेशन या समतुल्य श्रहेता की श्रपेक्षा पूरी करते हों;
 - (ख) अभ्यर्थी 40 वर्ष की आयु पूरी नहीं कर चुका हो। 40 वर्ष की आयु सीमा अनुसूचित जाति श्रीर श्रनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों की दशा में 5 वर्ष श्रीर बढ़ा दी जाएगी;
 - (ग) वर्ग 4; कम से कम 5 वर्ष की सेवा म्रावश्यक होगी;
 - (घ) बिना भरी रिक्तयों को श्रागे नहीं ले जाया जाएगा।"

[संo फाo 41(8)--पीoपीo और डीo/69]

- G.S.R. 736.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Patent Office (Class III) Recruitment Rules, 1962, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Patent Office (Class III) Recruitment (Amendment) Rules, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Schedule to the Patent Office (Class III) Recruitment Rules, 1962, in the entries relating to item 7, for the entries under column 10, the following entries shall be substituted, namely:—

"Direct recruitment.

- Note.—10 per cent of the vacancies occurring in the year shall be reserved for being filled up by Class IV employees (borne on regular establishment), subject to the following conditions, namely:—
- (a) Selection shall be made through a departmental examination confined to such Class IV employees who fulfil the requirements of minimum educational qualification, namely, Matriculation or equivalent;
- (b) The candidate must not have completed the age of forty years. The age limit of forty years shall be extended by five years in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes;
- (c) At least five years service in Class would be essential;
- (d) Unfilled vacancies shall not be carried over".

[No. 41(8)-PP&D/69.]

HARGUNDAS, Under Secy.

सा०का० नि॰ 736 --राष्ट्रपति, संविधान के अनुष्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त आक्तियों का प्रयोग करते हुए, पेटेन्ट कार्यालय (वर्ग 3) भर्ती नियम, 1962 में श्रौर भ्रागे संशो-धन करने के लिए निम्नलिखित नियम एतद्दारा बनाते हैं, श्रर्थात् :--

- (1) इन नियमों का नाम पेटेन्ट कार्यालय] (वर्ग 3) भर्ती (संशोधन) नियम,
 1971 होगा ।
 - (2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. पेटेन्ट कार्यालय (वर्ग 3) भर्ती नियम, 1962 की प्रानुसूची में मद 7 से संबंधित प्रवि-िंट्यों में स्तर्भ 10 के नीचे की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्निलेखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जायेंगी, प्रयात् :----

''सीधी भर्तीं'':---

टिप्पण:—-एक वर्ष में होने वाली रिक्तियों की 10 प्रतिशत रिक्तियों वर्ग 4 के कर्मचारियों (जो नियमित स्थापन में के हैं) में से, निम्नलिखित शर्ती के अभीन भरी जाने के लिए प्रारक्षित रखी जायेंगी, प्रार्थात :—-

(क) चयन विभागीय परीक्षा के माध्यम से किया जायगा जो वर्ग 4 ने ऐसे कर्मचारियों तक सीमित होगी जो न्यूनतम शैक्षिक श्रर्हता, श्रथित :—

मेट्रीकुलेशन या समतुल्य ऋर्हता की श्रपेक्षा पूरी करते हैं। ;

- (ख) श्रभ्यर्थी 40 वर्ष की श्रायु पूरी नहीं कर चुका हो । 40 वर्ष की श्रायुसीमा श्रनु-सूचित जाति श्रीर श्रनुसूचित जनव्जाति के श्रभ्यथियों की दशा में 5 वर्ष श्रीर बढ़ायी जायगी:
- (ग) वर्ग 4 में कम से कम 5 वर्ष की सेवा भ्रावश्यक होगी ;
- (घ) बिना भरी रिक्तियों को ग्रागे नहीं ले जाया जायगा।"

[सं० फा० 41(8)—पी० पी० श्रौर डी०/69];

हरगुनदास, भ्रवर सचिव, भारत सरकार ा

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 2nd April 1971

- G.S.R. ~737.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the posts of Hindi Translator, Grade II in the Ministry of Tourism and Civil Aviation, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Tourism and Civil Aviation (Hindi Translator Grade II) Recruitment Rules, 1971,
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Application.—These rules shall apply to the post as specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Number, classification and scale of pay.—The number of post, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.
- 4. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

Provided that the upper age limit specified in column 6 may be relaxed in the case of candidates belonging to the Schedule Castes, the Schedule Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time.

- 5. Disqualifications.—No person,
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to the above post;

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the Personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

6. Powers to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded: in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class orcategory of persons.

DULE					
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotions	Period of probation, if any.	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/ transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods ¹	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer grade from which promotion/deputation/transfer to be made	If DPC exists, what is its composition.	Circumstan- ces in which U.P.S.C, is to be consulted in making- rectt
8	9	10	II	12	13
Not applicable	Two years	tion or transfer fail- ing which by direct recruitment.	Upper Division Clerks Lower Division Clerks of the Central Secretariat Clerical Service with (i) five years service in the grade of Lower Division Clerk, Upper Division Clerk, or in both and (fi) qualifications as		Not appli⊷ cable
			stated under Column 7. Period of Deputation Ordinarily two years which may be extended by another year.		

[No. Admn. 2 (35)/69.

A. R. GOEL, Under Secy.

पर्यटन तथा नागर विज्ञानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 2 श्रप्रैल, 1971

जी • एस॰ झार॰ 737.— संविधान के श्रनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, राष्ट्रपति एतव्द्वारा पर्वटन तथा नागर विमानन मंत्रालय में हिन्दी श्रनुवादक, ग्रेड II के पदीं पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, श्रर्थात् :—

- 1. संक्षिण नार तथा भारभ्भ :--(1)ये नियम पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय श्(हिन्सी श्रनुवादक, ग्रेड II) भर्ती नियम, 1971 कहे जा सकेंगे ।
 - (2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- लागू होना: ये नियम इससे उपाबद्ध श्रनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पद को ल्लागू होंगे ।
- 3. पद संश्या, चाँकरण तथा ये क्मान :---पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण ग्रीर उनका अवैतनमान वे होंगे जो उक्त श्रनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- 4. भर्ती की पद्धातं, आयु सो । तथा आग्न आर्ह्नतायें :— उक्त पदों पर भर्ती की पद्धाति, क्यायु सीमा, अर्ह्नतायें और उनसे सम्बन्धित अन्य बातें ये होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 न्तक में विनिर्दिष्ट हैं।

परन्तु उक्त अनु रूची के स्तम्भ 6 में निर्दिष्ट श्रिधिकतम आयु सीमा, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निकाले गये श्रादेशों के अनुसार, कि ती भी श्रनुसूचित जाति, श्रनुसूचिस जनजाति अभैर श्रन्य विशेष प्रवर्ग के अर्थांषयों के सम्बन्ध में शिथिल की जा सकेगी।

- 5. निरहं एः वह व्यक्ति :---
 - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
 - (ख) जिसने ग्रापने पतिया ग्रापनी पत्नी के जीवित होते हुथे किसी व्यक्ति से विवाह किया है ;

ंसेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के भ्रन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के श्रधीन भ्रनुक्रेय है भीर ऐसा करने के लिये ग्रन्य भाधार -भीजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6. जिल्लिक करने की शक्ति:--जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना श्रावश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिये जो कारण हैं उन्हें लिपिबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की भावत अपादेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

							ध म्
पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद ग्रथवा ग्रचयन पद	किये जाने वालि	सीधे भर्ती किये जाने वाले ःयक्तियों के लिये शैक्षिक तथा ग्रन्थ श्रह्तायें	किये जा
1	2	3	4	5	6	7	8
हिन्दी झनुवादः ग्रेड II		सामान्य सिविल सेवा, श्रेणी III (ग्रराज- ावित) (लिपिक- वर्गीय)	290-15- 320-द०	लागू नर्ह होता		माबद्यक : (1) किसी मान्यत् प्राप्त विश्वविद्यालय् की डिग्री जिसमें ग्रंग्रेजी भौर हिन्दी पर्याय (इलेक्टिव) विषयों के रूप में लिये गये हों। (2) ग्रंग्रेजी से हिन्दी तथा हिन्दी से ग्रंग्रेजी में मनु- वाद का लगभग दो वर्ष का ग्रनुभव	

सची

परिवीक्षा भर्ती की पद्धति/भर्ती काल, सीध्रे होगी या प्रोफ्तित यदि द्वारा था प्रतिनिकृतित/ कोई हो स्थानान्तरण द्वारा, तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत प्रोन्नित/प्रितिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नित/प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण किया जायेगा यदि विभागीय भर्ती करने में प्रोन्नति किन परिसमिति है जो स्थितियों में उसकी संरचना संघ लोक के सेवा भायोग से परामर्श किया जायेगा

9

10

11

12

13

बो वर्ष प्रतिनियुक्ति श्रथवा स्थानान्तरण द्वारा ; ऐसा न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा । प्रतिसिषु क्ति/स्थामान्सरण केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा प्रवर श्रेणी लिपिक/ग्रवर श्रेणी लिपिक, जिनकी

(I) भ्रवर श्रेणी लिपिक ग्रेड में भ्रथता प्रवरश्रेणी लिपिक ग्रेड में श्रथवा दोनों में मिलाकर पांच वर्ष की सेवा हो गयी हो ;

(I) शैक्षिक योग्यता, जैसी कि
 कालम 7 के नीचे दी गई
 है।

प्रक्तिनियुध्ति की ग्रवन्धि सामान्यतयादो वर्ष, जिसे एक वर्ष श्रौर बढ़ायाजासकताहै। लागू नहीं लागू नहीं होता। होता।

[सं० प्रणासन 2(35)/69]

भ्रात्मा राम गोयल, श्रवर सचिव।

MINISTRY OF STEEL AND HEAVY ENGINEERING

New Delhi, the 6th April 1971

- G.S.R. 738.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Ministry of Steel and Heavy Engineering (Class I Posts) Recruitment Rules, 1969, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Steel and Heavy Engineering No. 1373 dated the 9th June, 1969, namely:—
- (1) Short title and commencement.—These Rules may be called the Ministry of Steel and Heavy Engineering (Class I posts) (Recruitment Amendment) Rules,
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Schedule to the Ministry of Steel and Heavy Engineering (Class I posts) Recruitment Rules, 1969,
 - (i) against serial No. 3 relating to the post of 'Development Officer', in Column 2, or the entry 'Four' the entry 'Five' shall be substituted;
 - (ii) Serial No. 4 and the entries relating thereto in Columns 1 to 13 shall be omitted;
 - (iii) Serial No. 5 relating to the post of 'Assistant Development Officer' shall be renumbered as Serial No. 4.

[No. Admn. I-14 (40)/68.]

CHARANJIT LAL, Under Secy.

इस्पात तथा भारी इंडीनियरी मंत्रालय

नई दिल्ली. 6 ग्राग्रैल. 1971

सा० का० नि०738.---राष्ट्रपति, संविधान के श्रनच्छेद 309 के परन्तूक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस्पात और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (वर्ग 1 पद) भर्ती नियम, 1969 में, जो भारत सरकार के इस्पात श्रौर भारी इंजीनियरी मंत्रालय की श्रधिसूचना संख्या 1373 तारीख 9 जन 1969 के साथ प्रकाशित हुए हैं, संगोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एतदद्वारा बनाते हैं. ग्रथीत-

संक्षिप्त नाम ग्रौर प्रारम्भ :

- (1) इन नियमों का नाम इस्पात और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (वर्ग । पद) (भर्ती संशो-धन) नियम, 1971 होगा ।
 - (2) ये शासकीय राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
- 2. इस्पात श्रौर भारी इंजीनियरी मंत्रालय (वर्ग 1 पद) भर्ती नियम, 1969 की स्रन-सूनी में;
 - (।) 'विकास ग्रधिकारी' पद से सम्बन्धित ऋम संख्या 3 के सामने स्तभ 2 में 'चार' प्रविब्टि के स्थान पर 'पांच' प्रविद्धि प्रतिस्थापित की जायगी :

- (।।) ऋम संख्या 4 श्रीर 1 से 13 तक में तस्सम्बन्धी प्रविष्टियों को निकाल दिया जायेगा |
- (।।।) 'सहायक विकास अधिकारी' के पद से संबंधित कम संख्या 5, कम संख्या 4 के रूप में पूनः संख्यांकित की जायगी ।

[सं । प्रशासन 1-14(40)/68]

चिरंजीत लाल, ग्रवर सचिव ।

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

New Delhi, the 20th April 1971

G.S.R. 739.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules o amend the Central Water and Power Research Station (Class IV) posts Recruitment Rules, 1964, namely —

- (1) These rules may be called the Central Water and Power Research Station (Class IV) posts Recruitment (Amendment Rules, 1971).
 (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Schedule to the Central Water and Power Research Station (Class IV) posts Recruitment Rules, 1964-
 - (1) for the entry in column 10 against each of the serial numbers 1 to 7, the entry "Two years" shall be substituted
 - (2) after serial No. 7 and the entries relating thereto, the following serial numbers and entries shall be inserted, namely-

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
*8. Mukadam	2	General Central Service Class IV Non- Gazzetted	Rs. 80-1-85- 2- 95-EB- 3-110	Selection	By promotion 100%	Not appli- cable	Not appli- cable	Тwо усыта	Not appli- cable	Reserarch Khalasis who have rendered at least 3 years service in the grade,
9. Daftry .	3	General Central Service Class IV Non- Gazetted	Rs. 75-1-85- EB-2-95	Non Selection	By promotion 100%	Not appli- cable	Not appli- cable	Two years	Not appli- cable	Peons who have rendered at least 3 years service in the grade.
o. Haveldar	1	General Central Service Class IV Non- Gazet ed	Rs. 75-1-85 EB-2-95	Non Selection	By promotion 100%	Not appli- cable.	Not appli- cable.	Two years	Not appli- cable,	Peons who have rendered at least 3 years service in the grade.

11. Peon	25	Central Service Class IV	Rs. 70-1-80- EB-1-85	Not applicable	By direct recruitment	18-25 years years.	Middle School Standard Pass	Two years	Not appli- cable	V/ex	арриелож.
12. Chowkidar	24	Central Service Class IV	Rs. 70-1-80- EB-1-85	Not applicable	By direct recruitment	18-25 ye ars	Primary School Standard Pass.	Two years	Not appli- cable	Not	applicable.
13. Sweeper	10	Non- Gazetted General Central Service Class IV Non- Gazetted		Not applicable	By direct recruitment	18-25 years	Nil	Two years	Not applicable	Not	applicable''

[No. 70/71 F. 39/1/64—Adm. I.]

K. P. B. MENON, Under Secy.

OF INDIA: MAY 22, 1971/JYAISTHA

सिचाई और विद्युत मत्रालय

नई दिल्ली, 3 मई 1971

जी एस श्रार 739 :--संविधान की घारा 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, राष्ट्रपति, केन्द्रीय जल श्रौर विद्युत् श्रनुसंधानशाला (चतुर्थ श्रेणी) पद भर्ती नयमावली, 1964 का संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, नामश:--

- (1) इन नियमों को केन्द्रीय जल श्रौर विषुत् श्रनुसंघानशाला (चतुर्थ श्रेणी)
 पद भर्ती (संशोधन) नियमावली, 1971 कहा जाये ।
- (2) ये नियम सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशित होने की तारीख से लागू किये जायेंगे ।
- 2. केन्द्रीय जल श्रौर विद्युत् मनुसंधानशाला (चतुर्थ श्रेणी) पद भर्ती नियमावली, 1964 की मनुसूची में --
 - (1) कालम 10 में कम संख्या 1 से 7 के सामने प्रत्येक प्रविष्टि "दो वर्ष" की प्रविष्टि से प्रतिस्थापित कर दिया जाए ;
 - (2) ऋम संख्या 7 तथा इससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित कम संख्यास्रों स्रौर प्रविष्टियों को जोड़ा जाये, नामगः—

	1	2	3	4	5
"8	मुकदम	. 2		रु० 80-1-85-2- 95-द० रो०-3-110	चयनात्मक
9	दफ्तरी	. 3	सामान्य केन्द्रीय सेवा चतुर्य श्रेणी म्र-राजपत्नित	र • 75-1-85-द• रो•-2-95	श्रचयनात्मक
10	हवलदार	. 1	सामान्य केन्द्रीय सेवा चत्र्यं श्रेणी ग्र-राजपत्नित	रु० 7 5-1-85- द०रो०-2-95	भ्रजयनात्मक
11	चपरासी	. 25	सामान्य केन्द्रीय सेवा चतुर्थ श्रेणी ध-राजपत्नित	रु० 70-1-80 व० रो०-1-85	ग्रचयनात्मक
12	चौ कीदार	. 24	सामान्य केन्द्रीय सेवा चतुर्थ श्रेणी ग्र-राजपत्निन	रु० 70-1-80- द० रो०-1-85	भ्रचयनात्मक
13	स्वीपर	. 10		रु० 70-1-80- य•रो॰-1-85	ग्रचयनात्मक

6	7	8	9	10	11
षवोन्नति द्वारा 100 प्रतिशत	लागू नर्ह	 ों लागू नर्ह	ों दो वर्ष	लागू नहीं	श्रनुसंधान श्वलासी जिन्होंने ग्रेड में कम से कम 3 वर्ष सेवा की हो
पदोन्नति द्वारा 100 प्रतिशत	लागू नहीं	लाग् नहीं	दो वर्ष	लागू नहीं	जपरागी जिन्होंने ग्रेड में कम से कम 3 वर्ष सेवा की हो।
पदोन्नति द्वारा 100 प्रतिश्रत	लागू नहीं	लागू नही	दो वर्ष	लागू नहीं	नपरासी जिन्होंने ग्रेड में कम से कम 3 वर्ष सेवा की हो :
सीधी भर्ती द्वारा	18-25 वर्ष	5 मिडिल स्कूल स्टैंडर्ड पास		लागू नहीं	लागू नहीं
सी घी भर्ती द्वारा	18-25 वर्ष	• • • • •	दो वर्ष	लागू नहीं	लागू नहीं
सीघी भर्ती द्वारा	18-25 वर्ष			लागू नहीं	लाग् नहीं''

[सङ्घा एफ० 39/1/64-प्राय्यक] कि पी० बी० मेनन, प्रवासिता ।

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 12th May 1971

- G.S.R. 740.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Indian Railways Cashier and Paymaster Recruitment Rules, 1967, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Indian Railways Cashier and Paymaster Recruitment (Amendment) Rules, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Indian Railways Cashier and Paymaster Recruitment Rules, 1967, the words "and Paymaster" wherever they occur in the rules and the Schedule annexed thereto, shall be omitted.

[No. 71/E(GR)1/18/1.1

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली 12 मई, 1971

श्री० एस० भार० 740 — संविधान के श्रनुष्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्द्वारा भारतीय रेल रोकड़िया श्रीर वेतनवाता भर्ती नियम 1967 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, श्रर्थात :—

- 1. (1) ये नियम भारतीय रेल रोकड़ियां घौर वेतनवाता भर्ती (संशोधन) नियम
 1971 कहे जा सकेंगे ।
 - (2) ये नियम शासकीय राजनत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।
- 2. भारतीय रेल रोकड़िया और वेतनदाता भर्ती नियम, 1967 में इन नियमों या इनके साथ संलग्न अनुसूची में जहां भी "और वेतनदाता" शब्द भ्राते हों उन्हें छोड़ दिया जाये।

[मं० 71/ई (जी घार) 1/18/1]

- G.S.R. 741.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and all other powers enabling him in this behalf, the President hereby makes the following rules to amend the Railway Board Secretariat Stenographers Service Rules, 1971, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Railway Board Secretariat Stenographers Service (Amendment) Rules, 1971;
- (2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of August, 1969.
- 2. In the Third Schedule to the Railway 72831234123412341234ETA90ETAOI Service Rules, 1971, under the sub-headisg "Grade II", for the entry "94", the entry "134" shall be substituted.

Explanatory Memorandum

The Railway Board Secretariat Stenographers Service Rules, 1971, were issued to come into force with effect from 1st August, 1969 vide Ministry of Railways (Railway Board) Notification No. E69 OG1/66RB2(RB3), dated 20th January, 1971.

Though the authorised permanent strength of Grade II of the Railway Board Secretariat Stenographers Service was 134 posts, it was inadvertently indicated as 94 in the Third Schedule to the Railway Board Secretariat Stenographers Service Rules, 1971.

This amendment to the Railway Board Secretariat Stenographers Service Rules, 1971, is being issued to indicate the correct strength of Grade II of the Service as on 1st August, 1969.

It is further stated that the interests of no one would be prejudicially affected by reason of the decision to give retrospective effect from 1st August, 1969, to the Railway Board Secretariat Stenographers Service (Amendment Rules, 1971.

[No. E69 OG1/6/RB2(RB8).]

सा॰ का॰ नि०741----संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का अभैर इस संबन्ध में उन्हें समथ करने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतदहारा रेलव बोर्ड सचिवालय आमुलिपिक सेवा नियम, 1971 में संगोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात:---

- 1. (1) ये नियम रेलवे बोर्ड सचिवालय भ्राशुलिपिक सेवा (संशोधन) नियम, 1971 कहे जा सकेंगे।
 - (2) ये नियम पहली श्रगस्त, 1969 को प्रवृत्त हुए समझे जायेंगे ।
- 2. रेलवे बोर्ड सचिवालय भ्रामुलिपिक सेवा नियम, 1971 की तीसरी भ्रनुसूची में उपमीर्षक "श्रेणी 2" के भ्रन्तर्गत "94" के स्थान पर प्रविध्टि "134" को प्रतिस्थापित किया जायेगा।

व्याख्यात्मक सावन

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) की 20 जनवरी, 1971 की अधिसूचना सं० ई० 69 श्रो० जी० 1/6 श्रार० बी० 2 (श्रार० बी० 3) के श्रधीन रेलव बोर्ड सचिवालय श्राणुलिपिक सेवा नियम, 1971 जारी किये गये थे श्रौर इन नियमों को 1-8-1969 से लागू किया जाना था।

यद्यपि रेलवे बोर्ड सिचवालय श्राशुलिपिक सेवा के ग्रेड II के प्राधिकृत स्थायी पदों की संख्या 134 थी, लेकिन रेलवे बोर्ड सिचवालय श्राशुलिपिक सेवा नियम, 1971 की नीसरी श्रनुसूची में यह संख्या श्रसावधामी से 94 दिखायी गयी थी।

रेलवे बोर्ड सचिवालय श्रागुलिपिक सेवा नियम, 1971 में यह संशोधन, 1~8~1969 को सेवा के ग्रेड II में सही सदस्य संख्या बताने के लिए किया गया है।

यह भी सूचित किया जाता है कि रेलये बोर्ड सचित्रालय ग्रांगु लिपिक सेत्रा (संशोधन) नियम, 1971 को 1-8-1969 से पूर्वव्याप्ति सहित लागू करने के विनिश्चय के कारण किसी के भी हितों पर प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

[संख्या ई० 69 ग्रो० जी० 1/6 ग्रार० बी० 2 (ग्रार० बी० 3]

New Delhi, the 14th May 1971

- G.S.R. 742.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Indan Railways (Land Control Officer) Recruitment Rules, 1968, name'y:—
- 1. (1) These rules may be called the Indian Railway (Land Control Officer) Recruitment (Amendment) Rules, 1971.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. For the Schedule to the Indian Railways (Land Control Officer) Recruitment Rules, 1968, the following Schedule shall be substituted, namely:—

SCHE

Name of Post No. of posts	Classi- fication	Scale of Pay	direct	Educational & other qualifications required by direct recruit

r	2	3	4	5	6	7
Land Control Officer	8	Service Class II	Rs. 350—25—500—30—590 EB—30—800 EB—30—830 35—900 Authorised.	No applicable.		Not applicable.

Whether age & educational qualifications prescribed for direct recruit will apply in the case of Promotees		whether by direct rectt, or by pro- motion or by de-	promotion/deputation/ transfer, grades from which promotion/depu-cotation/transfer to be made	If a DPC exists, that is its emposition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment
8	9	10	II	12	13
Not applicable	Not applicable.	By transfer on deputation.	Revenue Officers holding analogous posts from the States served by the Zonal Rlys, failing which Asstr. Engineers of the Civil Engg. Deptr. of the Indian Railways. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 Years. Note.—The post will be treated as "Tenure post" when held by an officer of the State Government.		As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation Regulations, 1958.

[No. 70/E(GR)I/15/3.]

नई दिल्ली, 14 मई, 1971

श्री० एस० ग्रार०742— संविधान के श्रनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति भारतीय रेल (भूमि नियन्त्रण ग्रधिकारी) भर्ती नियम, 1968 में संशोधन करने के लिए एतदद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, ग्रर्थात् :—

- 1. (i) ये नियम भारतीय रेल (भूमि नियंत्रण ग्रधिकारी) भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 कहे जा सक्केंग ।
 - (ii) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशिन होने की तारीख से लागू होंगे।
- 2. भारतीय रोल (भूमि नियंत्रण ग्रधिकारी) भर्ती नियम, 1968 की ग्रनुसूची के स्थान पर निम्नालाखत ग्रनसूची प्रतिस्थापित की जायेगी :--

						श्रनु
पदकानीम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	व तनमान	प्रवरण पद है या श्रप्रवरण पद	भ्रायु	सीधी भर्ती बालों के लिए अपेक्षित पौक्षणिक और घरा प्रहेताएं
1	2	3	4	5	6	7
भूमि नियंत्रण प्रधिकारी		द्वितीय श्रेगी	ह० 350-25-500- 30-590-द०रो० 30-800-द०रो० 30-830-35- 900 (ग्रधिमृत)	– होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

सची	
V	

क्या सीधी भर्ती परि-वालों के लिए वीक्षा विहित भ्रायु भौर काल श्चर्रताएं पद्मीन्नत यदि कोई व्यक्तियों के मामलों हो में भी लागु होंगी

भर्ती की विधि, पदोन्नति/प्रति-सोधी भर्ती या नियक्ति/स्थाना-पदोन्नति या प्रति-न्तरण द्वारा भर्ती नियक्ति/स्थानान्तरण की स्थिति में पद ऋम जिनमें से द्वारा तथा विभिन्न विधियों से भरे पदोन्नति/प्रति-जाने वाली रिक्त निय्क्ति/स्थाना-पदों का प्रतिशत न्तरण किया जाना है

यदि विभागीय परिस्थितियां पदोन्नति समिति हो तो उसका गठन

जिनमें भर्ती के सम्बन्ध में संघ लोक सेवा झायोग से परामर्श लिया जायेगा

8

9

10

11

12

13

लाग नहीं होता लाग् नहीं होता प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा

प्रतिनियक्ति पर स्थानाः रण द्वारा जिन राज्यों से क्षेत्रीय रेलें गुजरती हैं, उन राज्यों के सदृश्य पद बाले राजस्व ग्रधिकारियों द्वारा उनके उपलब्ध न होने पर भारतीय रेलों के सिविल इंजीनियरी विभाग

(प्रतिनियुक्ति काल सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगा)

द्वारा

के सहायक इंजीनियर

टिप्ाणी—यदि इस पद पर राज्य सरकार का कोई ग्रधिकारी नियुक्त होगा तो इसे ''सावधिक पद'' माना जायेगा ।

लागू नहीं होता

संघ लोक सेवा ग्रायोग (परामर्श से छुट) विनि-यम 1958 के ग्रन्तर्गत यथोपेक्षित ।

[संख्या 70/ई० (जी० म्रार**०)** \(\nabla / 15/3]

- G.S.R. 743.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 47 of the Indian Railways Act, 1890 (4) of 1890), the Central Government hereby makes the following rules further to smend the Open Lines (Railways in India) General Rules, 1929, published with the notification of the Government of India in the late Railway Department (Railway Board) No. 1078 T dated the 9th March, 1929. namely:-
- I. (1) Short title and commencement.—These rules may be called the Open Lines (Railways in India) First Amendment General Rules. 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
 - of the Open Lines (Railways in India) General Rules, 1929,-II. In Part I
 - (i) in rule 13, for clause (a) the following clause shall be substituted, namely:—
 - "(a) Semaphore arm Calling-on signal.—It shall be a square ended short arm fixed on the same post as, and below the arm of, a Stop signal governing the approach of a train. The indications shall be as follows:—
 - (1) the horizontal position of the arm constitutes the 'on' position and at night the signal shall show no light in the 'on' position;
 - (ii) in two-aspect semaphore signalled territories, the inclined position of the arm lowered to an angle from 45° to 60° below the horizontal, or, at night, the showing of a miniature green light constitutes the 'off' position; and
 - (iii) in multiple-aspect semaphore upper quadrant signalled territories, the inclined position of the arm raised to an angle of 45° above the horizontal, or, at night, the showing of a miniature yellow light constitutes the 'off' position."
 - (ii) for sub-rule (a) of rule 145 the following sub-rule shall be substituted, namely:-
 - "(g) In order to indicate by day to the staff that a train is complete, the last vehicle shall, except as provided for under sub-rule (b) and in thick and foggy weather, be distinguished by affixing to the rear of it a tail board of an approved design provided that under exceptional circumstances a red-painted tail lamp which may be unlit and in case of emergency a red flag may be used in lieu of a tail-board."
 - (iii) for rule 151, the following rule shall be substituted, namely:-
 - "151. Shunting on steep gradients.—When any vehicle is being shunted on a grade steeper than 1 in 400 the railway servant incharge of the operation shall see that sufficient number of brakes are put on sprags are used, where necessary, slip sidings or traps, where provided, are set in their normal position and that all precautions are taken to preven the vehicle getting out of control;
 - Provided that when any vehicle fitted with roller bearings is being shunted on a grade steeper than 1 in 400 or any other vehicle not fitted with such bearings on a grade steeper than 1 in 260, such shunting shall not be permitted unless the locomotive is attached towards the falling side of the gradient."

सा० का० नि० 743.-भारतीय रेल श्रधिनियम, 1890 (1890 का 9) की घारा 47 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व रेलवे विभाग (रेलवे बोर्ड) की 9 मार्च, 1929 की ग्रधिसूचना सं० 1078 टी० के साथ प्रकाशित चालू लाइन (भारत की रेलें) सामान्य नियम, 1929 में श्रागे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, ग्रथीत् :---

- 1. (1) लबुक्तीर्वक स्रोर प्रारम्भ ये नियम चालू लाइन (भारत की रेलें) प्रथम समोधन सामान्य नियम, 1971 कहे जा सकेंगे।
 - (2) ये नियम सरकारी राजपव में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।
- 2. चालु लाइन (भारत की रेलें) सामान्य नियम, 1929 के भाग 1 में--
- (1) नियम 13 के खंड (क) के स्थान पर निम्नलिखित खंड प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात :---
 - "(क) सेमाफोर हत्थेवाला बुलावा-सिगनल-यह सिगनल वर्गाकार सिरे बाला छोटे हत्थे का होगा, श्रौर श्राती हुई गाड़ी पर नियंत्रण रखने वाले 'रुकों सिगनल' के हत्थे के नीचे, उसी खम्भे पर लगा होगा। इसके संकेत इस प्रकार होंगे:---
 - (i) हत्थे की क्षैतिज स्थिति इसकी 'श्रान' स्थिति समझनी चाहिए श्रौर रात के समय 'श्रान' स्थिति में सिगनल में कोई रोशनी नहीं दिखायी देगी।
 - (ii) दिव संकेती सेमाफोर सिगनल वाले क्षेत्रों में, जब हत्था क्षेतिज स्थिति से 450 से 600 तक का कोण बनाता हुआ नीचे की और अका हुआ हो, या रात के समय छोटी हरी रोशनी दिखायी दे, तो सिगनल को 'आफ' समझना चाहिए; और
 - (iii) बेंदू-संकेती सेमाफोर अपर क्वाइड्रेट सिगनल वाले क्षेत्रों में, जब हत्था क्षैतिज स्थिति से 45. का कोण बनाता हुआ ऊपर की ग्रोर उठा हो, या रात के समय छोटी पीली रोशनी दिखायी दे, तो सिगनल को 'श्राफ' समझना चाहिए।
- (ii) नियम 145 के उप-नियम (क) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम प्रतिस्थापित किया जायेगा, प्रथित् —
 - "(क) उप-नियम (ख) में दी गयी व्यवस्था तथा घने और कुहासा भरे मौसम के सिवाय, दिन के समय कर्मचारियों को इस बात का सकेत देने के लिए कि गाड़ी सम्पूर्ण है, सबसे ग्रन्तिम डिब्बे की पहचान के लिए उसके पीछे ग्रन्मोदिन ग्रभिकल्प की एक पिछली तख्ती लगायी जायेगी, परन्तु ग्रसाधारण परिस्थितियों में लाल रंग से पेंट की गयी पिछली—बत्ती, जो जली न हो, और ग्रापात की स्थिति में पिछली तख्ती के बदले लाल झंडी का उपयोग किया जा सकता है"।
- (iii) नियम 151 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जायेगा :-
 - "151 गहरे **ढाल पर शं**टिंग करना--जब किसी बाहन की 400 में 1 से श्रधिक गहरे ग़िल पर शंटिंग की जा रही हो, तो शंटिंग का इंचार्ज रेल कर्मचारी यह देखा लेगा कि पर्याप्त संख्या में ब्रोक लगा दिये गये हैं, श्रावश्यकतानुसार लकड़ी की गुल्लिया

उपयोग में हैं, जहां स्लिप साइडिंग या ट्रैप की व्यवस्था है, वहां उन्हें उनकी सामान्य स्थित में सैट किया गया है और वाहन को बेकाबु होने से रोकने के लिए पूरी एहिंत-यान बरत ली गयी है ।

परन्तु जब किसी वाहन की, जिसमें रोलर वैयरिंग लगे हों, 400 में 1 से प्रधिक गहरे ढाल पर शॉटिंग की जा रही हो, या श्रन्य किसी वाहन की जिसमें ऐसे बेयरिंग न लगे हों, 260 में 1 से श्रधिक गहरे ढाल पर शंटिंग की जा रही हो, तो ऐसी शंटिंग की तब तक श्रनुमति नहीं दी जायेगी जब तक रेल इंजन ढाल की श्रोर न लगाया गया हो।

[संख्या 70/सेफ्टी (ए एंड ग्रार) 29/13(54]

New Delhi, the 15th May 1971

G.S.R. 744.—In exercise of the powers conferred by section 47 of the Indian Railways Act, 1890 (9 of 1890), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Railways Red Tariff Rules, 1960 namely:—

- 1. (i) These rules may be called the Railways Red Tariff, (7th Amendment) Rules, 1971.
- (ii) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of April, 1970. In the Railways Red Tariff Rules, 1960, in Chapter III. in Table III, under the heading "Petroleum and Other Inflammable Liquids", in Column 1 for the entry "Crude Oil", the following shall be substituted, namely:—

Name of Liquid

General Classification.

Smalls: Wagon loads.

"Crude Oil. Explanatory Note:

The changes contained in the above notification for amending the Railways Red Tariff Rules, 1960 with effect from 1st April 1970, have already come into force from the 1st April, 1970. Consignors or Consignees would therefore, not be adversely affected due to this notification amending the said rules being given retrospective effect.

[No. 69.TG.IV/21/3.]

नई दिल्ली, 15 मई, 1971

जी एस आर 744. — भारतीय रेल प्रधिनियम, 1890 (1890 का 9) की धारा 47 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा रेलये लाल दर-सूची नियम, 1960 में श्रागे श्रौर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, श्रर्थात् :—

- 1. (i) ये नियम लाल दर-सूची (सात्रां संशोधन) नियम, 1971 कहे जा सकेंगे।
 - (ii) ये नियम 1 श्रप्रैल, 1970 से लागू हुए समझे जायेंगे !

रेलवे लाल दर सूची नियम, 1960 श्रध्याय III तालिका III में ''पेट्रोलियम श्रौर श्रन्य ज्वलम-शील ब्रव'' शीर्षक के अन्तर्गत कालम में ''कच्चा तेल'' प्रविध्टि के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जायेगा, शर्थातु :—

व्याख्यात्मक टिप्पणी :---

Name of Poisonous

रेल लाल दर सूची नियम, 1960 में 1-4-1970 से संशोधन के लिए जो परिवर्तन उपर्युक्त श्रिष्ठिसूचना में शामिल किये गये हैं वे 1 अप्रैल, 1970 से लागू किये जा चुके हैं। इसलिए इस अधिसूचना द्वारा उक्त नियमों में पिछली तारीख से संशोधन करने के कारण परेषक या परेषिती पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[मं 69 दी० जी० IV/21/3]

- G. S. R. 745.—In exercise of the powers conferred by section 47 of the Indian Railways Act, 1890 (9 of 1890), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Railways Red Tariff Rules, 1960, namely:—
 - 1. These rules may be called the Railways Red Tariff (6th Amendment) Rules, 1971.
- z. In the Railways Red Tariff Rules, 1960, in Chapter VII, in Table VII, under the main heading "Poisonous (Toxic) Substances", after the entry 'Arsenic (Metal)' in column I and the entries relating thereto the following entries shall be inserted, namely:—

W/- or C.C.

Classification weight condi- ma-

Re-

Packing

General

(Toxic) Substance	Smalls	Wagon Loads	tions to which load: apply	wagon rates	rks					
ı			2			3	4	5	6	7
"Arsenic Disulphide, (Arsenic Monosulphide, Arsenic Sulphide, Rubi Arsenic, Red Arsenic Glass, Red Arsenic Sulphide, Red Arsenic Arsenic Bisulphide and Realgar).	130	105	150 1	10 65		(1) In tins, bottles or strong paper packages, packed in cases. (2) In casks, lined with strong paper. 3) In drums.		••		••
Arsenic Trisulphide, (Arsenious Sulphide, Arsenic Sulphide, Yellow Arsenic, Orpiment, Arsenic Tersulphide).	130	105	150 1	10 65		(1) In tins, bottles or strong paper packages, packed in cases. 2) In casks, lined with strong paper. (3) In drums.				
Arsenic Pentasulphide.	130	105	150 11		(2)	(1) In tins, bo- ttles or strong paper packages, packed in cases.				

[No. 70. Tg. IV/21/2.] C. S. PARAMESWARAN, Secy., Railway Board,

2108	THE GAZET	TE OF INDI	A: MA	Y 22,	1971/JYAISTHA 1	, 1893 [Part II—
र्म	년 년	1				
य सर	भामी	1		9		
के इन्ह	म ्र			ın		
E ²	कालम	पै,किस्		4		
जी॰ एस॰ आर॰ 745.—मारतीय रेल ग्रधिनियम, 1890 (1890 का 9) की द्वारा 47 द्वारा प्रदत्त शक्तियों की प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार । रेलवे लाल दर-सूची नियम, 1960 में ग्रागे ग्रौर संशोघन करने के लिए निम्निलिखित नियम बनाती है, ग्रर्थात् :—	 ये नियम रेलवे लाल दर-सूची (छटा संशोधन) नियम 1971, कहे जा सकेंगे। रेलवे लाल दर सूची नियम 1960 झघ्याय VII, तालिका VII में, मुख्य शीर्षक "जहरीले (विषाक्त) पदार्थ" के स्नत्तांत कालम 1 में 'आमें निक (धातु)' प्रविध्य थौर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के बाद निम्निलिखित प्रविध्यियों को सन्तर्विष्ट किया जायेगा, प्रयंत् :— 	िटपपी		es	(1) टिनों में बोतलों प्रथवा मजबूत कागज के डिब्बों में पेटियों में बन्द । (2) पीपों में मजबूत ग्रागज में लिपटा हुग्रा (3) ड्रमों में ।	(1) टिनों में बोतलों प्रथवा मजबुत कागज के डिब्बों में पेटियों में बन्द । (2) पीपों में, मजबूत कागज में लिपटा हुआ (3) डूमों में ।
)कोध मिलिखि	हेंगे । ग शोर्षक । प्रविधि	मता प्रंतर्गत होंगी	ो॰ला॰		65	65
(1890 का 9) करने के लिए नि	971, कहे जा सबे का VII में, मुख्य बाद निम्नलिखित	प्रति डिब्बा या वहन क्षमता वजन क्षो शतेँ जिनके श्रंतर्गत डिब्बा-सार दरें लागू होंगी	ा० मी॰ला॰ छो॰ला॰	2	150 110	150 110
1890 विन	यम 1 तालि यों के	बु	ब॰ला॰		1. 1.5	5,
नेयम, गैर संभे	ान) नि VII, प्रविष्टि	र्तिकरण डिब्बा	<u>~</u>		105	105
ारेल झ्रधिति ।0 में झागे इ	(छटा संशोष्ट १६० झच्याय r सम्बन्धित	सामान्य वर्गीकरण फुटकर डिब्बा			130	130
जी० एस० श्रार० 745.—भारतीय रेल ग्रधिनियम, 1890 (1890 का 9) की द्वारा 47 द्वारा प्रदत्त शक्तियों क एतदद्वारा रेलवे लाल दर-सूची नियम, 1960 में ग्रागे ग्रौर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, ग्रथति :—	 ये नियम रेलवे लाल दर-सूची (छटा संशोधन) नियम 1971, कहे जा सकेंगे। रेलवे लाल दर सूची नियम 1960 प्रष्याय VII, तालिका VII में, मुख्य शी (धातु)' प्रविष्टि प्रौर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित प्रिविष्ट 	जहरीले (विषाक्त) पदार्थ का नाम ·		1	"श्रासनिक डाइसल्फाइड (श्रासैनिक मोनो- सल्फाइड, श्रासनिक सल्फाइड स्त्री श्रासॅ- निक रेड श्रासैनिक ग्लास, रेड श्रासेनिक सल्फाइड, रेड श्रासनिक, श्रासैनिक वाइ- सल्फाइड श्रौर रील्गार)।	ब्रासेंनिक वाइसल्फाइड, (श्रासेंनिक सत्फाइड ब्रासेंनिक सल्फाइड, पीला ब्रासिनक, ब्रापींमेंट ब्रासेंनिक टरसल्फाइड)

7		1/2]
5 6		V// 2 विरत्त, बोईं
S		ि <u>।</u> रिमेझ रेलवे
4		ि असे, स्राप्त
3	(1) टिनों में बोतलों क्षथवा मजबूत कागज के डिब्बों में पेटियों में बन्दा (2) पीपों में मजबूत कागज में लिपटा हुक्षा (3) डुमों में।	[संख्या 70 टी॰ की॰ $\mathbf{IV}/21/2$] सी॰ एस॰ परमेश्वरन, मचिब, रेलवे बोडें।
	65 65	
	110	
7	150	
	105	
	130	
1	ग्रासेंनिक पेन्टासल्काइड	

CABINET SECRETARIAT

(Department of Cabinet Affairs)

New Delhi, the 11th March, 1971

- G.S.R. 746.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Cabinet Secretariat (Department of Cabinet Affairs) Science Officer Recruitment Rules, 1969, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Cabinet Secretariat (Department of Cabinet Affairs) Science Officer Recruitment (Amendment) Rules, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Cabinet Secretariat (Department of Cabinet Affairs) Science Officer Recruitment Rules, 1969 (hereinafter referred to as the said rules), for rule 5, the following rule shall be substituted, namely:—
 - "5. Disqualifications.—No person—
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule."

3. In rule 6 of the said rules, the words "and in consultation with the Union Public Service Commission" shall be omitted.

- 4. In the Schedule to the said rules-
 - (a) In the entry under column 10, the words, "the selection being made in consultation with the Union Public Service Commission" shall be omitted;
 - (b) for the entry under column 13, the entry "Not applicable" shall be substituted.

Recruitment Rules for the Post of Science Officer in the Secretariat

			·	·		
Name of Post.	No. of Post	Classifi- cation	Scale of pay	Whether selection post or non-sejection post.	Age for direct recrui- ts	
I	2	3	4	5	6	7
Science Officer	One	General Central Service Class I Gazetted	Rs. 2000- 100-2500- or the fixed pay of Rs. 2750 or Rs. 3000 depending on the in- cumbent.	Not applicable.	Not appli- cable,	Not applicable.

of Committee on Service & Technology, Department of Cabinet Affairs Cabine Scoretariate

Whather age and educational qualifications prescribed for direct recruits. will apply in the case of promotees.

Period of Method of rectt. probawhether by tion, if direct rectt, or by promotion any. or by deputatation /transfer & percentage of

the vacancies

10

to be filled by various methods.

In case of recit, by pro- If a motion/deputation/transfer, grades from which promotion/ deputation/ transfer to be made.

DPC exists. what is its composition.

Circumstances in which U.P.S.C. to be 18 consulted in making recruitment

8

11

12

13

Not applicable Not applicable

By transfer on deputation including shortterm contract.

Transfer on deputation including short term contract. Eminent Scientists (with requisite administrative ability and record of outstandcontribution ing

development and rese-

Not applicable.

Not applicable.

arch in any of Physical Science Technology as evidenced by published papers in journals from the repute) Central Government/ Governments, Universities or Recognised Research Institutions. Officers in the Central Government/ State Govefnment) or Semi-Government Organisations are in pay scale of Rs. 1800-2000 or above. need only be considered.

(Period of deputation/ contract—ordinarily between 3-5 years)

(Department of Personnel)

New Delhi, the 12th May 1971

- G.S.R. 747.—In exercise of powers conferred by sub-section (1) of section 3 of All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with sub-rule (i) and the first proviso to sub-rule (2) of rule 4 of the Indian Police Service (Cadre) Rules, 1954 the Central Government in consultation with the Government of Himachal Pradesh, hereby makes the following further amendments in the Indian Police Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955:—
 - (i) The amendment shall come into force with effect from the date of its publication in the Gazette of India.
 - (ii) These Regulations may be called the Indian Police Service (Fixation of Cadre Strength) Fourth Amendment Regulations, 1971.

AMENDMENT TO THE FIXATION OF CADRE STRENGTH

In the schedule to the said Regulations, under 'HIMACHAL PRADESH' for the entries:

- (i) Assistant Inspector General of Police (Crime and Intelligence):
- (ii) Superintendent of Police (Traffic and Railways) the following shall be substituted:—
 - (i) Assistant Inspector General of Police (Headquarters);
 - (ii) Superintendent of Police (Headquarters).

[No. 7/7/71-AIS(I)-A.]

(कार्मिक विभाग)

नई दिल्ली, 12 मई, 1971

सा० का० नि० 747.—भारतीय पुलिस सेवा (संवर्ग) नियम, 1954 के नियम 4 के उपनियम (2) के प्रथम परन्तुक और उप नियम (i) के साथपठित अखिल भारतीय सेवाएं अधिनियम 1951(1951 का 61) की धारा 3 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, हिमाचल प्रदेश सरकार के परामर्श से भारतीय पुलिस सेवा (संवर्ग) संख्या नियतन विनियम, 1955 में एतद्द्रारा निम्नलिखित और संशोधन करती है:—

- (i) यह संशोधन भारत के राजपत्र में प्रकाणित होने की तारीख से लागू होगा ।
- (ii) ये विनियम भारतीय पुलिस सेवा (संवर्ग संख्या नियतन) चौथा संशोधन विनियम, 1971 कहे जा सर्केंगे।

संबर्ग संह्या नियतन में संशोधन

उक्त त्रिनियम की ग्रनुसूची में "हिमाचल प्रदेश" के श्रन्तर्गत निम्नलिखित प्रविष्टियों के स्थान पर :---

- (i) पुलिस के सहायक महानिरीक्षक (ग्रपराध ग्रौर खुफिया)
- (ii) पुलिस भ्रधीक्षक (यातायात व रेल)

निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जायेंगी :---

- (i) पुलिस के सहायक महानिरीक्षक (मुख्यालय)
- (ii) पुलिस ग्रधीक्षक (मुख्यालय)

[सक्या 7/7/71-ग्र० भा० सै० 1 (क)]

- G.S.R. 748.—In exercise of powers conferred by sub-section (1) of section 3 of All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with rule 11 of the Indian Police Service (Pay) Rules, 1954, the Central Government in consultation with the Government of Himachal Pradesh, hereby makes the following amendments to Schedule III appended to the said rules:—
- 2. The amendments may be called the Third Amendment of 1971 to the Indian Police Service (Pay) Rules, 1954.
- 3. These amendments shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

AMENDMENT TO IPS (PAY) SCHEDULE

- 4. Under the heading 'B-Posts carrying pay in the senior time-scale of the Indian Police Service under the State Governments, including posts carrying special pays in addition to pay in the time scale' against Himachal Pradesh, for the entries:
 - (i) Assistant Inspector General of Police (Crime and Intelligence);
 - (ii) Superintendent of Police (Traffic and Railways) the following shall be substituted:—
 - (i) Assistant Inspector General of Police (Headquarters);
 - (ii) Superintendent of Police (Headquarters).

[No. 7/7/71-AIS(I)-B.]

B. NARASIMHAN, Under Secy.

ची०एस०म्रार० 748.—भारतीय पुलिस सेवा (वेतन) नियम, 1954, के नियम 11 के साथ पठित म्रखिल भारतीय पुलिस सेवाएं म्रधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा-3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार हिमाचल प्रदेश सरकार के परामर्श से उल्लिखित नियमों के साथ संलग्न म्रनुसूची 3 में एतध्दारा निम्नलिखित संगोधन करनी है।

- 2. ये संशोधन भारतीय पुलिस सेवा (वेतन) नियम, 1954 के तृतीय संशोधन 1971 कहे जा सकेंगे।
 - 3. ये संशोधन भारत के राजपत्न में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे। भारतीय पलिस सेवा (वेतन) ग्रनुसूची संशोधन
- 4. शीर्षक "बी" के अन्तर्गत राज्य सरकारों के श्रधीन भारतीय पुलिस सेवा के विरिष्ट समय-मान के गेतन के पदों, समयमान के वेतन के अतिरिक्त विशेष वेतन वाले पदों सहित हिमाचल प्रवेश के विरुद्ध निम्नलिखित प्रविष्टियों के स्थान पर :--
 - (i) पुलिस के सहायक महानिरीक्षक (ग्रपराध ग्रीर खफिया)
 - (\mathbf{ii}) पुलिस ग्रधीक्षक (यातायात तथा रेल)

निम्नलिखित प्रविष्टिया प्रतिस्थापित की जायेंगी :---

- (i) पुलिस के सहायक महानिरीक्षक (मुख्यालय)
- (ii) पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय)

[संख्या 7/7/71-ग्र॰ भा॰ सै॰ 1(ख)]

बी० नर्रासहन, अवर सचिव।

(Department of Personnel)

New Delhi, the 12th May 1971

- G.S.R. 749.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government, after consultation with the Governments of the States concerned, hereby makes the following rules further to amend the Indian Police Service (Uniform) Rules, 1954, namely:—
 - (1) These rules may be called the Indian Police Service (Uniform) Amendment Rules, 1971.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In rule 4 of the Indian Police Service (Uniform) Rules, 1954, in sub-rule (i) for the words "at each interval of five years thereafter, a renewal grant of five hundred rupees", the words "at each interval of seven years thereafter, a renewal grant of eight hundred rupees" shall be substituted.

[No. 7/11/68-AIS(III).]

M. R. BHARDWAJ, Under Secy.

(काम्कि विभाग)

नई दिल्ली, 12 मई, 1971

सा० का० नि० 749.—अखिल भारतीय सेवाएं अधिनियम 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार सम्बन्धित राज्य सरकारों के परामर्श के बाद भारतीय पुलिस सेवा (वर्षी) नियम 1954 में और संशोधन करने के लिए एतबृद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, प्रयात् :—-

- 1. (1) ये नियम भारतीय पुलिस सेवा (वर्दी) संशोधन नियम, 1971 कहे जा सकेंगे।
 - (2) ये नियम सरकारी राजपत्न में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।
- 2. भारतीय पुलिस सेवा (वर्षी) नियम 1954 के नियम 4 के उपनियम (1) में "इसके पाचात् प्रत्येक 5 वर्ष की श्रविध में पांच सौ रुपये की नवीकरण स्वीकृति" शब्दों के स्थान पर "इसके पश्चात् प्रत्येक सात वर्ष की श्रविध में. श्रांक सौ रुपए की नवीकरण स्वीकृति" शब्द पतिस्थापित किए जाएंगे।

[संख्या 7/11/68-ग्रं० भा० सै०-3] एम० ग्रार० भारद्वाज, ग्रवर सचिव ।

(Department of Personnel)

New Delhi, the 13th May 1971

- G.S.R. 750.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and all other powers enabling him in this behalf, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Secretariat Stenographers Service Rules, 1969, namely:—
 - (1) These rules may be called the Central Secretariat Stenographers Service (Second Amendment) Rules, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In sub-paragraph (1) paragraph 2 of the Fifth Schedule to the Central Secretariat Stenographers Service Rules, 1969. after the third proviso, the following proviso shall be inserted, namely:—
 - "Provided also that if persons specified in item (i) of clause (a) of the first proviso are not available, the additions to the Select List in respect of this category shall be made entirely on the basis of competitive examinations held by the Commission."

[No. 14/58/69-CS. II.]

(कार्मिक विभाग)

नई दिल्ली, 13 मई, 1971

सा० का० नि० 750. -- संविधान के अनुष्ठि 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस सम्बन्ध में श्रन्य समर्थक शक्तियों के श्रनुषरण में राष्ट्रगति, के द्वीय सचिवालय आशुलि पिक सेवा नियम, 1969 का संशोधन करने के लिए एतदद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, श्रथित:---

- 1. (1) ये नियम केन्द्रीय सचित्रालय श्राशुलिपिक सेता (संशोधन) नियम, 1971 कहे जा सकेंगे ।
 - (2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।
- 2. केन्द्रीय सचिवालय घ्राश्लिपिक सेश नियम,1969 ही गांत्रशें घ्रनुसूची के परा 2 के उप-पैरा (1) में, तीसरे परन्तुक के बाद, निम्नलिखित परन्तुक सन्तिविष्ट किया जायेगा, प्रथात् :--
 - "परन्तुक यह भी कि पहले परन्तुक के खण्ड (क) के मद (1) में यदि निर्दिष्ट व्यक्ति उपलब्ध न हों, तो इस वर्ग के सम्बन्ध में चयन सूची में वृद्धि पूर्णतः श्रायोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षाओं के श्राधार पर की जायेगी ।

[संख्या 14/58/69-के० सैं० 2]

- G.S.R. 751.—In pursuance of the provisions of rule 24 of and sub-paragraph (2) of paragraph 2 of the Fifth Schedule to, the Central Secretariat Stenographers Service Rules, 1969, the Central Government hereby makes the following regulations, namely:—
- CENTRAL SECRETARIAT STENOGRAPHERS SERVICE (GRADE II LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION) REGULATIONS 1971.
- 1. Short title and commencement.—(1) These Regulations may be called the Central Secretariat Stenographers Service (Grade II Limited Departmental Competitive Examination) Regulations 1971.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
 - 2. Definitions.—(1) In these regulations, unless the context otherwise requires—
 - (a) "crucial date" means the first day of August of the year in which the examination is held;
 - (b) "examination" means a limited departmental competitive examination held by the School for making additions to the Select List for Grade II of the Service;
 - (c) "regularly appointed Grade III officer" means a person included in the initial constitution of that Grade in any cadre or appointed thereafter on a long term basis to Grade III according to the specified procedure.
 - (d) 'Scheduled Castes' and Scheduled Tribes' shall have the meanings assigned to them in clause (24) and clause (25) respectively of article 366 of the Constitution of India.
 - (e) "School" means the Secretariat Training School in the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat.
 - (f) "selection" means inclusion in the Select List for the Grade II of the Service.
- (2) All other words and expressions used in these regulations and not defined herein but defined in the Central Secretariat Stenographers Service Rules, 1969, shall have the meanings respectively assigned to them in the said Rules.
- 3. Holding of the examination.—(1) The examination shall be conducted by the School in the manner notified from time to time by the Central Government.
- (2) The dates on which and the places at which the examination shall be held shall be fixed by the School.
- 4. (1) Conditions of eligibility.—Any permanent or temporary regularly appointed Grade III officer of the Service who satisfies the following conditions shall be eligible to appear at the examination:
- (a) Length of service.—He should have, on the crucial date, rendered not less than three years' approved and continuous service in Grade III of the Service from or after the appointed day.
 - Note.—Grade III Officers who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority, and those having a lien in Grade III of the Service will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.
 - (b) Age.—He should not be more than 35 years of age on the crucial date:

Provided that for the first two examinations to be held in accordance with these regulations, the upper age limit shall be relaxed upto 40 years:

Provided further that the upper age limit may be relaxed in respect of the candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes and such other categories of persons as may be notified in this behalf by the Central Government from time to time to the extent and subject to the conditions notified in respect of each category.

- (c) Stenography test.—Unless exempted from passing the School's Stenography test for the purpose of confirmation or continuance in Grade III, he should have passed this test on or before the date of notification of the examination.
- (2) Fees.—Subject to such exemptions or concessions or both as may be notified from time to time in this behalf, he shall pay the fees prescribed by the School.
- (3) Special provisions regarding eligibility of Grade III officers joining military service on account of the Emergency.—Protection shall be afforded to Grade III officers who because of their having joined (or been called up for) military service during the emergency, cannot appear in the examination, in the manner prescribed from time to time by the Central Government in this behalf.
- 5. Disqualification of candidature.—Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may be held by the School to be a conduct which would disqualify him for admission to the examination.

- 6. Decision as to eligibility of a candidate.—The decision of the School as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final and no candidate to whom a certificate of admission has not been issued by the School shall be admitted to the examination.
- 7. Results.—(1) The names of the candidates who are considered by the School to be suitable for selection on the results of the examination shall be arranged in the order of merit and, subject to the provisions of sub-regulation (3) of regulation 8, they shall be recommended for selection in that order upto the number of appointments decided to be made.
- (2) The form and manner of communication of the results of the examination to individual candidates shall be decided by the School in their discretion who shall not enter into any correspondence with the individual candidates regarding the results.
- 8. Appointments.—(1) Success in the examination shall confer no right to selection unless the Central Government are satisfied after such inquiry as may be considered necessary that the candidate is suitable in all respects.
- (2) Save as provided in sub-regulation (3), selections on the results of any examination shall be made to the extent of the available vacancies, in the order of merit of the candidates, as recommended by the School subject to the reservation for the candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time, in this behalf,
- (3) Candidates belonging to any of the Scheduled Castes or Scheduled Tribes who are considered by the School to be suitable for selection on the results of the examination with due regard to the maintenance of efficiency of administration shall be recomended for selection against the vacancies reserved for them irrespective of their ranks in the order of merit in the examination.
- 9. Penalty for impersonation or other misconduct.—A candidate who is or has been declared by the School guilty of impersonation or of submitting fabricated documents, or documents which have been tampered with, or of making statements which are incorrect or false, or of suppressing material information or otherwise resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination, or of using or attempting to use unfair means in the examination hall or of misbehaviour in the examination hall may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution:
 - (a) be debarred permanently or for a specified period by the Central Government from admission to any examination or appearance at any interview held by the Central Government or the School for selection of candidates; and
 - (b) be liable to disciplinary action under the appropriate rules.

[No. 14/58/69-CS. II.]

M. K. VASUDEVAN, Under Secy.

सा० का० नि > 751. — केन्द्रीय पनिवालय ग्रामुलियिक नेवा नियम, 1969 के नियम, 24 ग्रीर पनिवीं श्रनुसूचों के नैरा 2 के उपबन्धों के श्रनुसरण में केन्द्रीय संरकार एनद्द्रारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, श्रयील् :—

केन्द्रीय सचित्रालय ग्राशुलिपिक सेत्रा (ग्रेड-2 सोमिन त्रिमागीय प्रतियोगिता परीक्षा)
विनियम, 1971

 संक्षिप्त नाम ओर प्राहम्भ. -- (1) ये कितियन केन्द्रीय सिचवालय द्वाशुलिपिक सेवा (ग्रेड-2 सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षां) विनियम, 1971 कहे जा सर्केंगे।

- (2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लाग होंगे।
- परिभाषार्थे .—(।) इन विनियमों में, जब तक कि सन्दर्भ से ग्रन्नथा श्रपेक्षित न हो :—
 - (क) "निर्णायक तारीख" से उस वर्ष श्रगस्त का प्रथम दिन श्रभिप्रेत है जिसमें परीक्षा श्रायोजित की जाए ।
 - (ख) "परीक्षा" से स्कूल द्वारा ग्रेड-2 की सेवा के लिए चयन सूची में वृद्धि करने के लिए श्रायोजित सीमित विभागीय परीक्षा श्रभिन्नेत है।
 - (ग) "नियमित रूप से नियुक्त ग्रेड-3 श्रिधकारी" से वह व्यक्ति ग्रिभिप्रेत है जिसे किसी भी कांडर में उस ग्रेड के प्रारम्भिक गठन में सम्मिलित किया गया हो या उसके पश्चात् विनिध्टि प्रक्रिया के ग्रनुसार दीर्घकालिक ग्राधार पर ग्रेड-3 में नियुक्त किया गया हो।
 - (घ) 'ग्रनुसूचित जातियों' श्रौर 'ग्रनुसूचित जनजातियों' का वही श्रर्थ होगा जो उन्हें भारत के संविधान के श्रनुच्छेद 366 के खण्ड (24) श्रौर (25) द्वारा क्रमणः दिया गया है ।
 - (ङ) "स्कूल" से मंत्रिमण्डल सचिवालय में कार्मिक विभाग का सचिवालय प्रशिक्षण स्कूल प्रभिन्नेत है ।
 - (च) "चयन" से सेवा की ग्रेड-2 की चयन सूचि में सम्मिलित किया जाना श्रभिप्रेत है।
 - (2) उन सभी ग्रन्य शब्दों व पदों के, जो इन विनियमों में प्रयुक्त हुए हैं श्रौर जिनकी इसमें परिभाषा नहीं दी गई है किन्तु केन्द्रीय सचिवालय श्राशुलिपिक सेवा नियम, 1969 में परिभाषा दी गई है, वही श्रर्थ होंगे जो उन्हें उक्त नियमों में क्रमशः दिए गए हैं।
- 3. परीक्षा का श्रायोजन .—(1) केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर श्रिधसूचित रीति से स्फूल द्वारा परीक्षा का संचालन किया जाएगा।
- (2) जिन तारीखों को भ्रौर जिन स्थानों पर परीक्षा भ्रायोजित की जाएंगी स्कूल द्वारा नियत किए जाएंगे।
- 4. पात्रता की शर्तें .—सेवा में नियमित रूप से नियुक्त ग्रेड-3 का कोई श्रस्थायी श्रधिकारी जो निम्नलिखित शर्तें पूरी करता है परीक्षा में बैठने का पात्र होगा :—
- (क) सेवा काल .—वह निर्णायक तारीख को सेवा के ग्रेड-3 में नियुक्ति ॄके दिन या बाद से कम से कम तीन वर्ष श्रनुमीदित श्रौर निरन्तर सेवा कर चुका हो ।
 - टिप्पणी.—ग्रेड-3 के ृंजो ग्रधिकारी सक्षम ग्रधिकारी के ग्रन्मोदन से काडर बाह्य पदों पर प्रतिनिय्वित पर हैं ग्रौर जिनका सेवा के ग्रेड-3 में धारणा श्रधिकार है, यदि ग्रन्यथा पात्र हो तो परीक्षा में सम्मिलित किए जाने के पात्र होंगे।
 - (ख) श्राय :-वह निर्णायक तारीख जो 35 वर्ष से श्रधिक श्रायु का ना हो ।

परन्तु इन विनियमों के भ्रनुसार भ्रायोजित की जाने वाली पहली वो परीक्षाश्रों के लिए उच्चतम भ्रायु सीमा 40 वर्ष तक शिथिल की जायेगी, परन्तु यह भौर कि उच्चतम भ्राय सीमा भ्रनुसूचित जातियों भौर भ्रनुसूचित जनजातियों भौर भ्रन्य ऐसे व्यक्ति प्रवर्गों के अभ्यार्थियों की बाबत जो केन्द्रीय सरकार के कार्मिक विभाग द्वारा इस निमित समय-समय पर श्रिधसूचित किए जाएं, उस सीमा तक भौर उन भतों के भ्राधीन जो प्रत्येक प्रवर्ग की: बाबत श्रिधसूचित की जाएं, शिथिल की जा सकेंगी।

- (ग) **माश्**लिपि परीक्षण .—जब तक कि ग्रेड-3 में पुष्टिकरण या बने रहने के प्रयोजन के लिए स्कूल की ग्राशुलिपि परीक्षण उत्तीर्ण करने से छूट न मिल गई हो, उसने परीक्षा को श्रिष्टिस्चमा की तारीख को या उससे पूर्व यह परीक्षण उत्तीर्ण कर लिया हो।
- (2) फीस. उन अपवादों या रियायतों या दोनों के स्रधीन जो इस निमित समय-समय. पर अधिसूचित की जाएं, वह स्कूल द्वारा विहित फीस संदत्त करेगा ।
- (3) आपात के कारण सैनिक सेवा में जाने वाले ग्रेड-3 के ग्रधिकारियों की पात्रता के बारे में विशेष उपबन्ध:—ग्रंड-3 के उन ग्रधिकारियों को, जो श्रापात के दौरान सैनिक सेवा में चले जाने या उसके लिए श्राहत करने के कारण परीक्षा में नहीं बठ सकते, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त समय-समय पर विहित रीति से संरक्षण प्रवान किया जाएगा।
- 5. **श्रास्यर्थता की निरहंता .— अभ्यर्थी की ओर से श्र**पनी श्रभ्यर्थता के लिए किसी भी साधन से समर्थन प्राप्त करने का कोई भी प्रयास स्कूल द्वारा परीक्षा में प्रयेश के लिए निरहिंत करने वाला भाचरण माना जा सकेगा ।
- 6. ग्रम्पर्यो की पात्रता के सम्बंध म विनिद्यय :—ग्रभ्यर्थी के परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्रता या अपात्रता की बाबत स्कूल का विनिष्चय ग्रन्तिम होगा और किसी भी ग्रभ्यर्थी को, जिसे स्कूल द्वारा प्रवश प्रमाणपत्र जारी न किया गया हो, परीक्षा में सम्मिलित नहीं किया जाएगा ।
- 7. परिणाम : (1)परीक्षा के परिणामों के श्राधार पर स्कूल द्वारा चयन के लिए उपयुक्त समझे जाने वाले अभ्यिथियों के नाम, योग्यता के क्रम में रखें जाएंगे श्रौर विनियम 9 के उपविनियम (3) के उपवन्धों के अधीन जितनी नियुक्तियां करने का विनिष्चय किया गया हो उस संख्या तक, उसी क्रम से चयन के लिए उनकी सिफारिश की जाएगी।
- (2) स्रभ्यर्थियों को व्यक्तिगत रूप से परीक्षा के परिणामों की संसूचना देने का प्रारूप स्रौर रीति का विनश्चिय स्कूल जो परिणामों के सम्बन्ध में किसी श्रभ्यर्थी के साथ व्यक्तिगत रूप से किसी प्रकार का पत्न व्यवहार नहीं करेगा, स्वविवेकानुसार करेगा।
- 8. नियुक्तियां.--(1)परीक्षा में सफलता से चयन का कोई श्रधिकार प्राप्त नहीं होगा जब तक कि भारत सरकार की ऐसी जांच पड़ताल के पश्चात् जसी वह श्रावश्यक समझे यह समाधान हो जाए कि ग्रभ्यर्थी सब प्रकार से चयन के लिए उपयुक्त है।
- (2) उपविनियम (3) में यथा उपबन्धित के सिवाय किसी परीक्षा के परिणामों के स्राधार पर चयन केन्द्रीय सरकार द्वारा उस सीमा तक जिस तक रिक्तियां उपलब्ध है, स्रभ्याथियों के लिए स्रारक्षण के स्रधीन किया जाएगा।

- (3) किसी भी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति के उन अभ्यार्थियों की प्रशास-निक दक्षता बनाए रखने का सम्यक ध्यान रखते हुए परीक्षा के परिणामों के आधार पर स्कुल द्वारा चयन के लिए उपयुक्त समग्न जाएं, परीक्षा में योग्यता कम में उनका कोई भी स्थान क्यों न हो, उनके लिए आरक्षित रिक्तियों में चयन के लिए सिफरिश की जाएगी।
- 9. प्रतिकाण या प्रत्य प्रवचार के लिए शक्ति :—न्त्रह ग्रभ्यर्थी जो प्रतिहाण या गढ़े गए दस्तावेजों या बिगाड़ गए दस्तावेजों के प्रस्तुतीकरण या गलत या मिथ्या घोषणा करने या तात्विक जान-कारी छिनाने या परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए प्रत्यथा किसी ग्रनियमित या ग्रनुचित साधन ग्रपनाने का या परीक्षा भवन में ग्रनुचित साधनों के प्रयोग करने का या प्रयोग करने के प्रयत्न करने का या परीक्षा भवन में दुर्व्यवहार करने का दोषी हो या स्कूल द्वारा दोषी घोषित किया गया हो तो ग्रनराधिक ग्राभ-योजन का दायी होने के साथ साथ ही :
 - (क) उसे स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट कालाविध के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा श्रम्थियों के चयन के लिए उक्त विभाग या स्कूल द्वारा श्रायोजित किसी परीक्षा में प्रवश से या साक्षात्कार में श्राने से विवर्जित किया जा सकेगा, श्रीर
 - (ख) वह समुचित नियमों के प्रधीन प्रनुशासनात्मक कार्यवाही के दायित्वाधीन होगा।

[संख्या 14/58/69-फे॰ सै॰ 2]

एम० के० वासुदेवन, श्रवः सचिव, ।

New Delhi, the 3rd May 1971

New Delhi, the 3rd May 1971

- G.S.R. 752.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and all other powers enabling him in this behalf, the President hereby makes the following rules to amend the Tripura Civil Service Rules, 1967. namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Tripura Civil Service (Amendment) Rules, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
 - 2. Amendment of the Tripura Civil Service Rules, 1967-

In the Tripura Civil Service Rules, 1967, in rule 4, in sub-rule (2) for the figure and word "5 per cent", the words "ten per centum" shall be substituted.

[No. 2/114/70-HMT.]

H. S. DUBEY, D.y. Secy.

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 3 मई, 1971

सा० का० नि० 752.—नंबिशान के श्रन् च 309 के परन्तुक क्वारा प्रदत्त शक्तियों, तथ इस संबंध में उन्हें समर्थ करने वाली श्रन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, त्रिपुरा सिवित्र सेवा नियम 196 7 में संशोधन करने हेतु एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, श्रयत् :---

- 1 संक्षिप्त गोर्षक ग्रीर प्रारम्भ :----(1) ये निथम विपुरा सिविल सेवा (संगोधन निथम 1971 कहे जा सकेंगे।
 - (2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।
 - 2 त्रिपुरा सिविल सेवा नियम, 1967 में संशंधन——ित्रिपुरा सिविल सेवा नियम, 1967 में नियम 4 के उपनियम (2) में 5 प्रतिशत ग्रंक व शब्द के स्थ न पर दस जिला।" शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे ।

[तंख्या 2/114/70-एच० एम० टी०] एच० एम० दुबे, उप मित्रत्र, ।

New Delhi, the 7th May 1971

G.S.R. 753.—In pursuance of clause (1) of article 258 of the Constitution and in supersession of all previous notifications of the Government of India in the Ministry of Home Affairs on the subject, the President hereby entrusts, with the consent of the State Government of Himachal Pradesh, the functions of the Central Government under section 7 of the Explosive Substances Act, 1908 (6 of 1908) to that State Government.

[No. F. 26/2/70-GPA-II.] T. V. RAMANAN, Dy. Secy-

नई दिल्ली, 7 मई, 1971

सा० का० वि० 753—संविधान के अनुच्छेद 258 के खण्ड (1) के अनुसरण में तथा इस विषय पर गृह मंदालय भारत सरकार की पिछली सभी अधिसूचनाओं का अधिक्रमण करते हुए, राष्ट्र-पति विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 (1908 का 6) की धारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार के कार्य, हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार को उनकी सहमति में एतदबारा सोंपते हैं।

[संख्या 26/2/70-जी० पी० ए०-।।.] टी० वी० रमणन, उप सचिव, ।

New Delhi, the 14th May 1971

- G.S.R. 754.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Foreign Act. 1946 (31 of 1946), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Foreigners Order, 1948, namely:—
- 1 (1) This Order may be called the Foreigners (Second Amendment) Order. 1971.
 - (2) It shall come into force at once.
- 2. In the Foreigners Order 1948, after paragraph 11, the following paragraph shall be inserted namely:—
- "11A. Restrictions on certain activities.—Notwithstanding anything contained in the Foreigners (Exemption) Order, 1957, no foreigner shall produce, or attempt to produce, or cause to be produced, any picture or film, including a documentary or feature, films for television or the screen intended for public exhibition except with the permission in writing of, and subject to such conditions as may be specified in this behalf by, the Central Government".

[No. 11013/7/70-F.I.]

R. A. S. MANI, Dy. Secy.

New Delhi, the 15th May 1971

- G.S.R. 755.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment of persons to the post of Documentation Officer (Research and Policy Division) Ministry of Home Affairs, namely;—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Documentation Officer (Research and Policy Division) Ministry of Home Affairs Recruitment Rules, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Classification of the post and scale of pay.—The classification of the post and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 3 & 4 of the schedule hereto annexed.
- 3. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment to the said post, the age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5—13 of the said schedule.
 - Disqualifications.—No person—
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 - (b) who having a spouse living, has entered into or contracted marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:—

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

Recruitment rules for the posts of Decumentation

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection Post or non- Selection Post.	direct	Educational and other qualification required for direct recruits.
r	2	3	4	5	6	7
Documenta - tion Officer (Research and Policy Division)	One	General Central Service Class I Gazetted.	Rs. 400- 400-450- 30-600-35- 670-EB-35- 950.	Not Applicable	35 years and below. (Relax- able for Govern- ment servants)	Essential: (i) Second Class Master's degree in any of the Social Sciences, preferably in Political Science or Socio- logy, of a recognised University or equivalent.
						(ii) A degree or its equivalent in Documentation on in Library Science from a recognised University on Institution .
						(iii) About three years practical or rescarch experience in documentation in any of the Social Sciences, preferably in Political Science or Sociology, in a Library or Institution of standing.
						(Qualifications relax- able at Commissions discretion in case of candidates other- wise well qualified).

Officer (R & P Division) in Ministry of Home Affairs

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees.	- of	Method of rectt. whether by n direct rectt. or by promotion or by deputation, transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	by promotion / deputation / transfer, grades	is its	
8	9	10	II	12	13
Not Applicable	Two years	Direct recruit- ment.	Nor Applicable	Not Applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation Regulations, 1958.)

नई दिल्ली, 15 मई, 1971

सा० का० कि० 755—सिविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एसदद्वारा गृह मंत्रालय में प्रकेखन श्रधिकारी (अनुसंधान तथा नीति प्रभाग) के पद पर व्यवितयों की भर्ती की पद्धति को नियमित करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं :---

- संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ (1) ये नियम प्रलेखन श्रधिकारी (अनुसंधान तथा नीति
 प्रभाग) गृह मझालय भर्ती नियम, 1971 कहे जा सकेंगे ऽ
 - (2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. पद का वर्गीकरण तथा वेतनमान : पद का वर्गीकरण तथा उससे सम्बद्ध वेतनमान वही होंगे जिसा कि सस्यन श्रनुसूची के कारूम 3 तथा 4 में निर्दिष्ट हैं।
- 3. भर्ती की पञ्चित क्राय् सीमा तथा क्रास्ट कर्ता एं दहत पद में भर्ती की पहित, क्रायु (सी.मा, क्रांसाएं तथा उससे सम्बद्ध अन्य बातें बहीं होंगी जैसा कि उसत अनुसूची के कालम 5 से 13 में निर्दिष्ट है।
 - 4. मनहताएं :--कोई भी व्यक्ति :--
 - (क) जिसने किसी ऐसे ध्यक्ति से विवाह किया है प्रथमा विवाह करने का डकरार किया है जिसके एक जीवित पति-पत्नी है, अथवा
 - (ब) जिसने जीवित पति-पत्नी के होते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह किया है प्रवा दिवाह करने का इकरार किया है जना पद में नियुक्ति का पाल न होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इससे सन्तुष्ट हो कि विवाह करने वाले व्यक्ति तथा दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले व्यक्तिक कामून के प्रधीन, ऐसा विवाह स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण हैं, यह उस व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से कृट दे सकती है। 5. छट देने की शिक्षत : जहां केन्द्रीय सरकार का मत है कि ऐसा करना आवश्यक अथवा समीचीन है तो वह आदेश द्वारा जिसके कारण लिखित रूप में देने होंगे तथा संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से, व्यक्तियों की किसी श्रेणी अथवा वर्ग के बारे में इन नियमों के किसी उपबन्ध में छील दे सकती है।

गृह मन्नालय	में प्रलेखन	भ्रधिकारी	(श्रनुसंधान तथ	ानीति प्रभाग)
76			1 - 2	

सीधी भर्ती किये जाने वर्गीकरण सीधी भर्ती पदकानाम पदों वेतनमान प्रवरण वालों के लिए अपेक्षित की किये जाने पद वालों के लिए शैक्षणिक ग्रीर श्रन्य श्रर्ह-सं० ग्रथवा ग्रप्रवरण श्रायु ताएं पद

1 2 3 4 5 6 7

प्रलेखन प्रधि- एक सामान्य 400-400- लाग् कारी (ग्रनु-केन्द्रीय सेवा 450-30- नहीं संघान तथा श्रेणी 1 राज-होता 600-35-नीति प्रभाग) पवित 670-द०रो० 35-950 €0

35 वर्ष ग्रीर ग्रनियार्थः उससे कम

(सरकारी

कर्मचारियों

के लिए

(1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय भ्रथवा उस के बराबर के विश्वविद्यालय की शिथिल की किसी समाज विज्ञान जा सकती है) श्रिधमानतः नीतिक विज्ञान ग्रथवा समाज शास्त्र में

द्वितीय

श्रनु-

(।।) किसी मान्यता विश्वविद्यालय प्राप्त ग्रथवा संस्था से प्रलेखन में ग्रथवा

श्रेणी

स्नातकोत्तर उपाधि।

की

लाइब्रेरी साइंस उपाधि ग्रथवा इसके बराबर की उपाधि ।

(111) किसी लाइब्रेरी ग्रथवा किसी विख्यात संस्थान किसी समाज विज्ञान मे

स	ची
n	

के पद के लिए भर्ती के नियम

क्या सीभी भर्ती किये जाने वालों के लिए निर्धारित आक् ग्रीर ग्रीक्षणिक ग्रहेंताएं पदोन्नति किये जाने वालों के लिए भी लागू होंगी	ेकी युग्रवधि, यदि	भर्ती की पद्धति सीधी भर्ती द्वारा या पदोन्नति द्वारा के या प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण द्वारा श्रीर विभिन्न पद्ध- तियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत	ग्रेड से पदोन्नति/ प्रतिनियुक्ति/स्थाना न्तरण किया जाएग	विभागीय पिदोन्नति समिति विद्यमान है - तो उसका	िकन परिस्थियों में मतीं करने में संघ लोक सेवा श्रायोग से परामर्श किया जानप
8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती	लागू नहीं होता	क्षागू नहीं होता	संघ लोक सेवा भ्रायोग (परामर्क से पृट) विनि- यम 1958 के भ्रनुसार श्रपेक्षित ।

2132	ТНЕ	GAZETTE	OF	INDIA:	MAY	22,	1971/ JY	AISTHA	1,	1893	[PAR	- II—
	1	2	3		4		5	6		7		
									नी सग् प्रारं ती हो। संग उ	धिमानत तिक वि माज क लेखन क न वर्ष रिक क धानात्म प्रत्यथा भ्रमीदया श्रायोग प्राहर्स	शास्त्र शास्त्र का स् का श्यवा क प्रमु रों के ग	में गभग ट्यव- मनु- मव । योग्य गमले विषेक गथिल

11

12

13

10

[संख्या फ॰ 12018/2/71—प्रशासन 1 ग्र]

के० एल० श्र**रोड़ा,** श्रवर सचिव।

CORRIGENDUM

New Delhi, the 14th May 1971

G.S.R. 756.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. G.S.R. 397-C, dated the 22nd March, 1971, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i). dated the 22nd March, 1971.—

- (a) at page 311, in line 15, for '2' read ' "2';
- (b) at page 313—

8

9

- (i) in line 3, for "2", read " '2";
- (ii) in line 45, for "the words", occurring for the second line, read ",the words";
- (c) at page 314, in line 28, for "and" read ",and";
- (d) at page 315, in line 12, for "(a)" read "(as)".

[No. F. 6/12/70-UTL.]

M. R. SACHDEVA, Under Secy-

DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS

(Posts and Telegraphs Board)

New Delhi, the 24th February, 1971

- G.S.R. 757.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Telegraph Traffic Service Class II, Recruitment Rules, 1954, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Telegraph Traffic Service Class II Recruitment (Amendment) Rules, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Telegraph Traffic Service Class II Recruitment Rules, in Part III, for rule 23, the following rule shall be substituted namely:—
- "23. Recruitment by promotion shall be made by selection on merit by a duly constituted Departmental Promotion Committee from amongst the Telegraph Traffic Supervisors, Class III, who are declared successful in a qualifying departmental Examination. The Standard and Syllabus of the said examination shall be such as the P&T Board may specify from time to time. A candidate eligible for appearing in the said examination shall not be more than 50 years of age on the first July of the calendar year in which the examination is held, and shall have a minimum of 5 years approved service as Telegraph Traffic Supervisor, which will include service, if any, rendered as Telegraph Master. Till the first qualifying examination is held and selection from it is completed on the basis of the recommendations of the Departmental Promotion Committee, promotion shall be made by selection on merit by a Department Promotion Committee from amongst the Telegraph Masters including those who are appointed as Telegraph Traffic Supervisors Class III. The officials promoted to Telegraph Traffic Service Class III shall be on probation for a period of 2 years".

[No. 50/1/61-STA-II.]

S. C. SACHDEVA, Asstt. Director General (P&T)

संचार विभाग

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 24 फरवरी, 1971

सा० का० ति० 757---राष्ट्रपति संविधान के प्रन्चित्रेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए तार यातायात सेवा वर्ग 2 भर्ती नियम, 1954 में श्रीर श्रागे संशोधन करने वाले निम्नलिखित नियम एतदब्रारा बनाते हैं, श्रर्थान् :---

- (1) ये नियम तार यातायात मेवा वर्ग 2 भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 कहे जा सकेंगे।
- (2) ये शासकीय राजपत्न मे प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. तार यातायात सेवा वर्ग 2 भर्ती नियम के भाग 3 में नियम 23 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जायेगा, श्रर्थात् .---
 - "23. प्रोन्नित द्वारा भर्ती, सम्यक रूप से गठित, विभागीय प्रोन्नित समिति द्वारा, गुणगुणों के ग्राधार पर ग्रहंक विभागीय परीक्षा में सफल बोषित किए गए, तार यातायात के वर्ग 3 के ग्रधीक्षकों में से वयन द्वारा की जाएगी। उक्त परीक्षा का स्तर भौर पाठ्य- अम वह होगा जो डाक ग्रीर तार बोर्ड समय समय गर विनिर्दिष्ट करे। उक्त परीक्षा में बैठने के लिए पान ग्रभ्यर्थी, जिस वर्ष में परीक्षा ली जाए उस कैलेन्डर वर्ष को प्रथम जुलाई को 50 वर्ष से ग्रधिक श्राय का नहीं होगा, ग्रीर तार यातायात ग्रधीक्षक के रूप मे कम से कम 5 वर्ष का श्रुमोदिन सेवा कर चुका होगा, जिसमें, तार मास्टर के रूप

में, यदि कोई हो, की गई सेवा भी सम्मिलित है। प्रथम अहंक परीक्षा ली जाने भीर विभागीय प्रोन्तित समिति की सिफारिणों के श्राधार पर चयन किए जाने तक विभागीय प्रोन्तित समिति होरा गृणगुणों के श्राधार पर तार-मास्टरों, जिनमें वे भी सम्मिलित हैं जो तार यातायात अधीक्षक वर्ग 3 के रूप में नियुक्त किए गए हैं, में से चयन द्वारा प्रोन्तित की जाएगी। वे पदाधिकारी जिन्हें तार यातायात सेवा वर्ग 2 में प्रोन्तित किया गया है, दो वर्ष की श्रवधि तक परिवीक्षाधीन रहेंगे।"

[संख्या 50/1/61-एस० टी०ए**० II**]

शिव चन्द्र सचरेव, महायक महानिवेशक, डाक और तार बोर्ड।

(Posts and Telegraphs Board) New Delhi, the 30th April 1971

G.S.R. 758.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes tse following rules further to amend the Mechanics (Telephone, Telegraph, Carrier and Wireless) Recruitment Rules, 1968, namely:—

- 1. (1) These rules may be called the Mechanics (Telephone, Telegraph, Carrier and Wireless) Recruitment (Amendment) Rules, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. In the Mechanics (Telephone, Telegraph, Carrier and Wireless) Recruitment Rules, 1968 (herein-after referred to as the said rules) in rule 4, after the existing proviso, the following proviso shall be inserted, namely:—
 - "Provided further that all condidates (both direct and departmental) shall, if so required, be liable to serve in the Posts and Telegraphs (Territorial Army) units for periods specified in the Territorial Army Act, 1948 and the rules made thereunder."
 - 3. For rule 5 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely:— Disqualifications.—No person,
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable such persons and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 4. In Schedule I of the said rules,
- (4) against item 4, after the entry under the heading 'Departmental Candidates' the following Note shall be inserted, namely:—
 - "Note.—The upper age limit shall be relaxable for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates in accordance with the order issued by the Central Government".
- (2) against item 6, after the entry under the heading 'Departmental Candidates' the following Note shall be inserted, namely:—
 - "Note.—Persons working in the Traffic Branch of the Department shall not be eligible to apply".

[No. 27-55/69-NCG.1 T. V. BALASUBRAMANIAN, Asstt. Director-General (STN).

(डाक तार गोर्ड)

नई दिल्ला, 30 अप्रैल, 1971

सा० का०नि० 758—सिवधान के प्रमुख्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए राष्ट्रपति एनद्द्वारा मकेनिक (टेलीफोन, तार, वाहक तथा बेतार) भर्ती नियम, 1968 में श्रीर श्रागे संशोधन करने के लिए निम्नलिखिन नियम बनाते हैं, ग्रंथांत ——

- (1) ये नियम मकेनिक (टेलीफोन, तार वाहक तथा बेतार) भर्ती (संशोधन) नियम
 1971 कहं जा सकेंगे ।
 - (2) वे सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने को तारीख से प्रवृत्त होंगे।
- 2 मकेनिक (टेलीफोन, तार बाहक तथा बेतार) भर्ती नियम, 1968 (जिसको भ्रागे से उक्त नियम वहा गया है) के नियम 4 में मौजूदा परन्तुक के बाद निम्नलिखित परन्तुक जोड दिया जायगा, ग्रथति :--
 - "यह भी मर्त है कि सभी उम्मीदवारों को (सीधे ब्रीर विभागीय दोनों) यदि ऐसा म्रा-वश्यक हो तो प्रादेशिक सेना म्राधिनियम, 1948 म्रीर तद्धीन बनाए गए नियमों में निर्दिष्ट म्रविध के लिए डाक-तार (प्रादेशिक सेवा) यूनिटों में सेवा करनी होगी"।
- 3. उक्त नियमां के नियम 5 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित कर दिया जायगा, श्रथित् :--

श्रयोग्यताएं कोई भी व्यक्ति :

- (क) जिसने किसी अन्य से विवाह कर लिया है या ऐसा करने का करार किया है जिसकी पहले से ही पत्नी जीवित हो, अथवा
- (ख) जिसने पहले से ही पत्नी के जीवित रहते किसी अन्य से विवाह कर लिया है, अथवा करने का करार किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति के लिए ग्रयोग्य होगा।

मानं यह है कि यदि केन्द्रीय सरकार संसुष्ट हो जाए कि इस प्रकार का विवाह ऐसे व्यक्ति भ्रौर विवाह की दूसरी पार्टी के लिए लागू व्यक्तिगत कानून के भ्रन्तर्गत स्वीकार्य है तथा ऐसा करने के भ्रन्य आधार है तो इस नियम के प्रचालन में किसी व्यक्ति को छूट दे सकती है।

- उक्त नियमावली की श्रनुसूची में ।
- (1) मद 4 के सामने, शोर्षक 'विभागीय उम्मीदवार' के नीचे की प्रविष्टि के बाद निम्न-लिखित टिप्पणी, जोड़ दी जायगी, श्रर्थात् :--
 - टिप्पणी :---केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए श्रादेशों के श्रनुसार श्रनुसूचित जाति श्रीर श्रनुसूचित जन-जाति के उम्मीदकरों के लिए श्रधिकतम श्रायुन्सीमा में छूट दी जायगी।"

(2) मद 6 के सामने शीर्षक 'िभागीय उम्मीदवार' के नीचे की प्रविष्टि के बाद निम्न-लिखित टिप्पणी जोड़ दी जायगी, प्रथान :--

''टिप्पणीः⊶–विभाग की परियात णाखा में कार्य करने वाले व्यक्ति श्रावेदन करने के पात्र नहीं होगे ।''

[सं० 27-55/69--एन० सी० जी०]
टी० वी० बालसुकामनियन,
सहायक महानिदेशक,
(एस०टी०एन०)

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 24th April, 1971

G. S. R. 759.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of rectuitment to the post of Joint Commissioner (Project) in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development & Cooperation (Department of Agriculture) namely:—

1. Short title and commencement:

- (1) These rules may be called the Department of Agriculture—Joint Commissioner (Project), Recruitment Rules, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application

These rules shall apply to the post specified in column 1 of the Schedule here to annexed.

3. Number of the post, its classification and scale of pay.

The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.

The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid:

Provided that the upper age limit prescribed may be relaxed in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, Schedules Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued from time to time by the Central Government.

Disqualifications (

- (1) No person, who has more than the wifeliving or who having a spouse living, marries in any case in which such marriage is void by reason of its taking place during the life-time of such spouse, shall be eligible for appointment to the said post.
- (2) No woman, whose marriage is void by reason of the husband having a wife living at the time of such marriage or who has matried a person who has a wife living at the time of such marriage, shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that there are special grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax:

Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, itmay, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Connission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class r category of persons,

	SCHEDULE									
	Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of pay						
	I	2	3	4						
Joint	Commissioner (Project).	One	General Central Service Class I Gazetted.	Rs. 1600-100-1800						

Whether Selection or Non- Selection Post.	Age limit for direct-recruits.	Educational & other qualifications required for direct recruits.	Whether age and educational qualifications prescribed for the direct recruits will apply in case of promotees.
5	6	7	8
Not applicable.	Preferably below 50 years.	Essential: (i) Master's degree in Agriculture / Agronomy of a recognised University or equivalent. (ii) About 15 years experience in the filed of Agricultural Extension including about 3 years' field experience of Intensive Agriculture District Programme in a responsible capacity. (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified). Desirable: Doctorate in Agriculture.	Not applicab

Period of probation, if any.	Method of rectt. whether by direct rectt. or by pro- motion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by vari- ous methods.	In case of recruitment by promotion/deputa- tion/transfer, grades from which promotion deputation /transfer to be made.	If a DPC. exists, what is its composition.	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitmen
9	10	11	12	13
Two years.	By transfer on deputation failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation: Class I Officers in the Agriculture/Agricultural Production Deptt, of Central /State Govern- ments with about 15 years experience in the field of Agricultural Extension including IADP of which at least 5 years should be in the scale of Rs. 1100-1400 or equiva- lent. (Period of deputation— ordinarily not exceed- ing 4 years).	Not Applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation Regulations, 1958.

[No. 11-17 69-Estt. V]
S. N. SINHA.
Under Secv.

लाड्य, कृषि, सामुयाधिक विकास ग्रीर सहकारिता मंत्रालय

(कृष्व विभाग)

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1971

सा० का० नि० 759—राष्ट्रपति, संविधान के अनुष्ठिय 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए खाचा, कृषि, सामुदायिक विकास श्रीर सहकारिता मन्नालय (कृषि विभाग) में संयुक्त श्रायुक्त (प्रियोजना) पद पर भर्ती की पद्धत्ति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतदृद्वारा बनाते हैं, श्रथति :—

- संक्षिप्त नाम ग्रौर प्रारम्भः (1) ये नियम कृषि विभाग संयुक्त ग्रायुक्त (परियोजना) भर्ती नियम, 1970 कहे जा सकेंगे ।
 - (2) ये शासकीय राजपत्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. लग्गू होना .--ये नियम इससे उपाबद्ध प्रनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे ।
- 3. उप-संख्या वर्गीकरण धौर वतनमात्र:—-उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण धौर उसका वेतनमान वे होंगे को उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, श्रायु-सीमा, श्रहंताएं श्रीर श्रन्य बातें. — उक्त पद पर भर्ती की पद्धति श्रायु-सीमा श्रहंताऐं श्रीर उससे सम्बन्धित श्रन्य बाते वे होंगी जो उक्त श्रनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिदिष्ट है:

परन्तु विनिर्दिष्ट अधिकतम भ्राय-सीमा, केन्द्रीय सरकार द्वारा ममय-समय पर निकाले गए श्रादेशों के भ्रनुसार, कसी भी भ्रनुसूचित जाति या भ्रनुसूचित जनजाति या कसी भ्रन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के सम्बन्ध में शिथिल की जा सकेगी।

5. निरहंता: (1) कोई भी पुरुष प्रभ्यर्थी जसकी एक से प्रधिक पहिनयां जीवित हैं या जो एक पत्नी के जीवित रहते हुए, किसी ऐसी दशा में विवाह करता है जिसमें उस पत्नी के जीविनकाल में किए जाने के कारण वह विवाह शुन्य है, उक्त पद पर नियुक्ति का पात नहीं होगा। (2) कोई भी प्रभ्यायणी जिसका विवाह इस कारण शुन्य है कि उस विवाह के समय उसके पति की पत्नी जीवित थी, या जिसने एसे व्यक्ति से विवाह कया है जिसकी पत्नी उस विवाह के समय जीवित थी, उक्त पद पर नियुक्ति का पात नहीं होगी:

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि एसा श्रादेश देने के लिए विशेष श्राधार हैं, तो वह कसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी ।

6. शिथिल करने की शिक्त :— जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना श्रावश्यक या समचीन है वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लिपिबद करके तथा संघ लोक सेवा श्रायोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को, किसी वर्ग या प्रवंग के व्यक्तियों के बाबत श्रादेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

प्रनुस्ची

पदंकानाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद घषना धचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले ब्य- क्तियों के लिये ग्रायुसीमा
1	2	3	4	5	6
संयुक्त ध्रायुक्त (परियोजना)	एक	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग । राजपन्नित	1600-100- 1800₹∘	लागू नहीं होता	श्रंधिमानतः 50 वर्षेसे कम

2141

2 वर्ष

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए गैक्षिक भीर अन्य अर्ह्तायें	सीधे भर्ती किए जाने जाले व्यक्तियों के लिए विहित श्रायु श्रौर शैक्षिक श्रह्तायें प्रोक्ततों की दशा में लागू होगी या नहीं	परिवीक्षा की कासावधि यदि कोई हो
7	8	9

लागू नहीं होता

भावश्यक :

- (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की कृषि/ सस्य-विज्ञान में मास्टर की उपाधि या उसके समनुख्य ;
- (ii) कृषि, विस्तारण क्षेत्र में लगभग 15 वर्ष का अनुभव जिसमें किसी जिम्मेदार हैसियत में साधन कृषि जिला कार्यक्रम का लगभग 3 वर्ष का क्षेत्रीय अनुभव सम्मिलित है।

(अन्यथा सुर्आहत अभ्यथियों की दशा में अईतायें आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकेगी)।

बांछनीय ः

कृषि में डाक्टोरेट ।

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्था-नान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/ प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण क्या जायगा। यदि विभागीय प्रोन्निति समिति है तो उसकी संरचना भर्ती करने में किन परिस्थि-तियों में संघ लोक सेवा भायोग से परामर्श किया जायगा

10

11

12

13

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण रण झारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्त-**रणः** केन्द्रीय/राज्य सर-कारों के कृषि/कृषि उत्पादन विभागों में वर्ग के प्रधिकारी, जिनका सघन ऋषि. जिला कार्ये-कम सहित कृषि विस्ता-रण क्षेत्र में लगभग 15 वर्ष का धनुभव हो जिसमें से 5 वर्ष का मनुभव 1100-1400 ব৹ के इसके समहात्य वेतनमान में चाहिए 🔢 (प्रतिनियुक्ति की सामान्यत: श्रिधिक नहीं होगी)।

लागू नही होता। जैस सेव

जैसा संघ लोक सेवा मायोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के भ्राधीन मपेक्षित होगा

[सं॰ 11-17/69-स्था॰ 5]

सो० ना० सिन्हा, ग्रवर सचित्र, भारत सरकार।

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 5th May 1971

G.S.R. 760.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Regional Office, Cotton Development, (Class III and IV posts) Recruitment Rules, 1968, namely:—

^{1. (1)} These rules may be called the Regional Office, Cotton Development, (Class III and IV posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1971.

⁽²⁾ They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Regional Office, Cotton Development (Class III and IV posts) Recruitment Rules, 1968, after serial No. 18 and the entries relating thereto, the following serial No. and entries shall be inserted, namely:

2144	THE	GAZETTE	OF IND	IA: MAY 2	2, 1971/Γ	YAISTHA	1, 1893 [PART II—
I	2	3	4	5	6	7	8
19	Chowkie	Jar I	General Central Service Class IV (Non- Gazetted)	Rs. 70-1- 80-EB-1-85	Not applicable,	18 to 25 years	Essential: (i) Middle School Standard.pass. Desirable (i) Experience as Watchman in any office. (ii) Should possess sound physique
							~ ~

9 10 11 12 13 14

Not applicable.

By direct recruitment By transfer of persons Not applicable by working in similar cable cable trasfer from other or equivalent offices.

By direct recruitment By transfer of persons Not applicable cable ca

[No. 14-7/70-C.A.II/E.E.III,]

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 5 मई, 1971

जी एस श्रार 760 :---राष्ट्रपति, संविधान के अनु छोद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये प्रावेशिक कार्यालय कपास विकास (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1968 में और प्रागे संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम एतद्द्वारा बनाते हैं, अर्थात् :---

- । (1) ये नियम प्रादेशिक कार्यालय, कपास विकास (वर्ग 3 श्रौर वर्ग 4 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 197। कहे जाँसकींगे।
 - (2) ये शासकीय राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
- 2. प्रावेणिक कार्यालय, कपास विकास (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 पव) भर्ती नियम, 1968 में कम संख्या 18 श्रीर तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों के पश्चास् निम्नलिखित कम संख्या श्रीर प्रविष्टियां श्रन्त:स्थापित की जाएंगी, श्रथीन :----

2146	THE	GAZETTE	OF INDIA: MAY	22, 1971/JYAIST	'HA 1, 189	3 [PART II
1	2	3	4	5	6	7
19	चौकीदाः	ζ , 1	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्गे 4 (ग्रराजपत्नित)			18 से 25 वर्ष

[संन्था 14-7/70-सी० ए० 2/ई०ई०3]

New Delhi, the 6th May 1971

(2) हृष्ट-पुष्ट होना चाहिये ।

- G.S.R. 761.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Extension Education Institute, Nilokheri (Class III and Class IV Posts) Recruitment Rules, 1965, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Extension Education Institute, Nilokheri (Class III and Class IV Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Schedule to the Extension Education Institute, Nilokheri (Class III and Class IV Posts) Recruitment Rules, 1965, in the entries relating to the post of Lower Division Clerk including Steno-typist, in Column 11, the following note shall be inserted at the end, namely:—
- "Note—10 per cent of the vacancies in the grade of Lower Division Clerks, to be filled by direct recruitment, shall be reserved for being filled up by Class IV employees (borne on regular establishment) subject to the following conditions:—
- (a) Selection shall be made through a departmental examination confined to such Class IV employees who fulfil the requirement of minimum educational qualifications, namely Matriculation or equivalent.
- (b) The maximum age for the first two examinations shall be 45 years (50 years for candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) and for subsequent examinations, 40 years (45 years for candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes),
 - (c) At least 5 years' service in Class IV shall be essential.
- (d) The maximum number of vacancies filled by this method shall be limited to 10 per cent of the vacancies in the cadre of Lower Division Clerks offering in a year; unfilled vacancies shall not be carried over."

नई दिल्ली, 6 मई, 1971

षी० एस० मार० 761—राष्ट्रपति, संविधान के भनुष्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए विस्तार शिक्षा संस्थान, निलोजेड़ी (वर्ग 3 भीर वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1965 में संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रथात :---

- (1) ये नियम विस्तारण शिक्षा संस्थान, निलोखोड़ी (वर्ग 3 श्रौर वर्ग 4 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 कहे जा सकेंगे।
 - (2) ये शासकीय राजपत्नं में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. विस्तार :--- शिक्षा संस्थान, निलोखेड़ी (वर्ग 23 और वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1965 की अनुसूची में, स्टेनो-टाइपिस्ट सहित निम्न श्रेणी लिपिक पद से संबंधित प्रविष्टियों के अन्त में, स्तम्भ 11 में निम्नलिखित टिप्पण अन्त:स्थापित किया जायेगा, अर्थात :---

"विष्पण:—सीधी भर्ती द्वारा भरी जाने वाली निम्न श्रेणी लिपिकों की श्रेणी में की रिक्तियों की दस प्रतिमत रिक्तियां, निम्नलिखित मतौं के प्रध्यधीन रहते हुए (नियमित स्थापन में के) वर्ग 4 के कर्मचारियों में से भरी जाने के लिए सुरक्षित रखी जायेंगी:—

- (क) चयन विभागीय परीक्षा लेकर किया जायेगा जो वर्ग 4 के उन कर्मचारियों के लिये सीमित रहेगी जो न्यूनतम गैक्षिक अहंताओं, अर्थात् मेट्रीकुलेशन या इसके समतुल्य, सम्बन्धी अवश्यकता पूरी करते हैं।
- (ख) प्रथम दो परीक्षात्रों के लिए अधिकतम आयु 45 वर्ष (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अभ्यिषयों के लिए 50 वर्ष) और पश्चात्वर्ती परीक्षाओं के लिए 40 वर्ष (अनुसूचित जाति श्रीर अनुसूचित जनजाति के लिए 45 वर्ष) होगी ।
- (ग) कम मे कम 5 वर्षकी सेवा वर्गकी 4 में ग्रावण्यक होगी।
- (च) इस पद्धति द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की श्रधिकतम संख्या निम्न श्रेणी लिपिकों के काडर में एक वर्ष में होने वाली रिक्तियों के 10 श्रितिणत तक सीमित रहेगी । जो रिक्तियां भरी न जा सकेंगी उन्हें ग्रागे नहीं ले जाया जायेगा।"

[मंख्या 16-4/70-सी० ए० 2/ई०ई०3]

New Delhi, the 11th May 1971

- G.S.R. 762.—In exercise of the powers conferred by the provise to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Agricultural Prices Commission Research Investigators (Grade I) Recruitment Rules, 1966, namely:—
- 1. (1) These rules may be called Agricultural Prices Commission Research Investigators (Grade I) Recruitment (amendment) Rules, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Agricultural Prices Commission Research Investigators (Grade I) Recruitment Rules 1966, for the existing Schedule, the following Schedule shall be substituted, namely:

SCHE-

Recruitment Rules for the Post of (i) Research Investigator (Grade	I) E	Economics	and	(ii)	Research
		Agric	ul tur	e, C	ommunity

Name of post	No. of pots	Classifica- tion	Scale of Pay	Whether selection post or Non-Selection Post.	Age for direct recruits	Educational and other qualification re- quired for direct recruits
--------------	-------------------	---------------------	-----------------	---	-------------------------	---

I 2 3 4 5 6 7

7 General
Central
Class II,
NonGazetted.

Rs. 325-15- Selection 475-EB-20-575. 30 years Essential:

(Relaxable (i) Master's degree in for Economics or Agricultural Economics or Commerce of a recognised University equivalent.

(ii) About two years experience of Economic Research / Economic Investigation.

vestigation.
(Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).

qualified).

Desirable:—

Experience of analysis and interpretation of statistical data.

DULE

Investigator (Grade I. Statistics in the Agricultural Prices Commission, Ministry of Food, Development & Cooperation

Method of In case of recruit -Whether age and Period of If a D.P.C. Circumstan ment by promotion/ deputation/transfer, probation educational recruitment exists, what ces in which qualificationsl if any UPSC is whether by its is prescribed for direct regrade from which to be concomposulted direct recruits cruitment promotion/ deputasition. ÍΩ will apply in or by protion/transfer making to the case of motion or be made. rectt. by deputapromotees. tion/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods. 8 10 9 11 12 13

Age: No. Qualifications: Yes

33-1/3% failing which, by direct recruitment,

2 years

By direct recruitment 66-2/3.

By promotion Promotion Research Investigators with 3 years service in the grade rendered after appointment there to on a regular basis.

Π Class Departmental promotion Committee.

As required under the union Public Service Commission (Exemtion from Consultation) Regulations 1958.

Experience

terpretation of Economic data.

anelysis

of and in-

[No. A-11020/3/71-E.E. III.]

P. K. MUKHERJI, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 मई 1971

सा० का० वि० 762.—राष्ट्रपति, संविधान के श्रनुष्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कृषि मूल्य श्रायोग श्रनुसंधान श्रन्वेषक (श्रेशी I) में भर्ती नियम, 1966 में श्रीर श्रागे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एतदक्षारा बनाते हैं, श्रर्थातु :—

- $1.\ (1)$ ये नियम कृषि मूल्य भ्रायोग श्रनुसंधान श्रन्वेषक (क्षेणी I) भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 कहे जाएगें ।
 - (2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. कृषि मूल्य श्रायोग श्रनुसंधान श्रन्वेषक (श्रेशी I) में भर्ती नियम, 1966 में विद्यमान श्रनुसूची के स्थान पर निम्नलिखित श्रनुसूची प्रतिस्थापित की जाएंगी, श्रयांत् : —

मनुसू वी

कृषि, मूल्य ग्रायोग खाद्य, कृषि सामुवायिक विकास श्रौर सहकारिता मंद्रालय (I) श्रनुसंधान श्रन्वेषक (श्रेणी I) श्रर्यशास्त्र(II) श्रनुसंधान श्रन्वेषक (श्रेणी I) मांक्यिकी पद के लिए भर्ती नियम—

पदकानाम	पदों की सं०	वर्गीक रण	वे तनभान	चयन पद श्रथवा श्रचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्य- क्तियों के लिए ग्रायु
1	2	3	4	5	6
 भ्रतुसन्धान ग्रन्वेषक (श्रेणी I) ग्रयंशास्त्र 	7	साधारण केन्द्रीय सेवा,वर्ग2 श्रराजपवित		चियन	30 वर्ष (सर- कारी सेवक़ों के लिये शिथिल की जासकेगी)

परिवीक्षा सीध भर्ती किए जाने सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए ग्रपेक्षित कालावधि यदि वाले व्यक्तियों के लिए मैकिक भीर अन्य महंताएं विहित भाय भौर शैक्षिक कोई हो **ब्रह**ंताऐं प्रोन्नतों की दशा में लाग होगी या नहीं 9 8 7 प्राप्तःयकः । 2 वर्ष मान्यता प्राप्त किसी विश्वविध्यालय से श्रर्थ-ग्राय-नहीं भ्रईताऐं-हां शास्त्र क्षषि-श्रथंशास्त्र या वाणिज्य में मास्टर की उपाधि या समक्षस्य । (ii) भ्राणिक श्रनुसंधान/भ्राणिक श्रन्वेषण का लगभग 2 वर्ष का ध्रनभव। सुप्रहित प्रभ्यियों की दशा में प्रहीताएँ भ्रायोग के विवेकानसार शिथिल की जा सकेगी) बाद्यनीय:--सांख्यिकीय श्रांकडों के विश्लेषण श्रीर निर्वाचन का ग्रनभव। भर्ती करने में किन परिस्थि भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे यदि विभागीय प्रोन्नति/प्रतिनि-होगी या प्रोन्नति द्वारा या थतियों में संघ लोक सेवा यक्ति/स्थानान्तरण प्रोन्निति समिति है प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण श्रायोग से परामर्श किया ब्राराभर्तीकी दशा तो उसकी संरचना द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों में वे श्रेणिया जिनसे जाएगा । द्वारा भरी जाने वाली प्रोक्तति/प्रति-रिक्तियों का प्रतिशत नियक्ति स्थानान्त-रण किया जायगा 10 11 12 13 त्रोन्नति द्वारा 331 प्रतिशत प्रोत्ति : वर्ग 2 विभागीय जैसा संघ लोक सेवा ग्रायोग जिसके न हो सकने पर श्रन्संधान श्रन्वेषक प्रोन्नति समिति (परामर्श से छुट) सीधे भर्ती द्वारा/सीधे जिनकी श्रेगी में विनियम. 1958 के भर्ती द्वारा 66% प्रतिशत नियमित ग्राधार श्रधीन श्रपेक्षित हो। पर नियुक्ति के भक्षात 3 वर्ष फी सेवा हो

1	2	3	4	5	, 6
 श्रनुसंधान श्रन्वेषक (श्रेणी I) सांख्यिकी 	2	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 2 श्रराजपत्नित	325-15-475- द॰ रो॰-575	लागू नहीं होता	30 वर्ष (सर- कारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकेगी)
		7		8	9

ग्रावद्यकः

वांछनीय :

(i) मान्यता प्राप्त किसी विश्वविद्यालय से सांख्यिकी या गणित/ग्रर्थणास्त्र/वाणिज्य (सांख्यिकी) में मास्टर की उपाब्ध या समतुल्य । लागू नहीं होता

2 art

या

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की सांख्यिकी/
गणित/प्रर्थंशास्त्र एक विषय के रूप में उपाधि तथा
मान्यता प्राप्त डिप्लोमा जो सांख्यिकी में स्नातकोत्तर
प्रशिक्षण के कम से कम 2 वर्षं पश्चात् प्राप्त किया
हो।

(ii) सांख्यिकीय कार्य में लगभग 2 वर्ष का प्रनुभव जिसमें श्रांकड़ों का इक्ट्ठा संकलन श्रीर निर्याचन करना श्रन्तविलत है। (श्रन्यथा सुत्रहित श्रभ्यथियों की दशा में श्रर्हताएं श्रायोग के विवकतानुसार शिथिल की जा सकेंगी)

. श्रार्थिक श्रांकड़ों के जिस्लेषण श्रौर निर्वाचन का श्रनुभव ।

10 11 12 13
सीधे भर्ती द्वारा लागू नहीं होता जासा संघ लोक सेवा प्रायोग (परामर्श से छूट) विनिः
यम, 1958 के प्रधीन
प्रपेक्षित हो ।

[सं ए 11020/3/71-बाहक स्थापना-3]

प्र० कु० मुखर्जी ग्रवर सचिव ।

(Krishi Vibhag)

New Delhi, the 13th May 1971

- G.S.R. 763.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Director (Paddy) in the Directorate of Rice Development, Patna, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Directorate of Rice Development [Director (Paddy)] Recruitment Rules, 1970.
- (2) They will come into force o_n the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Application.—These rules shall apply for recruitment to the post specified in column 1 of the Schedule hereto annexed.
- 3. Number, classification and scale of pay.—The number of posts, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.
- 4 Method of recruitment, age limit and other matters.—The method of recruitment to the said post, age limit and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 13 of Schedule aforesaid:
 - Provided that the upper age limit prescribed for direct recruitment may be relaxed in the case of Scheduled Castes. Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued from time to time by the Central Government.

5. Disqualification,-No person,

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,
- shall be eligible for appointment to the said post:
- Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.
- 6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may be by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or post.

"THE SCHEDULE"

(UPSC No. 5/7(45)/70-RR, dated 9-11-70.)

2157

Recruitment Rules for the Post of Director (Paddy) Directorate of Rice Development, Potna Department of Agriculture in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation.

Name of Post Direction Paddy

3. Classification . . . General Central Service Class I (Gazetted).

. Scale of Pay . . . Rs. 1300-60-1600

5. Whether Selection Post or non-Selection Post

Selection.

- 6. Age for direct recruits
- 45 years and below (Relaxable for Government Servants).
- Educational and other qualifications required for direct recruits.
- Essential:
 - (i) M.Sc. degree in Botany or Agricultural Botany or Agriculture with specialisation in Agronomy / Plant
 Breeding & Genetics from a recognised Ukiversity or equivalent.
 - (ii) About 12 years experience in Agronomy or production of principal crops in Indian Field experimentation, etc. and distribution of Agricultural work with special reference to methods of increasing crop yields on Farmers fields.

(Qualifications releaxable at Commission's discrieption in case of candidates otherwise well qualified,

Desirable:

- (i) Doctorate based on work in plant Breeding and Genetics with particular reference to Paddy.
- (ii) Knowledge of the latest development and current research in Paddy Production.
- (iii) Experience of writing technical reports.
- 8. Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees:

Age: NO Qualifications: Yes.

9. Period of probation, if any:

2 years.

10. Method of reett. whether by direct reett. or by promotion or by deputation transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods:

10. Method of rectt. whether by By promotion failing which by transfer on deputation direct rectt. or by promotion or failing both by direct rectuitment.

11. In case of rectt, by promotion/ deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/ transfer to be made:

Promotios.

Paddy Specialists in the Directorate of Rice Development, Patna and Sub-Office at Hyderabad with 3 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.

NOTE: Deputationists will not be eligible for promotion.

Transfer on Deputation

Class I Officers of the Agriculture/Agricultural Production Departments of the Central/State Governments having about 12 years' experience in Agronomy or Production of Principal Crops with Special reference to Paddy, of which at least 5 years should be in posts in the scale of Rs. 700-1250 or equivalent.

(Period of deputation—ordinarily not exceeding 4 years).

- Class I Departmental Promotion Committee.
- Circumstances in which U.P.S.C.
 is to be consulted in making
 rectt.

As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 13 मई 1971

सांक्षां निक 763.—राष्ट्रपति, संविधान के श्रमुक्टेंद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, चावल विकास निदेशालय पटना में निदेशक (धान) के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतद्धारा बनाते हैं, श्रथी : :—

- 1. संक्षिण्त नाम और अर्थभ (1) इन नियमो का नाम चावल विकास निवेशालय [निदेशक (धान)] भर्ती नियम, 1970 होगा।
 - (2) ये गासकीय राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख के प्रवृत्त होंगे।
 - 2 लागू होना : ये नियम इसके उपाबक्ष अनुसूची के स्तंभ 1 में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे ।
- 3 संख्या, धर्गीकरण और बेहनमान:—पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण धौर उनके वेतनमान वे होंगे जो उक्त श्रनुसूची के स्तंभ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- 4. भर्ती की पद्धति, भ्राय स्रोमा, भ्रार्टाएं श्रौर श्रन्य थातें .-- उनत पद पर भर्ती की पद्धति, श्रायु-सीमा श्रौर उससे संबंधित श्रन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त श्रनुसूची के स्तंभ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं:

उक्त पद पर नियुक्ति का पाल नहीं होगा:

परन्तु सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की बाबत विनिर्दिष्ट श्रधिकतम श्रायु-सीमा केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निकाले गए श्रादशों के श्रनुसार, किसी भी श्रनुसूचित जाति या श्रनु-सूचित जनजाति या किसी श्रन्य विशेष प्रवर्ग के श्रभ्याथयों के संबंध में शिथिल की जा सकेगी।

- 5 निरहंताएं :- वह व्यक्त--
- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
- (ख) जिसने भ्रपने पति या भ्रपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है;

उक्त पद पर निय्क्ति का पात नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति श्रौर विवाह के ग्रन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के ग्रधीन श्रनुज्ञेय है श्रौर ऐसा करने के लिए श्रन्य श्राधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6 शिथिल करने की शिथेलं:—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना धावण्यक या समीचीन है वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लिपिबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा धायोग से प्रमर्श क के, इन नियमों के किसी उपबंध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदकी बाबत, श्रादेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

भ्रनुसूची

खाद्य, कृषि, तामदाश्विक विकास श्रीर सहकारिता मंत्रालय, कृषि विभाग में चावल विकास निदेशालय, पटना में निदश्वक (धान के पद के लिए भर्ती नियम ।

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतन मान	चयन पद श्रथवा श्रच- यन पद	सीधे भर्ती किए जाने बाले व्यक्तियों के लिये भ्रायु
i	2	3	4	5	6
निदेशक (धान)	1	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 1 (राजपत्रित)	1300-60- 1600 ቼo	चयन पद	45 वर्ष ग्रौर कम (सर- कारी सेवको के लिए शिथिल की जा सके- गी !

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिये श्रपेक्षित गैक्षिक श्रीर श्रन्य श्रर्हतायें

सीधे भतीं किये जाने वाले परिवीक्षा की काला-व्यक्तियों के लिये विधि यदि कोई हो विहित श्रायु स्रौर पौक्षिक श्रईताय प्रोक्तों की दशा में लाग् होगी या नहीं

7

8

9

धावःयकः

- (1) वनस्पति विज्ञान या कृषि वनस्पति विज्ञान या सस्य विज्ञान/पादप प्रजनन ग्रीर ग्रानु-वंशिकी में विशेषज्ञता सहित कृषि में, किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से एम०एस० सी० उपाधि या समतुल्य ।
- (2) सस्य विज्ञान या भारतीय खेत परीक्षण भादि में प्रमुख फसलों के उगाने भ्रौर कृषि-कार्य फैलाव का, विशेष रूप से कृषकों के खेत पर फसल की उपज में वृद्धि करने की रीतियों सहित लगभग 12 वर्ष का ग्रनुभव।
 - (ग्रन्यथा सुम्राहित ग्रभ्याथियों की दशा में ग्राई-तायें भ्रायोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकेंगी)

वाछनीय ः

- (1) पादप प्रजनन ग्रीर श्रानुवंशिकी में विशेष रूप से धान संबंधित कार्य पर श्राधारित डाक्टरेट।
- (2) धान-उत्पादन में नदीनतम विकास श्रौर सामयिक श्रनुसंधान की जानकारी।
- (3) तकनीकी रियो लिखने का ज्ञान

श्रायु : नहीं श्रर्हतायें : हां 2 वर्ष

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों भरी जाने द्वारा रिक्तियो का वाली प्रतिशत

2162

प्रोन्नति / प्रतिनियुक्ति / स्थाना-न्तरणद्वारा भर्ती की दशा में वे द्वारा या प्रतिनियुक्ति / अणियां जिनसे प्रश्निति/प्रति-नियुक्ति / स्थानान्तरण किया जाएगा ।

यदि विभागीय भर्ती करने में किन प्रोन्नति समिति परिस्थितियो है तो उसकी सघ लोक सरंचना श्रायोग से परामर्श किया जाएगा।

10

11

12

13

प्रोन्नति द्वारा, जिसके नहो सकने पर प्रति-नियक्ति पर स्थाना-न्तरण द्वारा दोनों के न हो सकने पर सीधे भर्ती द्वारा

प्रोद्यक्तिः

चावल विकास निदेशालम पटना ग्रौर हैदराबाद में स्थित ब्रधीनस्थ कार्यालय में धान विशेषज्ञ के पद पर नियमित श्राधार पर नियुक्ति के पश-चात् जिनकी उस श्रेणी मे 3 वर्षकी सेवाहो ।

टिप्पण:--प्रतिनियुक्त व्यक्ति के लिये पाल नही प्रोप्तति होंगे।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानाः सरण केन्द्रीय /राज्य सरकारों के कृषि/ कृषिय उत्पाद विभागों के वर्ग I ब्रधिकारी जिनका सस्य विज्ञान या प्रमुख फसलों के उगाने का विशेष रूप से धान के संबंध में लगभग 12 वर्ष का ग्रन्भव जिसमें से कम से कम 5 वर्षका 700~-1250 हरू या समतुल्य वेतनमान के पदों पर होना चाहिए।

(प्रतिनियुक्ति को कालावधि सामान्यतः 4 वर्षसे ग्रधिक नहीं होगी)

वर्ग 1 विभागीय प्रोन्नति समिति

जैसा संघ लोक सेवा श्रायोग ('परामर्श छट) विनियम, 1958 के श्रधीन भ्रपेक्षित 👸 🛭

New Delhi, the 14th May 1971

- G.S.R. 764.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Extension Education Institute, Nilokheri (Class I and II posts) Recruitment Rules 1968, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Extension Education Institute, Nilokheri (Class I and II posts) Requitment (Second Amendment) Rules, 1970.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette
- 2. In the Schedule to the Extension Education Institute, Nilokheri (Class I and II posts) Recruitment Rules, 1968.—
 - (i) for the existing entries in respect of the post of Vice-Principal, the following entries shall be substituted, namely:—
 - I Vice Principal.
 - 2. 1
 - 3 General Central Service Class I. Gazetted.
 - 4 Rs 700-40-1,100-50/2-1.250.

- 5 Selection.
- 8 40 years (Relaxable for Government Servants).
- 7. Essential
 - (i) Master's degree in Agriculture or Agricultural Extension from a recognised University/Institute or equivalent.
 - (ii) About 5 years' teaching experience upto Degree standard which should preferably include about 2 years at Extension Training Centres or experience of Planning, organising and execution of agricultural extension and rural development schemes in a capacity not below the rank of District Officer.

(Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).

- 8 No.
- 9. 2 years.
- 10. By promotion failing which by direct recruitment.
- 11. Promotion.—Lecturers with 5 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.
 - 12. Class I Departmental Promotion Committee.
- 13. As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958."; and
 - (ii) against the post of Superintendent (Refresh wases units), in column 1, for the words and brackets "Superintendent (Refresher courses units)", the words "Lecturer in Agricultural Extension Methods" shall be substituted.

[No. A. 12018-5/70-EE, I

नई दिल्ली, 14 मई 1971

एस० श्रो० 764—राष्ट्रपति, संविधान के श्रन्ष्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवस मिनतयों का प्रयोग करते हुए, विस्तार मिक्षा संस्थान नीलो बेडी (वर्ग 1 श्रौर वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1968 में श्रौर श्रागे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एतद्दारा बनाते हैं, श्रर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम विस्तार शिक्षा संस्थान, नीलो बेड़ी (वर्ग 1 श्रीर वर्ग 2 पद) भर्ती (दितीय संशोधन) नियम, 1970 होगा;

- (2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. विस्तार शिक्षा संस्थान, नीलो बड़ी (वर्ग 1 और 2 पद) भर्ती नियम, 1968 से उपाबद्ध श्रन्भुची में :---
 - (i) उपप्रधानाचार्य के पद सम्बन्धी विद्यमान प्रविष्टियों के लिए निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जायेंगी, भ्रार्थात :---
 - 1. उपप्रधानाचार्य
 - 2. 1
 - 3. साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 1, राजपत्रित
 - 4. 700-40-1100-50/2-1250 ቒo
 - 5. चयन
 - 6. 40 वर्ष (सरकारी संवक्षों के लिए शिथिल की जा सकती है)।
 - 7. ग्रावःयक
 - (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से कृषि या कृषि-विस्तार में मास्टर की डिग्री या उसके समतुल्य ;
 - (ii) डिग्री के स्तर तक का लगभग 5 वर्ष का ग्रध्यापन ग्रनुभव, जिसमें से ग्रधिमान्तः 2 वर्ष का ग्रनुभव विस्तार प्रशिक्षण केन्द्रों में होना चाहिए, या योजना, संगठन ग्रौर कृषि-विस्तार तथा ग्राम विकास स्कीमों के निष्पादन का ऐसी हैसियत में ग्रनुभव जो जिला ग्रधिकारी की पक्ति की हैसियत से कम न हो ।
 - ं(प्रन्यथा सुर्क्षहित श्रभ्यथियों की दशा में श्रायोग के विवेकानुसार श्रह्ताऐं शिथिल की जा सकोंगी) ।
 - 8. नहीं
 - 9. 2 arti
 - 10. त्रोन्नति द्वारा, और सेवा न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा
 - 11. प्रोप्तिः
 - ऐसे लेक्चरार, जिनकी उस श्रेणी में नियमित भ्राधार पर ानयुक्ति के पण्चात उसमें 5 वर्ष की सेवा हो चुकी हो ।
 - 12. वर्ग-1 विभागीय प्रोन्नति समिति ।
- 13. जैसा संघ लोक सेवा भ्रायोग (परामर्श से छुट) विनियम, 1958 के भ्रधीन भ्रपेक्षित है, भौर
 - (ii) श्रधीक्षक (रिफेशर कोर्सिस यूनिट) के पद के सामने तंस्म 1 में, "ग्रधीक्षक (रिफेशर कोर्सिस यनिट)" शब्दों प्रौर कोष्ठकों के स्थान पर "कृषि विस्तार पद्धतियों में लेक्चरार" शब्द प्रतिस्थापित किए जायेंगे।

पि क 12018/ -/ 70-/ई ई ि री]

- G.S.R. 765.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President he car makes the inflowing ales regulating the method of recruitment to the post of Deputy Director (' our ts) in the Directorate of Extension, Deputy Director, (Accounts) Recruitment Rules, 1970.
- 1. Short Title and commencement—(1) These rules may be called the Directorate of Extension, Deputy Director, (Accounts) Recruitment Rules, 1970.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Application.—These rules shall apply to the post specified in column 1 of the Schedule hereto annexed.
- 3. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.
- 4. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment, age limit and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of Schedule aforesaid:

Provided that the upper age limit prescribed for direct recruitment may be relaxed in the case of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories. ries of persons in accordance with the orders issued from time to time by the Central Government.

- 5. Disqualification.-No person:-
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
 - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of the rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

THE SCHEDULE

Recruitment Rules for the post of Deputy Director (Accounts), Directorate of Extension, in the Ministry of Food, Agriculture, Community Development & Co-operation (Department of Agriculture), New Delhi.

[U.P.S.C. No. F. 3/7-B(6)/70 RR date 19-9-70.}

- T. Name of Post. Deputy Director (Accounts) One No. of Posts .
- General Central Service, Classification . Class Ι, Gazetted.
- Rs. 700-40-1100-50/2-1250 Scale of Pay
- Whether Selection Post or non-Selection Not applicable Post
- Age for direct recruits: Not applicable
- Educational and other qualifications required for direct recruits . . Not applicable

 Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees.

Not applicable

9. Period of probation, if any

Not applicable

10. Method of recruitment whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/ transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods.

By transfer on deputation,

 In case of rectt, by Promotion/ deputation/transfer, grades from which promotion/transfer/ to be made.

ondeputation: Time-scale officers from any of the organised Accounts Services, namely, the Indian Auditand Accounts Service, Indian Defence Service, Accounts Indian Railway Service or Accounts/ Audit Officers with at least 5 years service as such from any of the organized Accounts Departments, namely, the Audit and Accounts Department, Indian Defence Accounts Department, Indian Railway Accounts Department.

(Period of deputation— orginally n exceeding 3 years).

 If a DPC exist, what is its composition Not applicable

3. Circumstances in which UPSC is to be consulted in making rectt.

Under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulal tions, 1958.

[No. A. 12018/7/70-EE. 1.]

जी एस आ 765 - राष्ट्रपति, संविधान के श्रनुष्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विस्तार निदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (लेखा) के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतदद्वारा बनाते हैं , श्रयीत :--

- 1. संक्षेप्त ना : और प्रारक्ष्म:--(1) इन नियम का नाम विस्ताए निदेशालय, उपनिदेशक (लेखा) भर्ती नियम, 1970 होगा ।
 - (2)ये शासकीय राजपत में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- लागू होमा :--ये नियम इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे ।
- 3. पद संख्या, वर्गीकरण और वेशनमान:—उक्त पदकी संख्या, उसका वर्गीकरण श्रीर उससे संलग्न वेतनमान वे होंगे जो उक्त श्रनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- 4. भर्ती की पद्धति, आयु सी त और अन्य अर्हताएँ :--- उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और उसमें सम्बन्धित अन्य बातें वे होंगी जो उपर्युक्त अनुसूचा के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिधिष्ट हैं;

परन्तु सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित विनिर्दिष्ट ग्रधिकतम न्नायु सीमा केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर निकाल गए न्नादेशों के क्रजुसार किसी भी न्नानुसूचित जाति, न्नानुसूचित जनजाति न्नाँक किसी भ्रत्य क्रिशष प्रवर्ग के व्यक्तियों के सम्बन्ध में फि.थिल की जा सकेगी।

- 5. भिरहेताएं :---वह व्यक्ति :----
- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिपकी पत्नी जीवित है, विवाह फिया है, या
- (ख) जिसने ग्राने पति या श्रपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है:

उक्त पद पर नियुक्ति का पान्न नहीं होगा।

परन्तु यदि, केन्द्रीय मरकार का समाधान हो जाए क ऐसा विवाह एसे व्यक्ति श्रीर विवाह के ग्रन्य पक्षकार को लागु स्वीय विधि के प्रधीन अनुजेय है। भौर ऐसा करने के लिए अन्य श्राधार हैं तो वह उस व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छट दे सकेगी ।

6. जिथिल करने को जाकेत:---जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लिपिबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा श्रायोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, धावेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

''ग्रन् सूबी''

खास, कृषि सामदायिक विकास प्रौर सहकारिता मंत्रालय, (कृषि विभाग), नई दिन्ती के विस्तार निवेशालय में उपनिदेशक (नेखा) के पद के लिए भर्जी नियम

मंघ लोक सेवा प्रायोग सं० फा० 3/7-ख (6)/70प्रार० प्रार० नारीच 19-9-70

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद ग्रथवा श्रचयन पद	सीधा भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए ग्राय
1	2	3	4	5	6
उपनिदेशक (लेखा)	एक	माधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग I राजपवित	700-40-1100 50/2-1250 %	., , -	लागू नहीं होता

सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए गैक्षिक और ग्रन्य सर्वेताएँ

सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए वि।हत भ्रायु और गैं क्षिक श्रहेंताऐं प्रोप्तर्ता की दणा में लागू होगी या नहीं। परिवीक्षा की कालावधि यदि कोई हो भर्ती की पद्धित भर्ती सीघे होगी या प्रोन्नित द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण हारा तथा विभिन्न पद्धितयों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशत

7

8

9

10

लागू नहीं होता

लाग् नहीं होता

लाग् नहीं होता

प्रतिनियक्ति पर स्थानान्त-रण द्वारा

प्रोन्नात/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रति-नियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायगा । यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना भर्ती करने में किन परिस्थि-तियों में संघ लोक सेवा श्रायोग से पराम**र्श** किया जायगा ।

11

12

13

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरणः

किसी भी संगठित लेखा सेवः मों प्रथांत भार-तीय लेखा और संपरीक्षा नेवा, भारतीय रक्षा लेखा सेवा, भारतीय रेल लेखा सेवा के कालवेतन मान वाले प्रधिकारी, या किसी भी संगठित लेखा विभाग प्रथांत भारतीय सेवा और संपरीक्षा विभाग, भारतीय रक्षा लेखा विभाग, भारतीय रेल विभाग के लेखा/संपरीक्षा प्रधिकारी जिनकी इस रूप में कम से कम 5 वर्ष सेवा हो चुकी हो। (प्रतिनियुक्ति की प्रविध मूलतः 3 वर्ष से प्रधिक नहीं होगी)

लागू नहीं होता

संघ लोक सेवा <mark>प्रायोग</mark> (परामशं से छूट) विनि-यम, 1958 के प्रधीन

- $S_{ij}C_{ij} \supset \{i\}$
- G.S.R. 766.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Director (Pulses) in the Directorate of Pulses Development, Lucknow, namely:-
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Directorate of Pulses Development [Director (Pulses)] Recruitment Rules, 1970.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Application.—These rules shall apply for recruitment to the post specified in column 1 of the Schedule hereto annexed.
- 3. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.
- 4. Method of recruitment, age limt and other qualifications.—The method of recruitment to the said post, age limit and other mutters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 13 of Schedule aforesald:

Provided that the upper age limit prescribed for direct recruitment may be relaxed in the case of the Schedule Castes, Schedules Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued from time to time by the Central Government.

5. Disqualification.-No person,-

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expecient so to do. it may by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

"THE SCHEDULE"

Recruitment Rules for the post of Director (Pulses), In the Directorate of Pulses Development, Lucknow, in department of Agriculture, Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation.

- 1. Name of Post Director (Pulses). No. of Posts Classification General Central Service, Class T (Gazetted). 4. Scale of Pay. Ŕ٩. 1100-50-1400. Whether Selection post or non-selec-Selection.
- tion Posts

- Age for direct recruits
- Not exceeding 45 years. (Relaxable for Government servants) .
- 77. Educational and other qualifications quired for direct recrults
- re- Essential: M. Sc. degree in Botany or Agri-cultural Botany or Agricutural (i) M. Sc. cultural Botany or Agricutural with specialisation in Agronomy/ Plant Breeding and Genetics of a
 - (ii) About 10 years' experience of Agrit cultural Research / Developmen-Extension/ planning work with parti-cular reference to Pulses crops.

recognised University or equivalent.

(Quaifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified).

Desirable :

- (i) Doctorate based on work in Plant Breeding and Genetics with particular references to Pulses.
- (ii) Familiarity with latest development and research in Pulses production,
- (iii) Administrative experience.
- 8. Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees.
- Age: No. Qualifications : Yes,
- 9. Period of probation if any. 2 years.
- 10. Method of rectt, whether dy direct rectt. or by promotion or by deputation / transfer & percentage of the vacancies to
 - on deputation, failing vith both, by direct recruitment. be filled by various methods.
- 11. In case of rectt, by promotion/deputation/ transfer, grades from which promo tion / deputation/ transfer to be made.

Promotion Deputy Director in the Directorate of Pulses Development with 3 years' service in the grade rendered after appointment

By promotion, failing which by transfer

Transfer on deputation,

thereto on a regular basis.

of the Central Sltate Govern-Officers ments with 10 year's Agricultural Research/ experience of Development/ Extension /Planning work cular reference to Pulses work with parti-Crops, of which at least 3 years should be in posts in the scale of Rs. 700—1250.

(Period of deputation—ordinarily not exceeding 4 years).

- 12. If a DPC exists, what is its composition
- 13. Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making rectt,

Class I Departmental Promotion Committee

As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.

[No. A. 12018/9/70-EE.I.]

R. N. GUPTA Avar Sachiv, Bharat Sarkar. सा० का० नि० 766—राष्ट्रपति, संविधान के ग्रनच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दाल विकास निदेशालय, लखनऊ में निदेशक (दाल) पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतदद्वारा बनाते हैं, प्रर्थात् :—

- 1. संक्षेप्त नाम ग्रेर प्रारम्भ (1) इन नियमों का नाम दाल विकास निदेशालय (निदेशक) दास भर्ती नियम, 1970 होगा।
 - (2) ये शासकीय राजपन्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
 - 2. लागु होना :--- ये नियम इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तमं 1 में विनिर्दिष्ट पद को लागु होंगे ।
- 3. संख्या, वर्षीकरण और वेसनमान---उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो उक्त अपुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट है।
- 4. भर्ती की पद्धति, ग्रायु सीमा ग्रौर ग्रन्य ग्रह्ताएं : उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, ग्रायु सीम ग्रौर उससे सम्बन्धित ग्रन्य बातें व होंगी जो पूर्वोक्त श्रनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिट है :

परन्तु सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की बाबत विनिर्दिष्ट ग्रधिकतम ग्रायु-सीमा, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर निकाले गए ग्रादेशों के ग्रनुसार, किसी भी ग्रनसूचित जाति या ग्रनुसूचित जन जाति या किसी ग्रन्य विश्वष वर्ग के ग्रभ्यांषयों के सम्बन्ध में शिथिल की जा सकेगी।

- 5. निरहं साएं :- वह व्यक्ति :--
- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पहेंसी जीवित है, विवाह किया है, या
- (ख) जिसने भ्रपने पति या भ्रपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है ; उक्त पद पर निय्कित का पान्न नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति भ्रौर विवाह के भ्रन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के भ्रधीन भ्रनुज्ञेय है भ्रौर ऐसा करने के लिए श्रन्य भ्राधार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6. शिथिल करने की शिक्त.—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना ग्रावश्यक या समीचीन है वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लिपिबद्ध करक तथा संघ लोक सेवा ग्रायोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत ग्रादेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

मनु सूची

खाद्य, कृषि, सामदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय, कृषि विभाग में दाल विकास निदेशालय, लखनऊ में, निदेशक (दाल) पद के लिए भर्ती नियम

पद का नाम	पदों की शंख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद श्रथवा भ्रचयन धद	सीधे भर्ती किए जाने वाले क्यक्तियों के लिए ग्राय
1	2	3	4	5	6
निदेशक (दाल)	1	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 1 (राज- पन्नित)		चयन पद	45 वर्ष से ग्रधिक नहीं (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकेगी)

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित सीधे भर्ती किए जाने गैक्षिक और अन्य अहंताएं वाले व्यक्तियों के लि

सीधे भर्ती किए जाने परिवीक्षा की काला-वाले व्यक्तियों के लिए विधियदि कोई विहित श्रायु श्रौर शैक्षिक हो श्रईताएं श्रोन्नतों की दशा में लागु होंगी या नहीं

7

8

9

द्मावश्यकः

भ्रायु: नहीं

श्रर्हताएं : हा

2 वर्ष

- (।) वनस्पति विज्ञान या कृषि वनस्पति या सस्य विज्ञान पादप प्रजनन और म्नानुवंशिकी में विशेषज्ञता सहित, कृषि में मान्यता प्राप्त किसी विश्वविद्यालय से एम० एस० सी० उपाधि या समतुस्य ।
- (11) कृषि ग्रनसंघान विकास विस्तार योजना कार्य में,
 विशेष रूप से दाल फसलों के सम्बन्ध में लगभग 10
 वर्ष का ग्रनुभव ।

(भ्रन्यथा सुम्रहित भ्रम्यर्थियों की दशा में भ्रहेताएं भ्रायोग के विवेकानसार शिथिल की जा सकेंगी)

व छिनी य

- (1) पादप प्रजनन और अनुबंशिकी, में विशेष रूप से दालों के सम्बन्ध में कार्य पर आधारित डाक्टरेट।
- (।।) वाल उत्पादन में नबीनतम विकास और अनुसंधान की जानकारी।
- (।।) प्रशासनिक मनुभव ।

प्रोत्मति/प्रतिनियक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती यदि विभागीय भर्ती करने में किन भर्ती की पद्धति/ भर्ती सीध होगी या की दशा में व अणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रति- प्रोन्नति समिति परिस्थितियों में प्रोन्नित द्वारा या नियक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा है तो उसकी प्रति यक्ति/स्थाना-संरचना श्रायोग से परामर्श न्तरण द्वारा तथा विभिन्न पञ्जतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत

10

11

12

गीय प्रोन्नति

13

म्रायोग

(परामर्श से छुट)

संघ लोक सेवा}

किया जाएगा

प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, बोनों के न हो सकने पर ीध भर्ती द्वारा

प्रोन्नित बाल विकास निदशालय में उप- वर्ग/विभा- जैसा संघ लोक िनदेशक के पद पर नियमित भ्राधार पर नियुक्ति के पश्चात जिनकी उस श्रेणी में तीन वर्ष की सेवा की हो प्रतिनियुक्ति पर स्थानास्तरण केन्द्रीय/राज्य सरकारों के ग्रधिकारी जिन का कृषि भ्रनुसंधान विकास विस्तार योजना कार्य में विशेष रूप से दाल फसलों के सम्बन्ध में, दस दर्ष का धनुभव, जिसमें से कम से कम 3 वर्ष का 700-1250 रू० के बतनमान में होना चाहिए।

(प्रतिनियुक्ति की ग्रवधि – सामान्यतः 4 वर्षे से प्रधिक नहीं)

विनियम, 1958 के ग्राधीन ग्रापेक्षित है।

सेवा

[संख्या ए०12018/9/70 ई० ई० 1]

ग्रार० एन० गुप्ता,

ग्रवर सचिव, भारत सरकार।

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 17th May 1971

- G.S.R. 767.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the Persident hereby makes the following rules to amend the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage (Locust Technical Officer) Recruitment Rules, 1971, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage (Locust Technical Officer) Recruitment (Amendment) Rules, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Schedule to the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage (Locust Technical Officer) Recruitment Rules, 1971, in column 7, in item (ii) relating to essential qualifications, for the word "or", the word "of" shall be substituted.

[No. 2-16/68-PPS.] K. RAJAN, Under Secy.

(कृषि विभाग)

नई विल्ली, 17 मई, 1971

जी॰ एस॰ धार॰ 767—राष्ट्रपति, संविधान के घनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वनस्पति रक्षप, संगरोद भ्रौर संत्रयन, निदेशालय (टिड्डी तकनीकी घ्रधिकारी) भर्ती नियम, 1971 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एतदक्षारा बनाते हैं, भ्रयति :—

- 1. (1) इन नियमों का नाम बनस्पति रक्षप, संगरोद ग्रीर संनान, निदेशालय, (टिड्डी तकनीकी ग्रधिकारी, भर्ती (संशोधन) नियम, 1971 होगा।
- (2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. वनस्पति रक्षप, संगरोद, ग्रौर संज्ञयन, निदेशालय (टिड्डी तकनीकी भ्रधिकारी) भर्ती नियम, 1971 की श्रनुसूची में स्तम्भ 7 में "ग्रावश्यक ग्रहताएं" से सम्बन्धित भद (॥) में "ग्रनभव या श्रनुसन्धान" शब्दों के स्थान पुर "श्रनुसंधान का श्रनुभव" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[संख्या 2-16/68-पी० पी० एस०] के० राजन, श्रवर सचिव ।

(Department of Food)

New Delhi, the 28th April 1971

- G.S.R. 768.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Directorate of Sugar and Vanaspati (Recruitment to Class I and Class II posts) Rules, 1958, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Directorate of Sugar and Vanaspati (Recruitment to Class I & Class II posts) Amendment Rules, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

- 2. In the Directorate of Sugar and Vanaspati (Recruitment Class I & Class II posts) Rules, 1958, for rule 4, the following shall be substituted, namely:—
 - "4 (Disqualification)-No person,
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any of the said posts;
 - Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule."

[No. F. A. 12018/2/70-Sugar.]A. N. CHADDHA, Under Secy.

(लाद्य विभाग)

नई दिल्ली, 28 म्रप्रैल, 1971

सा० का० मि० 768—राष्ट्रपति, संविधान के अनुष्छंद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए शर्करा एवं वनस्पति निवेशालय (वर्ग 1 भ्रौर 2 पर भर्ती) नियम, 1958 में भ्रौर श्राग संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम, एतदद्वारा बनाते हैं श्रर्थात् :—

- (1) इन नियमों का नाम शकरा एवं बनास्पित निदेशालय वर्ग 1 श्रीर वर्ग 2 पदों पर भर्ती) संशोधन नियम, 1971 होगा
 - (2) थे शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत होंगे
- 2. शर्करा एवं वनस्पति निदेशालय (वर्ग 1 ग्रीर वर्ग 2 पदों पर भर्ती) नियम, 1958 में नियम 4 के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा , प्रथीत्:—
 - "4. निर्हेताएं :--वह व्यक्त--
 - (क) जिसने एसे व्यक्ति से जिसका पित या जिसकी पत्नी जीवीत है विवाह किया है, या
 - (ख) जिसने भ्रपने पति या भ्रपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है;

जक्त पदों में से किसी पर भी नियक्ति का पात्र नही होगा ।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के श्रन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन श्रनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए श्रन्य श्राधार मौजूव तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रर्वतन से छूट दे सकेगी।

[संख्या फा॰ ए॰ 12018/2/70-चीनी]

ए० एन० चड्डा, प्रश्वर सचिव।

(इ.वि विभाग)

नई बिल्ली, 29 ज्लाई, 199

णी० एस० ग्रार० 1947.—-संविधान के श्रनुच्छेद 309 के परन्तूक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, विस्तार निदेशालय, नई दिल्ली में पतालेखी प्रचालक (कनिष्ठ) के वर्ग 4 पद पर व्यक्तियों की भर्ती की पद्धति को विनियमित करने के लिए एतदहारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, भ्रषात :---

- 1. संक्षिण्त नाम ग्रीर प्रारम्भ :--(1) ये नियम विस्तार निदेशालय (पतालेखी प्रचालक वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1969 कहे जा सकेंगे।
 - (2) ये शासकीय राजपत्र में श्रपते प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त हो जायेंगे।
- 2. खाग होना :-- ये नियम इससे उपाबद अनुसूली के स्तम्भ 1 में विनिर्दि ट पद को लागु होंगे।
- संख्या वर्गीकरण ग्रीर वेतनमान .─पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण ग्रीर उनसे संलग्न बेतनमान वे होंग जो उक्त अनसची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिदिष्ट हैं।
- 4. भर्ती की पद्धति, बाय सीमा और बन्य बर्डताएँ :-पदों पर भर्ती की पद्धति, आय सीमा श्रहेताएँ श्रौर उनसे सम्बन्ध श्रन्य बातें ने होंगी जो उनत श्रन्सूनी के स्तम्भ 5 से 11 तक में विनि-दिष्ट हैं :---
 - परन्तु भ्रनसचित जातियों भ्रथवा-भ्रनसचित जन जातियों, विस्थापित व्यक्तियों भ्रौर श्रन्य विशेष ध्यक्ति-प्रवर्गी के श्रभ्याथियों की दशा में, सीक्षी भार्ती के लिये विनिर्दिष्ट उच्चतम श्राय सीमा केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किये गये श्रादेशों के श्रनसार शिथिल की जासकेगी।
- 5. निर्हताएँ:--(क) वह व्यक्ति उक्त पद पर नियम्ति का पात नहीं होगा जिसकी एक से प्रधिक परिनयां जीवित है या जो एक पत्नी के जीवित रहते हुए किसी ऐ सी दशा में विवाह करता है जिसमें ऐसा विवाह इस कारण शुन्य है कि वह एसी पत्नी के जीविन काल में होता है, तथा ' (ख) वह स्त्री उक्त पद पर नियुक्ति की पान नहीं होगी जिसका विवाह इस कारण गुन्य है कि उस विवाह के समय उसके पति की पत्नी जीवित थी, या जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है, जिसकी पत्नी । उस विवाह के समय जीवित थी।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार यह समाधान हो जाने पर कि इस नियम के प्रवर्तन से योग्य विशेष प्राधार हैं किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवेतन से छुट वे सकती है।

6. नियम 'शांश्विल करने की शांशित:-जहां केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना म्रावश्यक या समीचीन है, वहां वह ऐसे कारणों से जो लेखबद्ध किए जायेंगे मादेश द्वारा व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवंग के बारे में इन नियमों के उपबन्धों में से किसी को भी शिथिल कर सकेंगी ।

ग्रनुसूची

विकार निवेशालय में पता लेखी प्रवालक कनिष्ठ के पव के लिए भर्ती नियम

- 1. पद का नाम ' ' ' पता लेखी प्रचालक (कनिष्ठ)
- 2. पदों की संख्या एक
- 3. वर्गीकरण साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग 4 (श्रननुसचिवीय)

 (श्रराजपिक्षत) ।
- प्रवरण पद अथवा श्रप्रवरण पद . . प्रवरण
- 6. सीधी भर्नी वाजों के लिए श्राय मीमा . 18-25 वर्ष।
- 7. सीधी भर्ती वालों के लिए ग्रोक्षिन गैक्षिक , (1) मान्यता प्राप्त विद्यालय से मिडिल कक्षा ग्रीर श्रन्य भ्रहेताऐं। पास ।
 - (2) श्रंग्रेजी श्रौर हिन्दी का प्राथमिक ज्ञान ।
 - (3) पते मुद्रित करने वाली बिजली से चालित मशीन को प्रचालित करने का श्रनुभव
- 8. क्या विभागीय भर्ती वालों के लिए विहित प्रायु ग्रौर गैक्षिक श्रहेताऐं प्रोप्तित की दशा दशा में लाग होगी

ग्रायु–नहीं शैक्षिक ग्रर्हनाऐं---जी हां । स्प्पणी

एक वर्ष।

निर्धारित शैक्षिक अर्ह्गाएं उन अर्ह्ताहीन चप-रासियों को लागू नहीं होगी जिनकी नियुक्ति उस श्रेणी में गृह मन्त्रालय के कार्यालय ज्ञापन संख्या 7-9-/62--स्थापना (सी), तारीख 10 अर्जेल,1962 के शाधार पर पृष्ट कर दी गई है।

- 9. परिवोक्षा की कालाबधि यदि कोई हो :
- 10. भनों को पद्धति, क्या भनों पोधी होगी या प्रोक्तति द्वारा या प्रतिनियुक्ति / श्रन्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिष्टितयों की प्रतिशतता ।

प्रोन्नति द्व(राजिपकेन हो सकनेपर सीधी भर्नी द्वारा। 11. प्रोन्नति/प्रतिनियम्ति/श्रन्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे ग्रेड जिन से प्रोन्नति/प्रतिनिः यक्ति/ग्रन्तरण ग्रादि किए जायेंगे ।

जिन दपतरियों, चपरासियों भौर पैकरों की उनके श्रपने श्रपने ग्रेडों में कम से कम पांच वर्ष की सेवा हो चकी हो उनकी पतालेखी मशीन पर परीक्षालेकर प्रोधिति ।

12. यदि विभागीय प्रोन्नति समिति विद्यमान है वर्ग 4 विभागीय प्रोन्नति समिति । तो उसकी संरचना क्या है।

13. वे परिस्थितियां जिनमें भर्ती करने में संध लागू नहीं होता । लोक सेवा श्रायोग से परामर्ण करना होगा ।

> [सं० 3-2)-69/बाह्यस्थापना-3] -पी०के० मखर्जी, ग्रवर सचिव ।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 12th May 1971

G.S.R. 769.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution, and after consultation with the Comptroller and Auditor-General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Revised Leave Rules, 1933, namely:--

- 1. (1) These rules may be called the Revised Leave (Second Amendment) Rules, 1971.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. in sub-rule (b) of rule 14 of the Revised Leave Rules, 1933-
 - (a) for sub-clause (1) below clause (iii), the following sub-clause shall be substituted, namely:-
 - "(1) pulmonary tuberculosis or pleurisy of tubercular origin, in a recognised sanatorium, or";
 - (b) in Note 1 below clause (iii), after the words "suffering from pulmonary tuberculosis", the words "or pleurisy of tubercular origin" shall be inserted;
 - (c) after Note 2 below clause (iii), the following clause shall be inserted, namely:--

- "(ili-a) twelve months where the Government servant is undergoing treatment for Cancer, or for mental illness, in an institution recognised for the treatment of such disease or by a civil surgeon or a specialist in such disease.
- Note.—This concession will be admissible only to those Government servants who have been in continuous Government service for a period exceeding one year."

[No. 12(16)-E.IV(A)/70.]

New Delhi, the 14th May 1971

- G.S.R. 770.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution, the President, after consultation with the Comptroller and Auditor General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, hereby makes the following rules further to amend the Fundamental Rules, namely:—
 - (i) These rules may be called the Fundamental (Fifth Amendment) Rules, 1971.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In rule 53 of the Fundamental Rules (hereinafter referred to as the said rules), in the opening paragraph, after the words "A Government servant under suspension", the words "or deemed to have been placed under suspension by an order of the appointing authority" shall be inserted.
- 3. For rule 54 of the said rules, the following rules shall be substituted, namely:—
 - "54 (1) when a Government servant who has been dismissed, removed or compulsorily retired is re-instated as a result of appeal or review or would have been so re-instated but for his retirement on superannuation while under suspension preceding the dismissal, removal or compulsory retirement, the authority competent to order re-instatement shall consider and make a specific order—
 - (a) regarding the pay and allowances to be paid to the Government servent for the period of his absence from duty including the period of suspension preceding his dismissal, removal, or compulsory retirement, as the case may be; and
 - (b) whether or not the said period shall be treated as a period spent on duty.
- (2) Where the authority competent to order re-instatement is of opinion that the Government servant who had been dismissed, removed or compulsorily retired has been fully exonerated, the Government servant shall, subject to the provisions of sub-rule (6), be paid the full pay and allowances to which he would have been entitled, had he not been dismissed, removed or compulsorily retired or suspended prior to such dismissal, removal or compulsory retirement, as the case may be:

Provided that where such authority is of opinion that the termination of the proceedings instituted against the Government servant had been delayed due to reasons directly attributable to the Government servant, it may, after giving him

an opportunity to make his representation and after considering the representation, if any, submitted by him, direct, for reasons to be recorded in writing, that the Government servant shall, subject to the provisions of sub-rule (7), be paid for the period of such delay, only such proportion of such pay and allowances as it may determine.

- (3) In a case falling under sub-rule (2), the period of absence from duty including the period of suspension preceding dismissal, removal or compulsory retirement, as the case may be, shall be treated as a period spent on duty for all purposes.
- (4) In cases other than those covered by sub-rule (2) [including cases where the order of dismissal, removal or compulsory retirement from service is set aside by the appellate or reviewing authority solely on the ground of non-compliance with the requirements of clause (2) of article 311 of the Constitution and no further inquiry is proposed to be held] the Government servant shall, subject to the provisions of sub-rules (6) and (7), be paid such proportion of the full pay and allowances to which he would have been entitled, had he not been dismissed, removed or compulsorily retired or suspended prior to such dismissal removal or compulsory retirement, as the case may be, as the competent authority may determine, after giving notice to the Government servant of the quantum proposed and after considering the representation, if any, submitted by him in that connection within such period as may be specified in the notice:

Provided that any payment under this sub-rule shall be restricted to a period of three years immediately preceding re-instatement or retirement on superannuation, as the case may be.

(5) In a case falling under sub-rule (4), the period of absence from duty including the period of suspension preceding his dismissal, removal or compulsory retirement, as the case may be, shall not be treated as a period spent on duty, unless the competent authority specifically directs that it shall be so treated for any specified purpose:

Provided that if the Government servant so desires such authority may direct that the period of absence from duty including the period of suspension preceding his dismissal, removal, or compulsory retirement, as the case may be, shall be converted into leave of any kind due and admissible to the Government servant.

- Note.—The order of the competent authority under the preceding proviso shall be absolute and no higher sanction shall be necessary for the grant of—
 - (a) extraordinary leave in excess of three months in the case of temporary Government servant; and
 - (b) leave of any kind in excess of five years in the case of permanent or quasi-permanent Government servant.
- (6) The payment of allowances under sub-rule (2) or sub-rule (4) shall be subject to all other conditions under which such allowances are admissible.
- (7) The proportion of the full pay and allowances determined under the proviso to sub-rule (2) or under sub-rule (4) shall not be less than the subsistence allowance and other allowances admissible under Rule 53.
- (8) Any payment made under this rule to a Government servant on his reinstatement shall be subject to adjustment of the amount, if any, earned by him through an employment during the period between the date of removal, dismissal or compulsory retirement, as the case may be, and the date of re-instatement. Where the emoluments admissible under this rule are equal to or less than the amounts earned during the employment elsewhere, nothing shall be paid to the Government servant.
- 54-A. (1) Where the dismissal, removal or compulsory retirement of a Government servant is set aside by a court of law and such Government servant is rements at a without holding any further inquiry, the period of absence from duty shall be regularised and the Government servant shall be paid pay and allowances in accordance with the provisions of sub-rule (2) or (3) subject to the directions, if any, of the court.
- (2) Where the dismissal, removal or compulsory retirement of a Government servant is set aside by the court solely on the ground of non-compliance with the requirements of clause (2) of article 311 of the Constitution, and where he is not exonerated on merits, the pay and allowances to be paid to the Government servant

for the period intervening between the date of dismissal, removal or compulsory retirement including the period of suspension preceding such dismissal, removal or compulsory retirement, as the case may be, and the date of re-instatement shall be determined by the competent authority and the said period shall be regularised, in accordance with the provisions contained in sub-rules (4), (5) and (7) of Rule 54.

- (3) If the dismissal, removal or compulsory retirement of a Government servant is set aside by the court on the merits of the case, the period intervening between the date of dismissal, removal or compulsory retirement including the period of suspension preceding such dismissal, removal or compulsory retirement, as the case may be, and the date of re-instatement shall be treated as duty for all purposes and he shall be paid the full pay and allowances for the period, to which he would have been entitled, had he not been dismissed, removed or compulsorily retired or suspended prior to such dismissal, removal or compulsory retirement, as the case may be.
- (4) The payment of allowances under sub-rule (2) or sub-rule (3) shall be subject to all other conditions under which such allowances are admissible.
- (5) Any payment made under this rule to a Government servant on his retnstatement shall be subject to adjustment of the amount, if any, carned by him through an employment during the period between the date of dismissal, removal or compulsory retirement and the date of re-instalement. Where the emoluments admissible under this rule are equal to or less than those earned during the employment elsewhere, nothing shall be paid to the Government servant.
- 54-B. (1) When a Government servant who has been suspended is re-instated or would have been so re-instated but for his retirement on superannuation while under suspension, the authority competent to order re-instatement shall consider and make a specific order—
 - (a) regarding the pay and allowances to be paid to the Government servant for the period of suspension ending with re-instatement or the date of his retirement on superannuation, as the case may be; and
 - (b) whether or not the said period shall be treated as a period spent on duty.
- (2) Notwithstanding anything contained in Rule 53, where a Government servant under suspension dies before the disciplinary or court proceedings instituted against him are concluded, the period between the date of suspension and the date of death shall be treated as duty for all purposes and his family shall be paid the full pay and allowances for that period to which he would have been entitled had he not been suspended, subject to adjustment in respect of subsistence allowance already paid.
- (3) Where the authority competent to order re-instatement is of the opinion that the suspension was wholly unjustified, the Government servent shall, subject to the provisions of sub-rule (8), be paid the full pay and allowances to which he would have been entitled, had he not been suspended.

Provided that where such authority is of the opinion that the termination of the proceedings instituted against the Government servant had been delayed due to reasons directly attributable to the Government servant, it may, after giving him an opportunity to make his representation and after considering the representation, if any submitted by him, direct, for reasons to be recorded in writing, that the Government servant shall be paid for the period of such delay only such proportion of such pay and allowances as it may determine.

- (4) In a case falling under sub-rule (3) the period of suspension shall be treated as a period spent on duty for all purposes.
- (5) In cases other than those falling under sub-rules (2) and (3), the Government servant shall subject to the provisions of sub-rules (8) and (9) be paid such proportion of the full pay and allowances to which he would have been entitled had he not been suspended, as the competent authority may determine, after giving notice to the Government servant of the quantum proposed and after considering the representation, if any, submitted by him in that connection within such period as may be specified in the notice.
- (6) Where suspension is revoked pending finalisation of the disciplinary or court proceedings, any order passed under sub-rule (1) before the conclusion of the proceedings against the Government servant, shall be reviewed on its own

motion after the conclusion of the proceedings by the authority mentioned in sub-rule (1) who shall make an order according to the provisions of sub-rule (3) or sub-rule (5), as the case may be.

(7) In a case falling under sub-rule (5) the period of suspension shall not be treated as a period spent on duty, unless the competent authority specifically directs that it shall be so treated for any specified purpose;

Provided that if the Government servant so desires, such authority may order that the period of suspension shall be converted into leave of any kind due and admissible to the Government servant.

- Note.—The order of the competent authority under the preceding proviso shall be absolute and no higher sanction shall be necessary for the grant of—
 - (a) extraordinary leave in excess of three months in the case of temporary Government servant; and
 - (b) legive of any kind in excess of five years in the case of permanent or quasi-permanent Government servant.
- (8) The payment of allowances under sub-rule (2), sub-rule (3) or sub-rule (5) shall be subject to all other conditions under which such allowances are admissible.
- (9) The proportion of the full pay and allowances determined under the proviso to sub-rule (3) or under sub-rule (5) shall not be less than the subsistence allowance and other allowances admissible under Rule 53."

[No. F. 1(14)-EIV(A)/63.] V. K. PANDIT, Under Secy.

(Department of Revenue and Insurance)

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 22nd May 1971

- G.S.R. 771.—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Central Excise (Sixth Amendment) Rules, 1971.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
 - 2. In the Central Excise Rules, 1944, in Appendix I, in (II) Specimen Forms,—
- (i) in Form A.R.4, Central Excise Series No. 60, and in Form A.R.4-A, Central Excise Series No. 60A, the existing declaration commencing with the words "I/We hereby declare" and ending with the words, brackets and figures "Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960." shall be omitted;
- (ii) in form A.R.4-(Land), Central Excise Series No. 61, paragraph 4 commencing with the words "I/We hereby decfare" and ending with the words, brackets and figures "Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960." shall be omitted.

[No. 49/71.]

S. K. DHAR, Under Secy.

(राजस्ब मौर बीमा विभाग)

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दल्ली, 22 **मई**, 1971

सा० का० नि० 771.-केन्द्रीय उत्पाद शुस्क भ्रौर नमक श्रधिनियम 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उश्पाद शुस्क नियम, 1944 में श्रौर श्रागे संशोधन करने के लिए नियनलिखित नियम, एतदद्वारा बनाती है, श्रर्थात्:--

1. (1) इत नियमों का नाम केन्द्रीय उत्पाद शुरुक (छटा संशोधन) नियम 1971 होगा।

- (2) ये शासकीय राजपत्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. केन्द्रीय उत्पाद शुक्त नियम, 1944 में, परिशिष्ट ${f I}$ में, (ii) नमूना प्ररूपों में :---
- (i) प्रकार ए० भ्रार० 4, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क भ्रावित सं० 60 में, श्रीर प्रकार ए० भ्रार० 4-क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क भ्रावित सं० 60 क में "मैं/हम एतद्द्रारा घोषित करता हूं/करते हैं" शब्दों से प्रारम्भ होने वाली भ्रीर "न किया जाएगा" शब्दों से समाप्त होने वाली विद्य मान भ्रोषणा लुप्त कर दी जाएगी;
- (ii) प्ररूप ए॰ प्रार॰ 4 (भूमि), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राविल सं० 61 में "मैं/हम एतद्द्वारा घोषणा करता हूं/करते हैं" शब्दों से प्रारम्भ होने वाला और "न किया जाएगा" शब्दों से समाप्त होने वाला पैरा 4 लुप्त कर दिया जाएगा।

[संख्या 49/71]

एस० के० धर, भ्रवर सचिव।

(Department of Revenue & Insurance)

CUSTOMS

New Delhi, the 22nd May 1971

G.S.R. 772.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts lubricating oil, when imported into India, in the engines of any aircraft registered in India or of any aircraft of the Indian Air Force, from the whole of the duty of customs leviable thereon, including the additional duty leviable under section 2A of the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934), provided no drawback was allowed on the duty-paid lubricating oil in the engines of such aircraft at the time of its departure from India.

[No. 39/F. No. 40/2/63-Cus[IV.]

(राजस्य ग्रीर बीमा विभाग)

सीमा शुल्क

नई दिल्ली, 22 मई, 1971

श्री० एस० श्रार्० 172.—सीमा शुल्क प्रधिनियम, 1962 की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोकहित में प्रावश्यक है, भारत में रजिस्ट्रीकृत किसी वायुयान या भारतीय वायु सेना के किसी वायु-यान के इंजनों में के स्नेहक तेल को, भारत में प्रायात किए जाने पर, उस पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण सीमा शुल्क से, जिसमें भारतीय ट्रैरिफ प्रधिनियम, 1934 (1934 का 32) की धारा 2क के प्रधीन उर्ग्यहणीय प्रतिरिक्त शुल्क सम्मिलित है, एतव्द्वारा छूट देती है, परन्तु यह तब जब कि भारत से प्रस्थान के समय ऐसे वायुयान के इंजनों के शुल्क संदत्त स्नेहक तेल पर कोई वापसी धनुजात न की गई हो।

[संख्या 39/फा० सं० 40/2/63-सी० गु०-4]

G.S.R. 773.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts so much of the quantity of the fuel when imported into India in the tanks of the aircrafts of an Indian airline or of the Indian Air Force, as is equal to the quantity of the same type of duty-paid fuel taken out of India in the tanks of the aircrafts of the same airline or of the Indian Air Force, from the whole of the duty of Customs leviable thereon, including the additional duty leviable under section 2A of the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934):

Provided that--

- (i) the rate of duty of customs, including the additional duty leviable under the said section 2A, leviable on such fuel is the same at the time of the arrivals and departures of such aircrafts; and
- (ii) no drawback was allowed on such fuel at the time of departures of such aircrafts from India.

[No. 40/F. No. 40/2/63-Cus.IV.]
K. J. RAMAN, Under Secy.

जी एस जार 773.—सीमा गुल्क अधिनियम, 196 2 (196 2 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार यह समाधान होने पर कि ऐसा करना लोकहित में प्रावश्यक है, किसी भारतीय एयरलाइन या भारतीय क्षायु सेना के वायुयानों की टंकियों में के ईंधन की, भारत में भ्रायात किए जाने पर, उतनी माला को, जितनी उसी एयरलाइन या भारतीय वायु सेना के वायुयानों की टंकियों में भारत से बाहर ले जाए गए उसी प्रकार के शुरुक-संवत्त ईंधन के बराबर हो, उस पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण सीमा शुरुक से, जिसमें भारतीय टैरिफ श्रिधनियम, 1934 (1934 का 32) की धारा 2क के श्रधीन उद्ग्रहणीय मितरिक्त शुरुक सिम्मलित है, एतद्द्वारा छूट वेती है:

परम्सु यह तब जबकि ,--

(i) ऐसे इंधन पर उद्ग्रहणीय सीमा शुल्क, जिसमें उक्त धारा 2क के ग्रधीन उद्ग्रहणीय ग्रतिरिक्त शुल्क सम्मिलित है, की दर ऐसे वायुयानों के ग्रागमन ग्रीर प्रस्थान के समय एक ही हो ; ग्रीर (ii) ऐसे वायुयानो के भारत से प्रस्थान के समय कोई बापसी श्रनुज्ञात न की गई हो।

[संख्या 40/फा० सं० 40/2/63 सी० मु०-4]

हस्ताक्षर

के० जे० रामन, अवर सचिव ।

